वर्ष 73 ▸ अंक 180 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 30 मार्च, 2026
चैत्र शुक्ल पक्ष 12, विक्रम संवत् 2083
नगर ▪▪ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"जीवन का उद्देश्य ही किसी मनुष्य को असल में मनुष्य बनाता है। उद्देश्य के बिना मनुष्य का कोई अर्थ नहीं है।
-अज्ञात

ऑफ बीट

एआई का कमाल

चैटजीपीटी की मदद से 5 दिन में बिका घर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब केवल टेक्नोलॉजी या कंटेंट बनाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह रियल एस्टेट जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव ला रहा है। इसका ताजा उदाहरण अमेरिका के फ्लोरिडा से सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से अपना घर करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 9.5 करोड़) में बेच दिया। वह भी बिना किसी रियल एस्टेट एजेंट के। इस पूरी प्रक्रिया की खास बात यह रही कि घर महज 5 दिनों के भीतर बिक गया और मालिक को स्थानीय एजेंट्स के अनुमान से करीब 95 लाख रुपए ज्यादा कीमत मिली। मियामी निवासी रोबर्ट लेविन ने फैसला किया कि एआई घर बेचने की प्रक्रिया को संभाल सकता है।

आईपीएल में आज

चैन्नई बनाम राजस्थान

समय : शाम 7.30 बजे से

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

खतरा बरकरार: अमेरिकी रिसर्च इकाई की रिपोर्ट ने बढ़ाई दक्षिण एशिया में सुरक्षा स्थिति पर चिंता

पाक में अब भी सक्रिय हैं भारत विरोधी आतंकी संगठन

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान अब भी कई आतंकी संगठनों को पनाह दे रहा है, जिनमें वे संगठन भी शामिल हैं जो भारत और कश्मीर को निशाना बनाते रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस की रिसर्च इकाई कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) की इस रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया में सुरक्षा स्थिति को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की जमीन पर कई ऐसे आतंकी संगठन अब भी सक्रिय हैं, जिनका मुख्य फोकस भारत है। इनमें 2008 के मुंबई हमलों के लिए जिम्मेदार लश्कर-ए-तैयबा और 2001 में भारतीय संसद पर हमले से जुड़ा जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख रूप से शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्षों से चल रही सैन्य कार्रवाइयों और नीतिगत कदमों के बावजूद ये संगठन 'अब भी पाकिस्तान की जमीन पर काम कर रहे हैं।'

पाकिस्तान में सक्रिय अधिकांश संगठनों की विचारधारा इस्लामी उग्रवाद से प्रेरित बताई गई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद क्षेत्र में उग्रवाद को बढ़ावा मिला है। इससे पाकिस्तान समेत पूरे दक्षिण एशिया में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। सीआरएस अमेरिकी कांग्रेस की एक स्वतंत्र शोध इकाई है, जो विभिन्न मुद्दों पर रिपोर्ट तैयार कर सांसदों को नीति निर्माण में मदद करती है। हालांकि, इसकी रिपोर्ट को अमेरिकी सरकार की आधिकारिक नीति नहीं माना जाता, लेकिन इसे एक विश्वसनीय विश्लेषण के रूप में देखा जाता है।

पाक में पांच तरह के आतंकी नेटवर्क

- वैश्विक स्तर पर सक्रिय संगठन
- अफगानिस्तान केंद्रित संगठन
- भारत व कश्मीर केंद्रित संगठन
- पाक के अंदर सक्रिय संगठन
- सांप्रदायिक (सेक्टेरियन) संगठन

आतंकवाद में तेजी से बढ़ोतरी

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में हाल के वर्षों में आतंकवाद की घटनाओं में तेज वृद्धि हुई है।

2019 में आतंकवाद से जुड़ी मौतें घटकर 365 तक आई थी

2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 4,001 मौतों तक पहुंच गया।

11 सालों में सबसे ज्यादा मौतें हुई पिछले साल।

पाकिस्तान: ठिकाना भी, निशाना भी

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान एक ऐसा देश बन गया है जहां आतंकी संगठन न केवल शरण लेते हैं, बल्कि खुद पाकिस्तान भी उनके हमलों का शिकार बनता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान का इस्तेमाल इन संगठनों द्वारा 'आधार और लक्ष्य' दोनों के रूप में किया जा रहा है।

पाक के भीतर सबसे बड़ा खतरा टीटीपी

अमेरिका की इस रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पाकिस्तान के अंदर सक्रिय समूहों में सबसे घातक आतंकी संगठन बताया गया है। इसके पास करीब 2,500 से 5,000 लड़ाके हैं। इसका लक्ष्य पाकिस्तान सरकार को गिराकर शरिया कानून लागू करना है।

अल-कायदा और आईसिस का भी असर

रिपोर्ट में कहा गया है कि अल-कायदा का नेटवर्क कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन वह अब भी क्षेत्र में सक्रिय है और अन्य संगठनों के साथ गठजोड़ बनाए हुए है। वहीं, इस्लामिक स्टेट खोरासन प्रोविंस (आईएसकेपी) के पास अनुमानित 4,000 से 6,000 लड़ाके हैं, जो अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों में सक्रिय हैं।

अमेरिकी रिपोर्ट ने एक बार फिर यह संकेत दिया है कि पाकिस्तान में आतंकी नेटवर्क अब भी सक्रिय हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बने हुए हैं।

भारत-केंद्रित संगठनों की मौजूदगी, आतंकवाद में बढ़ोतरी और वैश्विक आतंकी नेटवर्क की सक्रियता ये सभी कारक दक्षिण एशिया में अस्थिरता को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस चुनौती से निपटने के लिए क्या कदम उठाता है और क्षेत्र में शांति और सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है।

पंजाब: मलेरकोटला में 2 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

मलेरकोटला (पंजाब), जेएनएन। पंजाब के मलेरकोटला जिले में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी पिछले कई वर्षों से इलाके में छिपकर रह रहे थे और मजदूरी कर स्थानीय लोगों के बीच घुलमिल गए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। दोनों को शनिवार को शेरवानी कोटे गांव से हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई पंजाब पुलिस की सीआईए विंग और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत की गई। पुलिस टीम ने गांव में छापा मारकर दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद दोनों को जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

पश्चिम एशिया जंग: जमीनी युद्ध की आशंका के बीच 3500 अमेरिकी सैनिक खाड़ी पहुंचे, इधर... इस्लामाबाद में कूटनीतिक कोशिशें शुरू

ईरान पर जमीनी हमले की तैयारी में अमेरिका

तेहरान/ वॉशिंगटन/ रियाद/ इस्लामाबाद, जेएनएन। पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच टकराव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। एक ओर अमेरिका जमीनी सैन्य कार्रवाई (ग्राउंड ऑपरेशन) की तैयारी करता नजर आ रहा है, वहीं ईरान ने खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि अमेरिकी सैनिकों के लिए उसकी धरती 'नरक' साबित होगी। इसी बीच, खाड़ी में हमले तेज हो गए हैं, अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है, और हालात को नियंत्रित करने के लिए पाकिस्तान में बहुपक्षीय कूटनीतिक बैठक भी शुरू हो गई है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पेंटागन ईरान में कई हफ्तों तक चलने वाले जमीनी सैन्य अभियान की तैयारी कर रहा है। इस योजना में स्पेशल ऑपरेशन फोर्सेज द्वारा छापेमारी, पारंपरिक पैदल सेना की तैनाती और अमेरिकी सेना की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के हजारों सैनिकों को क्षेत्र में भेजना शामिल हो सकता है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी पुष्टि की है कि लगभग 3,500 मरीन और नौसैनिकों को लेकर यूएसएस त्रिपोली युद्धपोत 27 मार्च को पश्चिम एशिया पहुंच चुका है।

इन तैयारियों के बीच ईरान ने बेहद आक्रामक प्रतिक्रिया दी है। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी करते हुए कहा, 'हम आपका इंतजार कर रहे हैं।' और चेतावनी दी गई कि 'जो अमेरिकी सैनिक ईरान की जमीन पर कदम रखेंगे, वे ताबूत में लौटेंगे।'

इस बीच इजराइल ने ईरान के 4 प्रमुख बैलिस्टिक मिसाइल निर्माण केंद्र नष्ट किए और 29 लॉन्च साइट्स को नुकसान पहुंचाया गया। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इन हमलों के बावजूद ईरान की मिसाइल क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और वह अब भी हमले करने में सक्षम है।

अमेरिका के लिए 'नरक' साबित होगी हमारी धरती: ईरान

TEHRAN TIMES

Welcome to Hell

US troops who step foot on Iranian soil will leave only in a coffin

ईरान ने अपने संदेश में लिखा था- 'वेलकम टू हेल' (नरक में आपका स्वागत है) इसे तेहरान टाइम्स ने अपनी हेडलाइन बनाया है।

युद्ध का फैलाव: ऊर्जा ठिकाने और रणनीतिक मार्ग निशाने पर

ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह अमेरिकी और इजरायली ठिकानों को 'वैध लक्ष्य' मानता है, लेकिन हालिया हमलों में ऊर्जा ढांचे को भी निशाना बनाया गया है।

- सऊदी की रास तनुरा रिफाइनरी व यनबू तेल संयंत्रों पर हमले इस रणनीति का हिस्सा हैं। ईरान वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित करना चाहता है।
- होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के 20 फीसदी तेल और गैस की आपूर्ति होती है, में जहाजरानी बुरी तरह प्रभावित हुई है। इससे वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है।

अमेरिकी अवाक्स विमान क्षतिग्रस्त: जमीनी युद्ध की आशंका के बीच ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में हमले तेज कर दिए हैं। सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर हुए बड़े हमले में अमेरिका का अत्याधुनिक ई-3 संेट्री अवाक्स विमान क्षतिग्रस्त हो गया।

"अमेरिका एक ओर कूटनीति की बात करता है, जबकि दूसरी ओर गुप्त रूप से जमीनी हमले की योजना बना रहा है। ईरानी लड़ाके अमेरिकी सैनिकों को 'सबक सिखाने' के लिए तैयार हैं।
-मोहम्मद बाकर गालिबाफ, स्पीकर ईरानी संसद

कूटनीतिक मोर्चा: इस्लामाबाद में अहम बैठक

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक शुरू हुई है। इस बैठक की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है, जिसने खुद को इस संकट में मध्यस्थ के रूप में पेश किया है।

चर्चा के बिंदु... ▪ तनाव कम करना ▪ संभावित युद्धविराम ▪ कूटनीतिक समाधान

संक्षिप्त खबरें

रेमंड के पूर्व चेयरमैन सिंघानिया का निधन

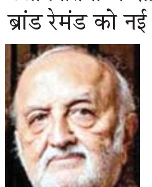

मुंबई, जेएनएन। देश के प्रमुख उद्योगपतियों में शामिल और टेक्सटाइल ब्रांड रेमंड को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले समूह के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का 87 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। शनिवार शाम उनके निधन के बाद रविवार को मुंबई के चंदनवाड़ी श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे और रेमंड समूह के मौजूदा चेयरमैन गौतम सिंघानिया ने मुखाग्नि दी। विजयपत सिंघानिया अपने पीछे पत्नी आशादेवी और तीन बच्चों शेफाली रुइया, मधुपति और गौतम सिंघानिया को छोड़ गए हैं। उनके निधन के साथ भारतीय उद्योग जगत का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो गया।

सुकमा में पांच लाख के ईनामी नक्सली की मौत

सुकमा (छत्तीसगढ़), जेएनएन। नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है, जहां 5 लाख रुपये के इनामी नक्सली को मार गिराया गया है। यह कार्रवाई नक्सल उन्मूलन के लिए तय 31 मार्च की डेडलाइन से ठीक पहले हुई है, जिसे सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण ऑपरेशन माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ सुकमा जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र के घने जंगलों में चल रही है। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था।

इंदौर: सीएम ने किया इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण

मप्र बन रहा देश का लॉजिस्टिक हब: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में रेल और विमानन सेवाओं के साथ रोड कनेक्विटी के लिए हो रहे कार्यों से विकास की गति ने तेजी पकड़ ली है। इससे मध्यप्रदेश देश का लॉजिस्टिक हब बनता जा रहा है। हमारी सरकार का संकल्प है कि राज्य में हर 150 किलोमीटर पर एक कमर्शियल एयरपोर्ट विकसित किया जाएगा। सीएम रविवार को इंदौर में लोकमाता अहिल्याबाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट में टर्मिनल-1 का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 8 एयरपोर्ट, 20 हवाई पट्टियां और 220 हेलीपैड्स मौजूद हैं। बीते दो साल में ही हमने प्रदेश में रीवा, सतना और दतिया में नए एयरपोर्ट का संचालन शुरू किया है। उज्जैन और शिवपुरी में भी नया एयरपोर्ट बनाने की तैयारी है।

डॉ. यादव ने कहा है कि अब हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज की यात्रा करने में समर्थ्य हुआ है।

प्रदेश में हर 150 किमी पर कमर्शियल एयरपोर्ट का लक्ष्य

सीएम ने कहा कि प्रदेश में हर 150 किमी पर एक कमर्शियल एयरपोर्ट, हर 75 किमी पर एक एयरस्ट्रिप और प्रत्येक 45 किमी पर एक हेलीपैड की सुविधा उपलब्ध हो, इस लक्ष्य को लेकर राज्य सरकार काम कर रही है। तीनों क्षेत्रों में अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है।

नया टर्मिनल प्रति घंटे 400 यात्रियों को संभालने में सक्षम

सीएम ने कहा कि इंदौर के नए टर्मिनल में यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। अब यह नया टर्मिनल प्रति घंटे लगभग 400 यात्रियों को संभालने में सक्षम हो गया है। इसमें 14 चेक-इन काउंटर्स बनाए गए हैं और लगभग 300 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था भी यहां की गई है। करीब 6 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में बने इस टर्मिनल की वार्षिक यात्री क्षमता 15 लाख है। यात्रियों की सुविधा के लिए यहां उड़ान यात्री कैफे की शुरुआत भी की जा रही है। इसमें यात्रियों को 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में नाश्ता मिलेगा।

प्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत भी की गई है, इससे गंभीर रोगों से ग्रसित मरीजों को त्वरित उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाया जा रहा हैं।

नये टर्मिनल के लोकार्पण कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारापु राममोहन नायडू ने भी वर्चुअली सहभागिता की।

गड्ढे में गिरी कार, ससुर बहू और पोता जिंदा जले

बालाघाट: दो गंभीर घायल, संभलने का नहीं मिला मौका

जागरण, बालाघाट। बालाघाट में रविवार को फिर दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक चलती कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी, जिसके बाद उसमें आग लग गई। लपटें इतनी तेजी से फैली कि अंदर बैठे लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। हादसे में ससुर- बहू और पोता जिंदा जल गए। घटना देर रात बैहर-मलाजखंड रूट पर केवलारी चौराहे के पास की है। मृतकों की पहचान नगारची केलकर (65 साल), बहू सविता केलकर (28 साल) और पोता अभि केलकर (3 साल) के रूप में हुई है। कार चला रहा सीतम और उसकी मां नाना बाई गंभीर रूप से झुलस गए हैं। दोनों को गोंदिया (महाराष्ट्र) रेफर किया है। सड़क से गुजर रहे लोगों ने कार का कांच फोड़कर तीन लोगों को बाहर निकाला। इनमें 8 साल की बच्ची पूर्वी राहांगडाले पूरी तरह सुरक्षित है।

ड्राइवर को झपकी की आशंका

कार चालक सीतम केलकर अपने गृह ग्राम पोंडी (परसवाड़ा, बालाघाट) से पौनी (मलाजखंड) जा रहा था। देर रात वह अपने माता-पिता, पत्नी, बेटे और पड़ोसी बच्ची पूर्वी के साथ ऑल्टो कार से पौनी लौट रहा था। एएसपी आदर्शकांत शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि कार पूरी तरह जल चुकी है। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने ड्राइवर को झपकी आने की आशंका भी जताई है।

तेलंगाना: पेरेंट्स सपोर्ट बिल

माता-पिता की अनदेखी की तो कटेगा वेतन

हैदराबाद, जेएनएन। तेलंगाना सरकार ने बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा के बढ़ते मामलों को देखते हुए बड़ा कदम उठाया है। राज्य कैबिनेट ने एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत यदि कोई व्यक्ति अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल नहीं करता है, तो उसकी सैलरी से कटौती कर सीधे माता-पिता को आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह निर्णय मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया, जहां सामाजिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। प्रस्तावित 'पेरेंट्स सपोर्ट बिल' के तहत यदि कोई जनप्रतिनिधि, सरकारी कर्मचारी या निजी कर्मचारी अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल नहीं करता है तो उसकी सैलरी का 15 फीसदी या अधिकतम 10,000 रुपए (जो भी कम हो) काट लिया जाएगा। यह राशि सीधे माता-पिता को दी जाएगी। बिल में प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है।

नैतिकता बनाम कानून: बहू को गुजारा भत्ता देने के लिए बाध्य करने से इलाहाबाद हाईकोर्ट का इनकार

सास-ससुर को बहू से भरण-पोषण लेने का अधिकार नहीं

प्रयागराज, जेएनएन। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट किया कि नैतिक दायित्व को कानूनी दायित्व में नहीं बदला जा सकता। अदालत ने एक वृद्ध दंपति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने बेटे की मृत्यु के बाद बहू से भरण-पोषण दिलाने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि कानून में सास-ससुर को उन श्रेणियों में शामिल नहीं किया गया है, जो भरण-पोषण की मांग कर सकते हैं, इसलिए इस प्रकार की मांग को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

यह मामला सामाजिक और कानूनी विमर्श के बीच के अंतर को उजागर करता है, जहां एक ओर पारिवारिक और नैतिक जिम्मेदारियों की बात होती है, वहीं दूसरी ओर कानून की सीमाएं स्पष्ट रूप से निर्धारित होती हैं।

यह है पूरा मामला

याचिकाकर्ता वृद्ध दंपति ने अदालत में कहा कि उनका इकलौता बेटा, जो पुलिस कांस्टेबल था, उनकी आजीविका का एकमात्र सहारा था। बेटे की मृत्यु 31 मार्च 2021 को हो गई और वे असहाय हो गए। उनकी बहू भी कांस्टेबल है। याचिका में कहा गया कि बेटे की मृत्यु के बाद बहू को उसकी सेवा से जुड़े सभी लाभ और सेवानिवृत्ति संबंधी धनराशि प्राप्त हुई है। ऐसे में, उनके अनुसार, बहू का यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि वह अपने वृद्ध सास-ससुर की देखभाल करे और उनका भरण-पोषण करे।

"विधायिका ने अपनी समझ के अनुसार इस प्रावधान में सास-ससुर को शामिल नहीं किया है। इसका अर्थ यह है कि कानून का उद्देश्य बहू पर ऐसा दायित्व डालना नहीं है। नैतिक दायित्व चाहे जितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे कानून के रूप में लागू नहीं किया जा सकता, जब तक कि इसके लिए विधिक आधार न हो।
- हाईकोर्ट की टिप्पणी

कानून की सीमाएं स्पष्ट

न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता—बीएनएसएस के अंतर्गत संबंधित प्रावधान) के तहत भरण-पोषण का अधिकार एक वैधानिक अधिकार है, जो केवल उन्हीं व्यक्तियों तक सीमित है, जिन्हें कानून में स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया गया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इन प्रावधानों में सास-ससुर को शामिल नहीं किया गया है। इसलिए बहू पर यह कानूनी दायित्व नहीं डाला जा सकता कि वह अपने सास-ससुर का भरण-पोषण करे।

दलील: दंपति वृद्ध, अशिक्षित और आर्थिक रूप से हैं कमजोर

मामले की शुरुआत आगरा की फैमिली कोर्ट से हुई। 21 अगस्त 2025 को प्रधान न्यायाधीश ने दंपति की याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की। वकील ने दलील दी कि फैमिली कोर्ट का आदेश मनमाना और अवैध है। उन्होंने कहा कि दंपति वृद्ध, अशिक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपने बेटे पर पूरी तरह निर्भर थे। वकील ने यह भी कहा कि बहू का सास-ससुर के प्रति नैतिक दायित्व होता है। अदालत ने कहा कि नैतिक दायित्व और कानूनी दायित्व अलग-अलग होते हैं। नैतिक रूप से यह अपेक्षा की जा सकती है कि बहू सास-ससुर की देखभाल करे, लेकिन इसे कानून के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता, जब तक कि स्पष्ट वैधानिक प्रावधान न हो।

लोकसभा में बिल पेश: अब एक गलती भी पड़ेगी भारी

नियम तोड़ा तो 3 माह के लिए सस्पेंड होगा ड्राइविंग लाइसेंस

नई दिल्ली, जेएनएन। सड़क सुरक्षा नियमों को सख्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोकसभा में पेश जन विश्वास (संशोधन) बिल 2026 के तहत अब ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर केवल चालान भरकर बचना आसान नहीं होगा, बल्कि गंभीर चूक होने पर ड्राइविंग लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है। इसके साथ ही 10,000 रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यह प्रस्ताव सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है।

पूरे देश में लागू होगा नियम

फिलहाल कुछ मामलों जैसे प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी) न होने पर लाइसेंस निलंबन का प्रावधान है, लेकिन यह सख्ती से लागू नहीं हो पाता। अब केंद्र सरकार इस नियम को पूरे देश में एक समान लागू करने जा रही है, जिससे राज्यों में अलग-अलग नियमों की समस्या खत्म होगी।

नियमों में कई बदलाव प्रस्तावित

- लाइसेंस की एक्सपायरी के बाद 30 दिन तक वैध माना जाएगा
- यदि कोई व्यक्ति पहले से लाइसेंस रिन्यू कराता है, तो नई वैधता पुरानी समाप्ति तिथि से ही मानी जाएगी
- देश में कहीं से भी ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की सुविधा मिलेगी

साहित्य सृजन

आयोध्या में राम जी

रंजिशें, बंदिशें सब खत्म हो गईं
मन के मंदिर में राम जी बसा लीजिये
सूर्योदय हुआ है नये क्षितिज में,
दिल के आइने को मंदिर बना लीजिये
तम्बुओं में रहे, कठघरों में रहे
विवादो में औ, अदालतों में रहे
जो दीन बन्धु रहे, सेतु बन्धु रहे.
तीर्थों में रहे रजकणों में रहे
वो जन्म भूमि आयोध्या पधारे हैं
अब गिले शिकवे भुला वन्दना कीजिये
विश्व वान्धव बने राष्ट्र विकसित बने कुर्बानियों की मिसालें बनें
भूखा प्यासा बतन में न कोई रहे शहीदों कि गाथा अमर कीजिये...
अब तलक जिन्हें ना संवारा गया वंचितों शोषितों को गले ना लगाया गया
रहवर बने उनकी ज्योति बने ऐसा सिलसिला शुरू कीजिये...
आंधियां आईं बहुत, दरख्त गिरते रहे घाव रिसते रहे सागर में कंदन होता रहा
अब गिरजाघरों, मस्जिदों, मंदिरों में नये दीपक जलाना शुरू कीजिये...
नौजवानों वतन के तुम श्रमवीर हो मंझधारें कश्ती के पतवार हो
दुर्व्यसनों को त्यागो, सुभाष, बापू, बनो महाराणा, शिवा, की तलवार हो
निर्मल गंगा रहे निर्मल सितारे रहें वसुधा में वृक्षों की कतारें रहें नई ऊर्जा बनो,
नई मशालें बनो तपस्वी बनो, स्वाबलंबी बनो
नये भारत कि तुम तकदीर हो करिश्मा वतन को दिखा दीजिये
रंजिशें, बंदिशें सब खतम हो गईं मन के मंदिर में राम जी बसा लीजिये

डॉ. जवाहर सिंह गहरवार, हिनौता

बदल गये अब नयन तुम्हारे

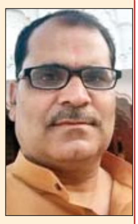

साथ-साथ हम चले डगर पर
मैं रो-रोकर तुम हंस-हंसकर
लिये गोद में किन्तु न तुमने,
मेरे अश्रु बिचारे
बदल गये अब नयन तुम्हारे।।
जिनमें स्नेह-सिंधु लहराया,
प्रीति भरा काजल मुस्काया
देखे हमने उन नयनों में,धधक रहे अंगारे
बदल गये अब नयन तुम्हारे।।
सोच रहा मैं एकाकी मन कितना कठिन प्रेम का बंधन
वहीं गये हर बार जहां हम, जीती बाजी हारे
बदल गये अब नयन तुम्हारे।।
कहता था तुमको मृगनयनी सुरभित सर में खिली कमलनी
फिर ये दिन हमने कैसे देखे, अश्रु-धार से पांव पखारे
बदल गये अब नयन तुम्हारे।।
गया हो द्वारिका जिसका मोहन फिर कैसे जागे यशोदा का सम्मोहन
आओ दिखायें कुंतल नभ को,खेल रहें हैं तारे
बदल गये अब नयन तुम्हारे।।

विजय शर्मा `स्वामी', हायर सेकेण्डरी कन्या गोविंदगढ़

रिश्वत जन्म लेने लगी

इंसानों के न्याय में, रिश्वत जन्म लेने लगी।
एक तो सरकारी दफ़्तर, दूसरा श्मसान है,
तीसरा हर सांस में रिश्वत खोरी होने लगी ।
इंसानों के साथ में, रिश्वत जन्म लेने लगी है।
हक की बात अब, नोटों की गूंज मे दबने लगी।
तराजू के एक पलड़े पर, सच्चाई तड़पने लगी ।
जब बिकने लगे न्याय तो,
रिश्वत ही रिश्वत पलने लगी है।
इंसानों के न्याय मे, रिश्वत जन्म लेने लगी।
कांपती कलमें नहीं, अब बेईमानी की फैसले पर,
अदालतें बन गई बाजारें । मुजरिमों के फैसले पर ।
रोता है इंसाफ कोने मे, अपनी ही लाचारी पर।
इंसानों ने डाल दी है खुद की जिम्मेदारी रिश्वत पर ।
इंसानों के न्याय में रिश्वत जन्म लेने लगी..।

शबनम शुक्ला, रीवा

एकता का दीप

जिस पौध को सींचा हमने, वही खंजर उठाता है,
अपने ही घर के आँगन में, नफरत बीज बो जाता है।
थाली भरकर प्यार दिया, सम्मान भी सिखलाया था,
आज वही धौंस दिखाता है, कैसा ये दौर सा आया है।
ये नफरत ज्यादा दिन तक, दिलों में न टिक पाएगी,
सच की उजली रोशनी हर कोना जगमगाएगी।
मनमानी की राह तुम्हारी, अब आगे न बढ़ पाएगी,
भारत माँ की संतानों से, हर चाल समझ में आएगी।
हम भी इसी वतन के बेटे, इस मिट्टी से नाता है,
पुरखों के बलिदानों से, इतिहास सदा जगमगाता है।
सीमा पर जाकर देखो तुम, वीर अडिग खड़े मिलेंगे,
देश बचाने की खातिर, हँसकर रण में लड़ते मिलेंगे।
तुम भी बताओ सच-सच अब, क्या रण में कोई उतरा था ?
क्या इस पावन धरती पर, रक्त किसी ने बहाया था ?
ये मिट्टी साक्षी हर पल की, हर गाथा दोहराती है,
भारत माँ की रक्षा को, हर दिल में ज्वाला जलाती है।
जिन हाथों ने पाल-पोसकर, तुमको बड़ा बनाया था,
आज उन्हीं पर वार करोगे-क्या यही धर्म निभाया था ?
छोड़ो अब ये भेदभाव सब, मिलकर दीप जलाना है,
एकता की डोर थामकर, भारत फिर सजाना है।
जय भारतम्, जय भारतम्, हर दिल की ये आवाज,
नफरत हार ही जाएगी, जीतेगा सच्चा विश्वास।
जय भारतम्, जय भारतम्, गूँजे हर एक किनारा,
प्यार, एकता, भाईचारे से, रोशन देश हमारा हो।।

प्रीतम शुक्ला, बिठौली सीधी

स्वामी जी

अपना ही प्रतिपाल करेंगे स्वामी जी।
हमरौ कछु ख़याल करेंगे स्वामी जी।।
जो खेती कर पालन पोषण करता है।
उसको ही कंगाल करेंगे स्वामी जी।।
कब तक उत्सव लोकतंत्र का होगा ये।
कहां कहां बंगाल करेंगे स्वामी जी।।
जाति धर्म के नाम बंट चुके लोग यहां।
कितना और धमाल करेंगे स्वामी जी।
ऐशगाह में चरिए पर अब हम भी।
अगली बार कमाल करेंगे स्वामी जी।।

रविशंकर चतुर्वेदी, सतना

वक्त

साथ रहता है कहां, वक्त गुजर जाता है,
जो समझता है वो हर, शख्स संवर जाता है
कोई बचपन को ही है साथ लिए जीता है,
यूं जवानी को ही बोतल मे लिए पीता है,
वक्त के साथ नशा सबका उतर जाता है,
जो समझता है वो हर, शख्स...
है जो पानी तो हो दरिया या हो इंसान कोई,
आते जाते ही हैं अच्छे जो हैं मेहमान कोई,
वो नहीं ठीक जो एक दर पे ठहर जाता है,
जो समझता है वो हर, शख्स...
यूं तो मौसम कि तरह, हालात बदलते देखा,
दिन के सूरज को भी हर शाम को ढलते देखा,
वक्त के साथ चला जो भी निखर जाता है,
जो समझता है वो हर, शख्स...
रहता भौरा है सदा,फूलों की तरफदारी मे,
खुशबू कलियों कि अदा,और उस खुमारी मे,
फिर भी रहता न सदा ,फूल बिखर जाता है,
जो समझता है वो हर, शख्स...

आशीष खरे `सारंग'
रीवा

नागौद, जसो, सिंहपुर, सेमरवारा और बाबूपुर मण्डलों के दो-दो दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

जागरण, सतना। भाजपा के नागौद जसो सिंहपुर सेमरवारा एवं बाबूपुर मण्डल के पंण् दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग 2026 का समापन रविवार को किया गया अलग.अलग स्थानो पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग मे प्रत्येक मण्डल से बड़ी संख्या मे कार्यकर्ताओ ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर प्रशिक्षित होने का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। प्रशिक्षण वर्ग मे मप्र शासन की राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियां विषय पर महत्वपूर्ण विचार रखे। सांसद गणेश सिंह ने केन्द्र सरकार की योजनाएं से कार्यकर्ताओ को अवगत कराया। भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती पाण्डेय ने बूथ प्रबंधन एवं मन की बात विषय पर विचार व्यक्त किये। तो महापौर योगेश ताम्रकार ने वेचारिक अधिष्ठान के बारे मे विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य नरेन्द्र त्रिपाठी, विनोद यादव, विनोद तिवारी, पुष्पराज बागरी एवं रमाकान्त गौतम, जिला उपाध्यक्ष ऋषभ सिंह, बालेन्द्र गौतम, श्रीकृष्ण द्विवेदी, शंकरदयाल त्रिपाठी, श्रीराम मिश्रा, अभिनव त्रिपाठी संजीव द्विवेदी, प्रियांशा उरमलिया ददोली पाण्डेय पंकज सिंह परिहार वसुन्धरा सिंह ने अपनेअपने विषयो के माध्यम से कार्यकर्ताओ को अवगत कराया।

हम विकसित भारत के संकल्प की ओर अग्रसर :प्रतिमा बागरी : प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने जसो सेमरवारा एवं सिंहपुर मण्डल के प्रशिक्षण वर्ग को सम्बोधित करते हुए प्रदेश सरकार की उपलब्धियो के सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने समाज के सभी वर्गो को ध्यान मे रखते हुए योजना बनायी है। जिसका लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है।

केन्द्र सरकार योजनाओ से लाखो गरीब गरीबी रेखा से बाहर आये: गणेश सिंह : सांसद गणेश सिंह ने सिंहपुर नागौद मण्डल के प्रशिक्षण वर्ग मे पार्टी कार्यकर्ताओ को केंद्र सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोंदी के नेतृत्व मे देश के करोड़ो गरीबो का जीवन स्तर बेहतर से बेहतर हुआ है और वो गरीबी रेखा से बाहर आकर बेहतर जीवन जी रहे है। उन्होने कहा कि हमारी सरकार देश के चार प्रमुख स्तम्भो गरीब, किसान, महिला एवं युवाओ के सम्बन्ध मे योजनाये बनाकर उनकी बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। उन्होने कहा कि हमारा देश विकसित भारत की दिशा मे तेजी से आगे बढ़ रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष पं भगवती प्रसाद पाण्डेय ने नागौद मण्डल के प्रशिक्षण वर्ग की अध्यक्षता करते हुए प्रशिक्षण वर्ग मे बूथ प्रबन्धन के सम्बन्ध मे विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि बूथ को समान विचारधारा के व्यक्तियो एवं सक्रिय कार्यकर्ताओ को जोड़कर मजबूत किया जा सकता है और इस दिशा मे सक्रियता से काम करना होगा। महापौर योगेश ताम्रकार ने बाबूपुर एवं नागौद मण्डल के प्रशिक्षण वर्ग मे वैचारिक अधिष्ठान विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी विधारधारा आधारित राजनैतिक दल है जो राष्ट्र प्रथम की अवधारणा से प्रेरित होकर कार्य करती है और यही हमारी पार्टी की प्रमुख सिद्धान्तो मे से एक है। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सतना में रविवार भाजपा जिलाध्यक्ष पंण् भगवती प्रसाद पाण्डेय की विशेष मौजूदगी मे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 132 कड़ी का प्रसारण कार्यकर्ताओं ने लाइव प्रोजेक्टर पर देखा और सुना। इसके अतिरिक्त मण्प्रण् शासन की राज्यमंत्री प्रतिमा बागरीए श्री गणेश सिंहए विधायक नागेन्द्र सिंहए सुरेन्द्र सिंह गहरवारए विक्रम सिंह एवं महापौर योगेश ताम्रकार ने विभिन्न बूथो पर प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना। इस कार्यक्रम को जिले के सभी 1522 बूथो पर सुना गया।

पूर्व विधायक स्व. यादवेंद्र सिंह को उप मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

जागरण, सतना। पूर्व विधायक स्व. यादवेंद्र सिंह के निधन पर मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार को उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल सतना जिले के कचनार ग्राम स्थित उनके निवास पहुंचे, जहां उन्होंने स्व. यादवेंद्र सिंह के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संवेदनाएं प्रकट कीं। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. यादवेंद्र सिंह का निधन समाज और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य यतेन्द्र सिंह, जितेंद्र सिंह, अरुण सिंह, बालेंद्र गौतम सहित परिजन और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने भी दी श्रद्धांजलिः रैगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कचनार में नागौद के पूर्व विधायक स्व. यादवेंद्र सिंह की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने पूर्व विधायक स्व. यादवेन्द्र सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में नागौद विधायक नागेन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

4 अप्रैल तक ट्रैफिक बंद, रखरखाव के चलते लिया गया निर्णय

सतना। मैहर मार्ग पर स्थित उचेहरा रेलवे फाटक सात दिनों के लिए बंद रहेगा। रेलवे ट्रैक के रखरखाव कार्य के चलते 29 मार्च से 4 अप्रैल तक यहां से वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। रेलवे के अनुसार कटनी.सतना मेजर सेक्शन के उचेहरा.लगरगवां ब्लॉक में समपार क्रमांक 382 उचेहरा गेट पर अप और डाउन ट्रैक का मेंटेनेंस किया जाएगा। इस दौरान रेल स्लीपर बदले जाएंगे और गिट्टी छनाई का कार्य होगा। फाटक 29 मार्च की सुबह 9 बजे से 4 अप्रैल की रात 8 बजे तक सड़क यातायात के लिए पूरी तरह बंद रहेगा। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए छोटे वाहनों को समपार क्रमांक 383 नवगवां फाटक के पास बने अंडरपास से होकर नागौद मार्ग से निकलने की सलाह दी गई है।

ऑटो में सफर के दौरान जेवर पार करने वाले तीन आरोपीयों को पुलिस ने दबोचा

जागरण, मैहर । मैहर पुलिस ने महिला के बैग से सोने के जेवरात और नकदी चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशन में की गई, जिसमें थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह परस्ते और उनकी टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस के अनुसार, 12 मार्च 2026 को साधना तिवारी निवासी ग्राम कठहा, थाना अमरपाटन ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 11 मार्च को वे रीवा से निजी बस के जरिए अपने गांव लौट रही थीं। कठहा मोड़ पर उतरने के बाद उन्होंने गांव जाने के लिए एक ऑटो लिया, जिसमें पहले से दो महिलाएं सवार थीं। रास्ते में धमना गांव के पास ऑटो चालक ने फोन आने का बहाना बनाकर उन्हें बीच रास्ते उतार दिया। इसके बाद दूसरे ऑटो से घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि उनके बैग की चैन खुली हुई थी और उसमें रखे सोने के जेवरात और पांच हजार रुपये नकद गायब थे। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर ऑटो चालक और उसमें सवार दोनों महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि कानून व्यवस्था को सख्त बनाने के लिए केंद्र और प्रदेश स्तर पर चल रहे प्रयास, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपराध पर नियंत्रण को प्राथमिकता दी जा रही है, उसका असर अब जिले में भी दिखाई देने लगा है।

जिला सलाहकार समिति की बैठक 31 मार्च को

सतना। गर्भधारण प्रसव पूर्व निदान तकनीक पीसी एण्ड पीएनडीटी के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक 31 मार्च को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सतना में दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है।

जल मन्दिर प्याऊ का हुआ शुभारंभ

रामनगर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सतना के जिला समन्वयक डॉ राजेश तिवारी के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक प्रदीप तिवारी के मार्गदर्शन में 27 मार्च रामनवमी के शुभ अवसर पर सेक्टर सरिया की नवांकुर संस्था संस्कार ग्राम विकास समिति जरौहा एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सरिया के संयुक्त तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत जल मन्दिर ; प्याऊ द्ध की स्थापना सरिया में की गई।कार्यक्रम की शुरुआत संस्था अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह एवं समाजसेवी उमापति त्रिपाठीए रमेश गुप्ता, हीरालाल कुशवाहा और प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्यामजी नामदेव ने की।इस निशुल्क प्याऊ की स्थापना में आदित्य नामदेव का विशेष योगदान रहा।इस कार्यक्रम में रावेंद्र तिवारी,राजेश गौतम, संजय गुप्ता,रामप्रसाद कुशवाह ,काशीनाथ कुशवाह,शुभ सिंह एवं परामर्शदाता नीरज शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

गाजे बाजे के साथ निकली कलश यात्रा

उचेहरा। नगर के वार्ड 2 दतीया मोहल्ला में सोनी परिवार द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया जा रहा है उसी के उपलक्ष्य में नगर के मुख्य मार्ग में कलस यात्रा निकाली गई जिसमें रथ पर कथा व्यास आचार्य गोविंद नारायण शुक्ला विराज मान थे । संगीतमय भागवत कथा बैठकी 29 को एव कथा विश्राम हवन 4 को होगा कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से हरी इच्छा तक होगी। सभी भक्त अनुरागी सज्जनो से आयोजक गण कथा श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया है ।

सरदार एकता यात्रा पहुंची सतना तो हुई भव्य आगवानी

सर्व समाज के साथ कुर्मी क्षत्रिय संगठन ने जगह-जगह किया भव्य स्वागत

जागरण, सतना। भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग.अलग नामों से निवासरत वैचारिक समाजों को एक सूत्र में संगठित करने के उद्देश्य से निकाली गई सरदार एकता यात्रा रविवार को सतना जिले पहुंची। यात्रा रामनगर होते हुए अमरपाटन व मैहर में मंचीय कार्यक्रमों के बाद सतना पहुंचीए जहां जगह.जगह भव्य स्वागत व पुष्प वर्षा के साथ सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान की चर्चा की गई।

यात्रा का उद्देश्य व गुजरात पदाधिकारियों की भूमिका : सरदार एकता यात्रा के साथ चल रहे गुजरात के पदाधिकारियों ने सरदार पटेल के जीवन से जुड़े समस्त पहलुओं पर लोगों को अवगत कराया। यात्रा के रथ पर सरदार पटेल द्वारा उपयोग की गई सामग्रियों का प्रदर्शन किया गयाए जिसने स्थानीय जनता को लौह पुरुष के सख्त फैसलों व अखंड भारत बनाने की प्रक्रिया से जोड़ा।

सतना जिले में भव्य स्वागत : यात्रा सतना जिले के प्रवेश द्वार कोरवारा पहुंची जहां क्षेत्र के सर्व समाज के लोगों ने आरती कलश व पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। विशाल जनसैलाब के साथ यात्रा उचेहरा पहुंचीए जहां इचौल रगला बौली चौराहा पर भव्य स्वागत कार्यक्रम हुआ। तत्पश्चात यात्रा सतना पहुंची। यहां सतना नदी किनारे आरती उतारकर नगर प्रवेश कराया गया। नगर भ्रमण के दौरान यात्रा नजीराबाद सिटी कोतवाली पन्नीलाल चौक होते हुए अम्बेडकर चौक व सेमरिया चौराहा पहुंची। पूरे नगर भ्रमण के दौरान जगह.जगह पुष्प वर्षा की गई और लोगों ने उत्साहपूर्वक यात्रा का स्वागत किया।

कुर्मी क्षत्रिय संगठन के नेताओं ने संभाला यात्रा का नेतृत्व : यात्रा में कुर्मी क्षत्रिय संगठन के पदाधिकारी पूरे समय साथ रहे। जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह लाला सतना जिले में यात्रा प्रभारी ज्ञानेन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष डॉ दुर्योधन सिंह के अलावा अन्य प्रमुख सदस्य रहे जिसमें रावेन्द्र सिंह, मनीषा सिंह, गीतेश्वर सिंह, धर्मेश घई, देवदत्त सोनी, रावेन्द्र पटवारी, कमल नयन सिंह, बिक्रम सिंह बिसेन, रमाशंकर पटेल, संजय अग्रवाल, दिनेश प्रताप सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह नरहटी, संध्या सिंह, महेंद्र सिंह, प्रमोद सिंह, हीरामन पटेल, अभय पटेल, सुग्रीव सिंह, सागर चौरसिया, अशोक सिंह, आशा शुक्ला, सुनील सिंह, मान सिंह, विनोद सिंह, लालबहादुर सिंह आदि यात्रा में चल रहे थे। सरदार ,कता यात्रा अब आगे के जिलों की ओर प्रस्थान करेगी, जहां यह अभियान वैचारिक समाजों को संगठित करने का कार्य जारी रखेगा।

कोठी में कांग्रेस का धरना प्रदर्शन आज

सतना। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोठी के अध्यक्ष विनय सिंह गुड्डा ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशन पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोठी द्वारा भाजपा सरकार की गैर जिम्मेदाराना रवैया एवं अपरिपकता के चलते बड़े हुए विद्युत दर एवं डीजल पेट्रोल की बड़ी हुई कीमत एवं किल्लत के साथ.साथ गैस की मारामारी के विरोध में कोठी बस स्टैंड परिसर पर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा जिसमें सभी कांग्रेस कार्यकर्ता हुआ आम जन मौजूद रहेंगे उन्होंने कांग्रेस के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारी सभी मंडलम सेक्टर भूत अध्यक्ष सहित कांग्रेस संगठन के सभी मोर्चा संगठन के पदाधिकारियों तथा आम जनमानस से भाजपा सरकार की मनमानी के खिलाफकार्यक्रम में शामिल होने की विनम्र अपील की है धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम बस स्टैंड कोठी स्टेडियम के सामने सुबह 11 से प्रारंभ होगा ।

कपाड़िया समाज की भव्य कलश यात्रा मैहर में दिखा आस्था का सैलाब

जागरण, मैहर। कपाड़िया समाज द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा ने पूरे नगर का माहौल भक्तिमय बना दिया। रेलवे स्टेशन स्थित रैन बसेरा से देवी जी धाम तक निकली इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सिर पर कलश और जवारे लिए महिलाएं और युवक श्रद्धा के साथ कदम से कदम मिलाते नजर आए, वहीं पूरे मार्ग में जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। आयोजन को लेकर समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यह यात्रा परंपरा और आस्था का प्रतीक है, जिसे हर वर्ष और अधिक भव्य रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। यात्रा में मैहर कपाड़िया समाज के अध्यक्ष सचिन कपाड़िया के साथ समीर कपाड़िया, जगदीश कपाड़िया, अमन कपाड़िया, राहुल कपाड़िया, अर्जुन कपाड़िया और गोलू कपाड़िया सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। विशेष रूप से भोपाल से आए कपाड़िया समाज के अध्यक्ष करण भवानी और अजय वासुदेव की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। जगह-जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया और भक्तों के लिए जल एवं प्रसाद की व्यवस्था भी की गई। यात्रा देवी जी धाम पहुंचकर विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुई, जहां श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

दबिश में 30 पेटी अवैध शराब जब्त, दो आरोपी धराए, सप्लायर फरार

मैहर । अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मैहर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने दबिश देकर एक ठिकाने से 30 पेटी से अधिक गोवा, देसी और अंग्रेजी शराब जब्त की है। कार्रवाई के दौरान रिंकू बर्मन और उसके एक साथी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि मुख्य सप्लायर संतोष सिंह फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई को जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस को लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर टीम गठित कर छापेमारी की गई। मौके से भारी मात्रा में शराब बरामद होने के बाद पुलिस अब इसके नेटवर्क की पड़ताल में जुट गई है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है, वहीं फरार संतोष सिंह की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और जो भी लोग इसमें संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार सक्रिय था, जिस पर अब पुलिस की सख्ती दिखने लगी है। कानून व्यवस्था को लेकर केंद्र और प्रदेश स्तर पर चल रहे अभियानों का असर भी स्थानीय स्तर पर देखने को मिल रहा है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने पर जोर दिया जा रहा है।

दो दशकों बाद भी क्षेत्रीय उच्चतर विद्यालयों में नहीं चालू हो सका कृषि संकाय

जागरण, रामनगर। क्षेत्र की 100 किलो मीटर परिधि में आधा सैकड़ा ग्राम पंचायत के सैकड़ो ग्रामो के गरीब एमजदूरश्रमिक किसान व आमो खास के बच्चो को कृषि बागवानी विषय के अध्ययन अध्यापन की सुविधाये नही मिल पा रही है कारण जनपद शिक्षा केन्द्र रामनगर परिक्षेत्र की किसी भी शासकीय या निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 10 वी उत्तीर्ण करने के बाद 11.12या उच्च अध्ययन के लिए कृषि संकाय उपलब्ध नही है परम्परागत विषय जिंसमे मैथ बायो आर्ट वाणिज्य संकाय तो है एयंहा तक की आईटी,ब्यूटी,वेलनेश, जैसे विषय पढ़ाये जाते है लेकिन कृषि संकाय नही होने से क्षेत्र के गरीब कृषक,मजदूर,श्रमिक तबके के होनहार छात्र .छात्राएं चाह कर भी कृषि संकाय के विषयों का अध्ययन अध्यापन लाभ नही मिल पा रहा वही कुछ अभिभावक पालक अपनी जमीन जायदाद गिरबी या बिक्री करकेए बच्चो को बाहर पढ़ाने भेज रहे हैएवर्तमान में उक्त विषय संकाय की कक्षाएं रीवा सतना जबलपुर के कतिपय सरकारी विद्यालयों में संचालित है जो रामनगर से सैकड़ो किलोमीटर की दूरी पर हैएक्षेत्र में सान्दीपनि मॉडल पीएम श्री जैसे नामी कथित तौर से सर्व सुविधायुक्त सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मौजूद हैएजंहा से हर वर्ष कृषि संकाय संचालित कर अध्ययन अध्यापन की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए मांग पत्र भी भरा जाता हैएदशकों से अभिभावक पालक व क्षेत्र की ग्रामीण जनता लगातार कृषि संकाय खोलने की मांग भी करती आ रही है लेकिन इन सबके बावजूद इस सम्बन्ध में अब तक कोई सकारात्मक कार्यवाही न होने से बच्चो का भविष्य अंधकार मय है वर्तमान शिक्षा सत्र जो एक अप्रैल से प्रारम्भ होना है रामनगर क्षेत्र के सम्मानित नागरिक सरकारे व प्रशासन से रामनगर स्थित शासकीय मॉडल सान्दीपनि या पीएम उच्चतर विद्यालयो में वर्तमान शिक्षा सत्र से ही एग्रीकल्चर संकाय की कक्षाएं संचालन की व्यवस्था बनाये जाने की मांग की है जिससे कि क्षेत्रीय बच्चो को भी उक्त विषय के अध्ययन अध्यापन की सुविधा उपलब्ध हो सके ।

चित्रकूट के पूर्व विधायक गणेश बारी का निधन

सतना। चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक गणेश बारी का शनिवार को अचानक निधन हो गया। वे पिछले एक सप्ताह से रीवा सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल में भर्ती थेए जहां उनका उपचार चल रहा था। उनके निधन की खबर से पूरे सतना जिला सहित क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। सतना सांसद गणेश सिंह ने ने कहा कि उनका जीवन संघर्ष और जनसेवा का प्रतीक रहा। अत्यंत गरीब परिवार में जन्म लेकर उन्होंने चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनकर लोकतंत्र की मजबूती का उदाहरण पेश किया। वे जीवनभर गरीबों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे। सांसद ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि गणेश बारी ने अपने संघर्ष और समर्पण से राजनीति में एक अलग पहचान बनाई। उनका जाना क्षेत्र के गरीबों के लिए अपूरणीय क्षति है। बताया जा रहा है कि जब उनकी तबीयत बिगड़ी थी तब सांसद गणेश सिंह स्वयं उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे और बाद में बेहतर इलाज के लिए रीवा रेफर करवाया था। उनके निधन से क्षेत्र ने एक जननायक को खो दिया है। लोगों ने उन्हें गरीबों का सच्चा हितैषी और जुझारू नेता बताया।

बढ़ी हुई दरों के विरोध में कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

सतना। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामपुर बाघेलान के तत्वावधान मे बिजली दरो मे की गयी बढोत्तरी, गैस सिलेण्डर की मूल्य वृद्धि एवं अनुपलब्धता तथा पेट्रोल डीजल के कमी के विरोध मे धरना प्रदर्शन किया जाना है जिसकी जानकारी देते हुए कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संदीप सिंह परिहार ने बताया कि 30 मार्च यानी आज तहसील कार्यालय के पास हनुमानगंज चौराहे में ब्लॉक स्तरीय धरना प्रदर्शन का आयोजन दोपहर 12 बजे से किया जायेगा।धरना प्रदर्शन के पश्चात् अनुविभागीय अधिकारी को मांगो से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा जायेगा। जिसमे सभी कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी गण महिला कांग्रेस सेवादल अल्पसंख्यक विभाग युवक कांग्रेस एनएसयुआई मोर्चा संगठन विभाग प्रकोष्ठ आईटीसेल एवं मण्डलम बूथ कमेटी के पदाधिकारगण तथा सभी कांग्रेस जनों से 30 मार्च को दोपहर 12 बजे तहसील कार्यालय के सामने हनुमानगंज चौराहे मे आयोजित धरना प्रदर्शन मे पहुचने की अपील की हैं।

गोरइया में लगा विंध्य के कवियों का जमावड़ा

जागरण, सतना। रविवार को ग्राम पंचायत गोरइया के शिव मंदिर पर विंध्य क्षेत्र के कवियों का जमावड़ा लगा किसको देखने सुनने के लिए गांव सहित आसपास के क्षेत्र का जन सैलाब उम्र बड़ा कवियों ने भी सभी दर्शकों को जमकर आनंद पहुंचा दरअसल सतना साहित्य एवं सांस्कृतिक मंच सतना के संयोजन में गांव के यादवेंद्र सिंह पंजू एवं साहित्यकार नागेंद्र सिंह टिल्लू के विशेष सहयोग से कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें एक से बढ़कर एक पहुंचे कवियों में आकर्षक मनमोहक ओजस्वी एवं हास्य कविताओं की प्रस्तुतियां देकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर प्रभु शिव के मंदिर में पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ हुई आयोजन समिति द्वारा सभी कवियों एवं अतिथियों का स्वागत किया गया इसके उपरांत कवि सम्मेलन का आयोजन प्रारंभ हुआ जिसमें सभी कवियों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक परिस्थितियों प्रस्तुत की कोठी तथा कोठी के आसपास के क्षेत्र सहित सतना जिले एवं समूचे विंध्य एवं प्रदेश से पहुंचे कवियों ने लोगों का दिल जीत लिया देशराज सिंह क्रांति ने ओजसी कविताएं प्रस्तुत की तो वहीं रमेश सिंह जाखी में अपनी बघेली कविताओं को प्रस्तुत किया जीपी सिंह ,नरेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिंह सेंगर ,अजीत प्रताप सिंह, रामपाल सिंह, श्रीमती निर्मला सिंह ,डॉक्टर सरिता सलिल ,बृजेश सिंह सरल, सत्येंद्र सिंह शैल, धर्मेंद्र सिंह धर्म ,अरुण पयासी एवं अध्यक्ष यू बी एस परिहार सहित अन्य कवियों ने अपनी शानदार मनमोहक प्रस्तुतियां दी जिसको सुनने के लिए सामने कई सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण जन सहित आसपास के क्षेत्र के सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

568 करोड़ में बनेगी 105 किमी सीधी-सिंगरौली सड़क

सांसद के प्रयासों से फोर लेन निर्माण के लिए अवार्ड जारी

अप्रैल में सड़क निर्माण के लिए शुरू होगा कार्य

जागरण, सीधी

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 39 सीधी-सिंगरौली रोड फोर लेन निर्माण के लिए 508 करोड़ की लागत से कार्य शुरू होगा। सीधी-सिंगरौली 105 किलोमीटर की फोर लेन सड़क का कार्य उक्त राशि को पूरी तरह संपन्न होगा। सीधी-सिंगरौली सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के प्रयासों से एनएच-39 के फोर लेन सड़क निर्माण के लिए खासतौर पर कार्ययोजना तैयार कर फिर से बजट आवंटन किया गया है। जिससे सड़क का जो निर्माण कार्य शेष बचा हुआ है उसे पूरी तरह से पूरा किया जा सके। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सीधी-सिंगरौली एनएच-39 के 105 किलोमीटर की फोर लेन निर्माण के शेष कार्य का अवार्ड जारी कर दिया है। इस मार्ग का निर्माण कार्य अगले माह अप्रैल से शुरू किए जाने की योजना है। परियोजना की कुल निर्माण लागत लगभग 568.98 करोड़ रुपए है और अप्रैल 2028 तक पूरा करने का टारगेट है। मार्ग के कुछ हिस्सों का विकास पहले मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीआरडीसी) द्वारा किया गया था। उक्त राशि से सीधी-सिंगरौली मार्ग में जंक्शन सुधार, सर्विस रोड, सड़क किनारे ड्रैनेज, सड़क सुरक्षा से जुडे अन्य कार्य होंगे। दरअसल सड़क निर्माण के कार्य में संकरी सड़क, अपर्याप्त पुल और अंडर पास की समस्या आ रही थी। इस वजह से बरसात के दिनों में सड़क निर्माण के बाद ही जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो रही थी। अब नए सिरे से इंजीनियरों द्वारा पूरी कार्ययोजना तैयार की गई है। स्वीकृत बजट से चार लेन सड़क, आधुनिक पुल, रेलवे ओव्हरब्रिज/अंडर ब्रिज, व्हीकुलर और पैदल अंडर पास भी बनाए जाएंगे। सीधी-सिंगरौली फोर लेन सड़क के निर्माण के बाद सीधी एवं सिंगरौली जिले के लिए कई अहम फायदे होंगे। खासतौर से राष्ट्रीय राजमार्ग के चलते उत्तर प्रदेश से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। सीधी और सिंगरौली क्षेत्र का प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों से बेहतर सड़क संपर्क स्थापित होगा। दोनो राज्यों के बीच लोगों की आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। उक्त मार्ग पर हर दिन 15 हजार से अधिक वाहनों का आवागवन सुचारू रूप से हो सकेगा। भारी वाहनों और ट्रकों की आवाजाही और तेज हो सकेगी। दरअसल राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 39 सीधी-सिंगरौली का फोर लेन निर्माण कार्य एक दशक से ज्यादा समय से किया जा रहा है। सड़क निर्माण में लगी तीन कंपनियां बदल चुकी हैं फिर भी सड़क का निर्माण कार्य पूरी तरह से नहीं हो सका है। कारण फोर लेन सड़क निर्माण के दौरान कई स्थानों में बड़े पहाड़ों की कटिंग एवं चौड़ीकरण को लेकर भी कई तरह की दिक्कतें रही हैं। सीधी जिले के सीमा से ही सिंगरौली जिले की ओर सड़क मार्ग में कई तरह की चुनौतियां सामने रही हैं। खासतौर से बरसात के दिनों में जगह-जगह सड़कों की धसने की घटनाएं भी बढ़ने के कारण निर्माण कार्य में लगी कंपनियों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसी वजह से कंपनियों द्वारा काफी प्रयास के बावजूद फोर लेन सड़क का समूचा कार्य पूर्ण नहीं कर सकी। अब अप्रैल महीने में नए सिरे से कार्य शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

सीधी-रीवा फोर लेन के लिए जल्द अवार्ड

सीधी से रीवा के बीच फोर लेन राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 39 के निर्माण की बड़ी कार्ययोजना पर कार्य तेजी से शुरू हो चुका है। इस परियोजना का अवार्ड जल्द किए जाने की संभावना है। बारिश के बाद इसके निर्माण कार्य को भी शुरू करने की प्राथमिकता है। यह मार्ग सीधी और रीवा जिले की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी अत्यंत लाभकारी साबित होगा। सीधी-रीवा मार्ग के फोर लेन निर्माण का इंतजार काफी तेजी से किया जा रहा है। सड़क निर्माण को लेकर प्रथम चरण में भू-अर्जन की प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए प्रशासन द्वारा सर्वे एवं सूची का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। बजट आवंटन के साथ ही मुआवजा वितरण का कार्य भी तेजी के साथ शुरू हो जाएगा। जिससे बरसात के बाद सड़क निर्माण का कार्य तेजी के साथ शुरू हो सके। यह दीगर बात है कि ज्यादा से ज्यादा मुआवजा पाने के लिए सड़क के किनारे के भू-स्वामियों द्वारा कई तरह का फर्जीवाड़ा किया गया है। जिसमें सर्वे के पूर्व ही कुछ लोगों द्वारा ज्यादा से ज्यादा मुआवजा पाने के लिए आनन-फानन में रातोरात दीवाल उठवाकर टीनशेड लगाने की होड़ मची हुई थी। प्रशासनिक निष्क्रियता के चलते जो कार्य हो रहे थे उनको रोकने की जरूरत नहीं समझी गई। अब ऐसे फर्जी निर्माण कार्य करने वाले लोग इस प्रयास में तेजी से जुटे हैं कि उनके द्वारा जो निर्माण बाद में किया गया है उसका भी मुआवजा मिले।

देवनाढ़ में पहाड़ी से टकराकर बल्कर पलटा, चालक गंभीर

जागरण, सीधी। जिले के सेमरिया थाना अंतर्गत देवनाढ़ के समीप आज दोपहर एक तेज रफ्तार बल्कर अनियंत्रित होकर पहाड़ी से टकराकर पलट गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के पश्चात रीवा रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार घटना रविवार दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बल्कर रीवा की ओर से सीधी की तरफ आ रहा था। अचानक बल्कर का संतुलन बिगड़ गया और वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पहाड़ी से टकराते हुए पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि चालक वाहन के अंदर फंस गया और उसे गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद शुरू की और 108 एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस के माध्यम से घायल चालक को जिला अस्पताल सीधी पहुंचाया गया। वहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रीवा रेफर कर दिया। हादसे में घायल चालक की पहचान फौरी तौर पर नहीं हो सकी, जिससे पुलिस को विवेचना में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सेमरिया थाना प्रभारी केदार परौहा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और वाहन का अनियंत्रित होना हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल पाएगा।

पेट्रोल पंप संचालकों को कलेक्टर ने जारी किया नोटिस

जागरण, सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा प्रकाश सुखेजा एवं विजय सुखेजा प्रोपराइटर, सुखेजा एंड ब्रदर्स को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। खाद्य विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार 13 मार्च 2026 को निरीक्षण के दौरान संबंधित पेट्रोल पंप पर डीजल एवं पेट्रोल का स्टॉक उपलब्ध नहीं पाया गया, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसे आपूर्ति बनाए रखने में लापरवाही मानते हुए संबंधित संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। यह कृत्य मोटर स्पिरिट एवं उच्च वेग डीजल (प्रदाय एवं वितरण का विनियमन तथा अनाचार निवारण) आदेश, 2005 के प्रावधानों का उल्लंघन माना गया है। संबंधित संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे 7 दिवस के भीतर उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कुसमी तहसील के कर्मचारी को दी गई नोटिस

जागरण, सीधी। तहसील कुसमी में पदस्थ कार्यालय सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर टीकम प्रसाद पनिका के विरुद्ध अनुशासनहीनता के आरोप में कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि संबंधित कर्मचारी द्वारा नशे की हालत में सहकर्मी के साथ अनुचित व्यवहार करने एवं शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने का आरोप है। साथ ही वह लगभग एक माह से बिना अनुमति के अनुपस्थित भी पाया गया है। प्रकरण को गंभीर मानते हुए संबंधित कर्मचारी को 7 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला शातिर अपराधी गिरफ्तार

जागरण, सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी चुरहट उप निरीक्षक दीपक बघेल के कुशल नेतृत्व में चुरहट पुलिस ने महिला संबंधी अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नाबालिग लड़की को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार दिनांक 26 मार्च 2026 को एक नाबालिग पीड़िता ने अपनी माता के साथ थाना चुरहट उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि एक युवक ने उसे जान से मारने की धमकी दीए उसके साथ मारपीट की और डरा-धमकाकर होटल ले जाकर दुष्कर्म किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अपराध धारा 64(2), 331(4), 115(2), 351(3) बीएनएस एवं 5(1)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया।

शहर एवं ग्रामीण अंचल की खबरें

राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस को मिलेगी मजबूती

जागरण, सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी सीधी के समन्वय समिति की बैठक में पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल एवं जिले के प्रभारी दिलीप मिश्रा द्वारा आयोजित बैठक के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष आकाश चौहान रिंकू भी पहुंचे थे। कुछ लोगों में यह चर्चा थी कि कांग्रेस से उनकी नाराजगी है लेकिन ऐसी कोई भावना नहीं दिखी। राहुल भैया के नेतृत्व में वह खुद बैठक में उपस्थित रहे। इस दौरान कांग्रेस की गतिविधियों को लेकर राहुल भैया एवं जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने काफी चर्चा किया। इस दौरान सभी पदाधिकारियों से रूबरू चर्चा होकर कांग्रेस को मजबूती दिलाने की बात भी पदाधिकारियों द्वारा की गई। इस दौरान देखा गया कि कांग्रेस को मजबूती दिलाने एवं राहुल भैया के हांथ को मजबूत करने हर पदाधिकारी मीटिंग में पहुंचे थे। वहीं आकाश चौहान रिंकू भी पहुंचकर अपनी बात रखे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उनकी उपस्थिति बनी रही। कांग्रेस की यह विचारधारा एवं परंपरा यदि यथावत रहेगी तो कांग्रेस निश्चित रूप से आने वाले विधानसभा में मजबूती के साथ चुनाव मैदान में आएगी। मालूम हो कि जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आकाश चौहार रिंकू उस घराने से हैं जहां उनके पिता स्व. ब्रजेन्द्र नाथ सिंह मिस्टर की अलग पहचान बनी थी। उनके कार्यकाल में निवास पर मुख्यमंत्री सहित केंद्रीय मंत्री भी आ चुके हैं। उनके घराने में अभी भी लोगों की काफी भीड़ लगी रहती है। अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए आकाश चौहान लोगों की हर तरह से मदद करने में कोई कसर नहीं रखते हैं। जिस वजह से कांग्रेस में ऐसे युवा नेताओं की जरूरत सदैव रहती है।

रेत के अवैध परिवहन में लगा हाइवा जब्त

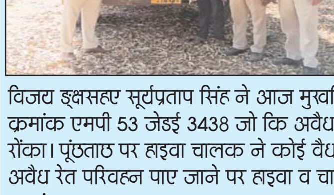

जागरण, सीधी। मड़वास थाना पुलिस ने रेत के अवैध परिवहन में लगे एक हाइवा को जप्त किया है। पुलिस के अनुसार आज मुखविर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम महखोर में एक हाइवा गोपद नदी भदौरा से अवैध रूप से रेत लोड कर परिवहन कर रहा है। थाना प्रभारी उप निरीक्षक आरबी सिंह के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक राजकुमार सिंह, प्रधान आरक्षक विजय इक्षसहए सूर्यप्रताप सिंह ने आज मुखविर की सूचना पर दबिश देकर हाइवा क्रमांक एमपी 53 जेडई 3438 जो कि अवैध रेत लोड कर परिवहन कर रहा था उसको रोंका। पूंछताछ पर हाइवा चालक ने कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया। लिहाजा अवैध रेत परिवहन पाए जाने पर हाइवा व चालक के विरुद्ध थाना मड़वास में अपराध क्रमांक 141/26, धारा 303(2), 317(5), बीएनएस एवं 4/21 खान खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जप्तशुदा वाहन हाइवा के विरुद्ध राजसात की कार्रवाई किए जाने हेतु जिला दंडाधिकारी सीधी को पत्र भेजा गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कुसमी के निर्देशन में की गई है।

नहीं होगी शिक्षक पात्रता परीक्षा: सतीश

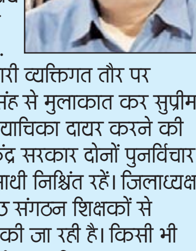

जागरण, सीधी। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला सीधी के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट को लेकर हमारे शिक्षक साथी मानसिक रूप से दबाव में और चिंतित है। बताना चाहता हूं कि कोई भी शिक्षक साथी मानसिक रूप से दबाव में ना आए और निश्चिंत रहें किसी भी शिक्षक साथी को पात्रता परीक्षा टेट नहीं देनी होगी। इस संबंध में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारी केंद्रीय मंत्री मानव संसाधन धर्मेंद्र प्रधान से एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर, महामंत्री राकेश गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारी व्यक्तिगत तौर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से मुलाकात कर सुप्रीम कोर्ट में शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट के निर्णय पर पुनर्विचार याचिका दायर करने की चर्चा पर निर्णय लिया गया है कि मध्य प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार दोनों पुनर्विचार याचिका शिक्षक हित में दायर करेगी। इसके लिए शिक्षक साथी निश्चिंत रहें। जिलाध्यक्ष ने शिक्षकों को सचेत करते हुए यह भी कहा गया है कि कुछ संगठन शिक्षकों से याचिका दायर करने के नाम से 3-3 हजार रुपए की मांग की जा रही है। किसी भी शिक्षक साथी को एक पैसे नहीं देना है, अभी सरकार पुनर्विचार याचिका दायर कर रही है, अगर जरूरत पड़ेगी तो मध्य प्रदेश शिक्षक संघ एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दिल्ली शिक्षक के हित में पुनर्विचार याचिका दायर कर रही है। अगर जरूरत पड़ेगी तो मध्य प्रदेश शिक्षक संघ एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दिल्ली शिक्षक के हित में पुनर्विचार याचिका दायर करेगी। किसी भी शिक्षक साथी को एक पैसे नहीं लगेगा। इसलिए सभी शिक्षक साथी से अनुरोध है कि शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट को लेकर परेशान होने एवं मानसिक दबाव में रहने की जरूरत नहीं है।

चोरी से सिंचाई के विवाद में फूटे सिर, 3 घायल

चुरहट थाना में पांच आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज

चुरहट थाना अंतर्गत ग्राम पड़खुरी का मामला

जागरण, सीधी

चुरहट थाना अंतर्गत ग्राम पड़खुरी 586 में देर रात चोरी से खेत में पाइप बिछाकर सिंचाई करने के विवाद में हुई मारपीट में 3 लोग घायल हो गये। घायलों के सिर फूटने से उन्हें उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पड़खुरी 586 निवासी चंद्रवती देवी पति इंद्रलाल गुप्ता उम्र 60 वर्ष के अनुसार 27 मार्च की रात घर के सभी लोग सो गये थे। देर रात राम सुमिरन पटेल इनके खेत से पानी का पाइप बिछाकर सिंचाई के लिये अपने बोर तक ले गया था। 28 मार्च को सुबह जब परिवार के लोग उठे और देखे तो इनके खेत में राम सुमिरन पटेल के पानी का पाइप बिछा हुआ था। यह देखकर चंद्रवती देवी का बेटा संदीप गुप्ता ने पुलिस को सूचना दिया। पुलिस वाले आये और पाइप को खेत से हटवा कर चले गये। इसके बाद शाम करीब 5 बजे राम सुमिरन पटेल के बेटे अंकुश पटेल एवं लवकुश पटेल आये और इसी बात को लेकर संदीप गुप्ता के साथ गाली-गलौज करते हुये हांथ-मुक्का, डंडा, ईंटा-पत्थर से मारपीट करने लगे। चोंट लगने से संदीप गुप्ता बेहोश होकर गिया गया। इसके बाद मौके पर चंद्रवती देवी और इनके पति इंद्रलाल गुप्ता मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव करने लगे। उस दौरान राम सुमिरन पटेल एवं उसकी पत्नी कुशुमकली पटेल हंसिया लेकर आये और गाली-गलौज करते हुये दोनो से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में इनकी ननद मीना पटेल भी ईंटा से मारपीट में शामिल हो गई। हल्ला-गुहार मचने पर लोगों के दौड़ने पर जान से मरवाने की धमकी देते हुये चले गये। पांचों आरोपियों में अंकुश पटेल, लवकुश पटेल, राम सुमिरन पटेल, कुशुमकली पटेल एवं मीना पटेल सभी निवासी ग्राम पड़खुरी 586 चुरहट के विरूद्ध चुरहट पुलिस ने धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर रेत से लदा हाइवा और जेसीबी जब्त

अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध अमिलिया पुलिस ने की बड़ी कार्यवाही

जागरण, सीधी

पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत, थाना प्रभारी अमिलिया निरीक्षक राकेश बैस के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार दिनांक 26 मार्च 2026 की रात्रि, थाना अमिलिया की पुलिस टीम वाहन चेकिंग हेतु मूड़ा पहाड़ क्षेत्र में तैनात थी। इसी दौरान मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम हरदी में बृजवासी लाल पटेल के ढाबे के सामने जेसीबी मशीन के माध्यम से हाइवा में अवैध रूप से रेत लोड की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने गवाहों के साथ तत्काल मौके पर दबिश दी। तस्दीक के दौरान पाया गया कि हाइवा क्रमांक यूपी 63 एटी 2022 में जेसीबी मशीन क्रमांक यूपी 63 एटी 7172 द्वारा अवैध रूप से रेत का भंडारण एवं विक्रय किया जा रहा था। मौके पर मौजूद मुख्य आरोपी बृजवासी लाल पटेल से रेत उत्खनन व भंडारण के संबंध में वैध दस्तावेज/लाइसेंस मांगे गए, जो प्रस्तुत नहीं किए जा सके। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए रेत से लदे हाइवा और जेसीबी मशीन को मौके पर ज़ब्त कर लिया है। अंधेरे का लाभ उठाकर हाइवा चालक फरार होने में सफल रहा, जिसकी तलाश जारी है। आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 303(2), 317(5) एवं खान खनिज अधिनियम की धारा 4, 21 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी अमिलिया निरीक्षक राकेश बैस, उप निरीक्षक राजमणि अहिरवार, प्रआर लोकेन्द्र सिंह, आरक्षक अभिषेक चौधरी एवं आरक्षक रघुराज सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

गैस एजेंसी संचालक को भी दी गई नोटिस

जागरण, सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा भारतलाल सिंह प्रोपराइटर, प्रताप गैस सर्विस को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। खाद्य विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार निरीक्षण के दौरान गैस एजेंसी में उपभोक्ताओं की अत्यधिक भीड़ पाई गई तथा होम डिलीवरी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही थी। यह स्थिति शासन के निर्देशों के विपरीत पाई गई, जिसमें एलपीजी की सुचारू आपूर्ति एवं प्राथमिकता के आधार पर वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त कृत्य को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 के उल्लंघन के साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत दंडनीय माना गया है। संबंधित संचालक को 7 दिवस के भीतर उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चुरहट में कलेक्टर का निरीक्षण, मैदानी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश

चुरहट में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की ली बैठक

जागरण, सीधी

कलेक्टर विकास मिश्रा ने तहसील चुरहट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मुख्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा आमजन के आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी के आवेदनों का निराकरण गंभीरता से करते हुए समय-सीमा का पालन सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा विलंब की स्थिति में पेनल्टी अधिरोपित की जाएगी। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक शत-प्रतिशत पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे मामलों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाया जाए और राजस्व प्राप्ति में तेजी लाई जाए, ताकि वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति समय पर हो सके। कलेक्टर ने स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को लक्ष्य अनुसार प्रकरण स्वीकृत कर लाभ वितरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति निकट है, ऐसे में सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। रेलवे परियोजनाओं के अंतर्गत भू-अर्जन कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने रेलवे अधिकारियों को निर्देशित किया कि ट्रैक निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। जिन ग्रामों में धारा 19 के बाद धारा 21 के नोटिस जारी होना शेष है, उन्हें तत्काल जारी किया जाए। साथ ही जिन मामलों में धारा 23 के तहत अवॉर्ड घोषित किया जाना है, उन्हें प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। जिन कृषकों के अवॉर्ड जारी हो चुके हैं, उन्हें शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके उपरांत कलेक्टर ने चुरहट में निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश

कलेक्टर विकास मिश्रा ने चुरहट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवाइयों के स्टॉक की जांच करते हुए जिन आवश्यक दवाओं की कमी पाई गई, उनकी शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को निर्देशित किया। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, जिससे मरीजों को बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। डॉक्टरों की उपलब्धता को लेकर कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी चिकित्सक नियमित रूप से ओपीडी में उपस्थित रहें तथा मुख्यालय में निवास करना सुनिश्चित करें, ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिल सके और किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद को अस्पताल का समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए, जिससे व्यवस्थाओं की सतत निगरानी बनी रहे और लापरवाही की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर ने कहा कि आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कार्यालय नगर परिषद चुरहट जिला-सीधी (म.प्र.)

क्रमांक/467/न.परि./2026 — चुरहट, दिनांक 24/3/2026

इस्तहार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रतन लाल गुप्ता S/0 हीरालाल गुप्ता निवासी वार्ड क्रमांक 11 नगर परिषद चुरहट द्वारा श्री मोले प्रसाद गुप्ता S/0 रामसिया गुप्ता वार्ड क्रमांक 15 नगर परिषद चुरहट का भवन पंजी 183 को क्रय किया गया है। जिसका पंजीयन रजिस्ट्री भी पंजीयन शाखा सीधी से करा लिया गया है। जिसका नामांतरण श्री मोले प्रसाद गुप्ता S/0 रामसिया गुप्ता के स्थान पर श्री रतन लाल गुप्ता S/0 हीरा लाल गुप्ता किया जाना है।

उक्त आवेदन पर किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर नगर परिषद चुरहट कार्यालय राजस्व शाखा में दर्ज करावें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद चुरहट
जिला सीधी (म.प्र.)

तकनीक ने जटिल बना दिया युद्ध को

● हर्ष वी पंत ●

इस समय जारी अमेरिका-ईरान जंग और रूस-यूक्रेन युद्ध आधुनिक युद्धों के बदलते चरित्र की झलक देते हैं। एक का लंबा और थका देने वाला घमासान धैर्य की परीक्षा लेने वाला है, तो दूसरे में तेज और कई तरह के दबावों का खुला प्रदर्शन दिख रहा है। हालांकि, इन दोनों युद्धों में जो एक बात आम है, वह यह कि तकनीकी विकास ने युद्धों को और ज्यादा जटिल व अप्रत्याशित बना दिया है। इनसे यह भी सुनिश्चित हुआ है कि युद्ध में अब निर्णायक जीत का दावा कोई नहीं कर सकता। उसकी जगह अनगिनत रूप में नतीजे सामने आने लगे हैं। इनमें जिद और समयानुकूल व्यवस्था व विस्तार देने में महारत से हासिल नतीजे अहम हो गए हैं।

यूक्रेन 21वीं सदी के संघर्षों का प्रतीक बन गया है। उसका युद्धक्षेत्र किफायती और असरदार हथियारों से भरा पड़ा है। रूस ने शुरुआती दौर में यूक्रेन की शक्ति और उसकी पश्चिमी हिमायत को कम करके आंका। पश्चिम से मिल रहे जबर्दस्त सैन्य मदद के कारण यह तो पक्का हो गया है कि यूक्रेन लड़ाई में बना रहेगा। यह लड़ाई पैंतरेबाजी के बजाय धीरज की परीक्षा ज्यादा ले रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध से यह भी पता चला है कि पारदर्शिता ने पूरी रणनीति को बदल दिया। व्यावसायिक सैटेलाइट, इंटरनेट, सोशल मीडिया, समाचारपत्रों, सरकारी रिकॉर्ड से डाटा एकत्र करने और उनके विश्लेषण से उपयोगी खुफिया जानकारी प्राप्त करने की पद्धति और नेटवर्क ने सबको अचरज में डाल दिया। इसके ठीक विपरीत, अमेरिका-ईरान युद्ध अपनी मारक तीव्रता, सटीकता और बहुआयामी तरीकों वाले संघर्ष का अलग रास्ता दिखाता है। पिछले साल के 12 दिवसीय इजरायल-ईरान युद्ध जैसे उदाहरणों को आगे बढ़ाते हुए मौजूदा संघर्ष ने यह दिखाया है कि कैसे 'काइनेटिक हमलों' और अदृश्य चीजों, जैसे साइबर ऑपरेशन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध व अंतरिक्ष-आधारित बाधाओं के समन्वय से तेजी से हवाई दबदबा बनाया जा सकता है। अमेरिका-इजरायल ने इस युद्ध के शुरू में ही ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व और बुनियादी ढांचे को खत्म करके कुछ ही दिनों में जवाबी हमले की उसकी क्षमता को कम कर दिया। फिर भी, यह सफलता पूरी और स्पष्ट नहीं दिखी।

बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन काफिलों और असली पहचान छिपाकर प्रॉक्सी नेटवर्क के जरिये अलग-अलग तरीके से प्रहार करने की ईरान की क्षमता ने गोपनीय रणनीति की अहमियत को उजागर किया। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे समुद्री मार्ग को बाधित करने से युद्ध के आर्थिक पहलू पर गंभीर असर पड़ा। ऊर्जा बाजार में इससे बेचैनी फैल गई है और पश्चिम एशिया की इस अस्थिरता के अब पूरी दुनिया में व्याप्त हो जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

> इस समय जारी अमेरिका-ईरान जंग और रूस-यूक्रेन युद्ध आधुनिक युद्धों के बदलते चरित्र की झलक देते हैं। एक का लंबा और थका देने वाला घमासान धैर्य की परीक्षा लेने वाला है, तो दूसरे में तेज और कई तरह के दबावों का खुला प्रदर्शन दिख रहा है...

इन दोनों युद्धों में जो समान बात है, वह यह कि आधुनिक युद्ध निरंतरता के साथ लंबे समय तक जारी रह सकते हैं। रूस और अमेरिका, दोनों ने अपने युद्ध अभियानों को अपनी सर्वश्रेष्ठता के अहंकार भाव के साथ शुरू किया, जिसमें माना गया था कि उनकी जीत तय ही है, लेकिन इन दोनों का सामना ऐसे दुश्मन से हुआ, जो अलग-अलग पहलुओं का फायदा उठाने, नई तकनीक के प्रयोग और जंग को सैन्य, सूचना-तंत्र और अर्थ-तंत्र तक विस्तार देने में माहिर हैं। नतीजा सामने है, जीत किसी की नहीं हो पा रही है। इसमें पारंपरिक अर्थों वाली जीत किसी को नहीं मिल पा रही है, बल्कि यह युद्ध निर्णायक लड़ाई कम और अनिश्चित हालात में लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष का प्रबंधन ज्यादा बन गया है। रणनीतिक तौर पर देखें, तो इस युद्ध का संदेश साफ है, दुश्मन अगर मुकाबले का हो, तो वह न तो जल्दी खत्म होने वाला है और न ही निर्णायक होगा। गठबंधन, आर्थिक मजबूती और युद्ध-विस्तार का प्रबंधन अब मैदान की जीत जितने ही जरूरी हो गए हैं। यूक्रेन की जंग में टिके रहने की क्षमता पश्चिमी देशों के समर्थन से जुड़ी है, ठीक वैसे ही जैसे ईरान के खिलाफ अमेरिकी हमले का प्रभाव पश्चिम एशिया के सहयोगी देशों से गहरे तालमेल पर निर्भर रहा है। इसके उलट, अलग-थलग रहना आपके विकल्प सीमित करता है और आपको कमजोर बनाता है। सूचनाओं की भूमिका, चाहे साइबर ऑपरेशन हो या वैश्विक मीडिया के जरिये नैरेटिव गढ़ना हो, अब हाशिये से केंद्र में आ गई है, जिससे युद्ध की घरेलू वैधता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग, दोनों पर असर पड़ रहा है। यूक्रेन ने साबित किया है कि कैसे हवाई दबदबे को तोड़कर किसी मजबूत दुश्मन को कमजोर किया जा सकता है, जबकि ईरान ने यह दिखाया है कि अगर साइबर व अंतरिक्ष क्षमताओं का असरदार तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो हालात को बहुत जल्दी नियंत्रित किया जा सकता है।

सामरिक दृष्टि से देखें, तो मारक क्षमता का विकेंद्रीकरण शायद सबसे ज्यादा असरदार साबित हुआ है। सस्ते ड्रोन और स्वचालित हथियारों ने लड़ाई के खर्च का हिसाब-किताब बदल दिया है। इसमें छोटे युद्धक तंत्र अति-विकसित फौजों पर भारी पड़ रहे हैं। लड़ाई में बने रहना इस बात पर निर्भर करने लगा है कि आपमें गतिशीलता, विस्तार और तेजी से अनुकूलित होने की क्षमता कितनी है? परंपरागत तरीके में टैंकों, लड़ाकू विमानों और स्थायी युद्धक ढांचे के नजर में आने और निशाना बनने के जोखिम लेकर काम करना होगा। ऐसे में, सफलता के लिए न सिर्फ तकनीकी परिष्कार, बल्कि संगठनात्मक स्तर पर तेजी से अनुकूलित होने की क्षमता भी जरूरी है, जिससे निचले स्तर के कमांडरों को तत्क्षण फैसले लेने में मदद मिले।

कुल मिलाकर, भविष्य की जंगों के लिए कोई अच्छा संकेत नहीं है, बल्कि एक चेतावनी है। सैन्य शक्ति अब भी जरूरी बनी हुई है, लेकिन यह अब अकेले निर्णायक नहीं रह गई है। तकनीक, आर्थिकी और राजनयिक अंतरसंबंधों से लड़ाइयों को जीतना और खत्म करना, दोनों ही मुश्किल हो जाएंगे। नीति-निर्माताओं के सामने चुनौती होगी कि वे लक्ष्य को दक्षता के साथ हासिल करने, जल्दी जीत के लालच से बचने और लंबे समय के लिए तैयारी करने पर ध्यान दें। इन जंगों से एक बात तो पक्की हो गई है कि आधुनिक युद्धों में नतीजे आकार या शुरुआती बढ़त से नहीं, बल्कि तेजी से बदलते युद्धक्षेत्र में सीखने, अनुकूलित होने और टिके रहने की क्षमता से तय होते हैं। आधुनिक युद्धों में सिर्फ दबदबा नहीं, बल्कि तेजी से अनुकूल बनना सफलता की असली कसौटी बन गया है।

टूट रहा है दुबई में बसने का सुनहरा सपना

> विदेश में बसना या निवेश करना कोई गलत निर्णय नहीं है। लेकिन केवल टैक्स बचाने या अल्पकालिक लाभ के लिए स्थायी रूप से देश छोड़ देना एक बड़ा फैसला होता है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

● हेमंत पाल ●

बीते कुछ सालों में भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और उच्च आय वर्ग के लोग तेजी से दुबई और खाड़ी देशों की ओर रुख करते दिखाई दिए। कम टैक्स, वैश्विक जीवनशैली और आसान बिजनेस माहौल ने उन्हें आकर्षित किया। लेकिन, हाल के भू-राजनीतिक तनावों और क्षेत्रीय अस्थिरता ने इस प्रवृत्ति पर नए सवाल खड़े कर दिए। क्या वास्तव में दुबई जैसे देशों में बसना उतना सुरक्षित और स्थायी विकल्प है जितना माना जाता है, या फिर यह केवल टैक्स बचाने और विलासितापूर्ण जीवन की चाह का परिणाम है! यह सवाल अब गंभीर बहस का विषय बन चुका है।

एक दशक में दुबई भारतीयों के लिए सबसे पसंदीदा विदेशी ठिकानों में से एक बनकर उभरा है। खासकर अमीर भारतीयों और उद्योगपतियों के बीच वहां बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। दुबई की रियल एस्टेट मार्केट में भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती गई और कई बड़े कारोबारी परिवारों ने वहां महंगी प्रॉपर्टी खरीदकर स्थायी निवास बना लिया।

इस आकर्षण के पीछे सबसे बड़ा कारण दुबई का टैक्स ढांचा है। दुबई में व्यक्तिगत आयकर नहीं है, जबकि भारत में उच्च आय वर्ग को 30 प्रतिशत तक टैक्स देना पड़ता है। यही कारण है कि कई लोग अपनी आय और संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए खाड़ी देशों में बसने का फैसला करते हैं। इसके अलावा दुबई का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र के रूप में पहचान और अपेक्षाकृत आसान कारोबारी नियम भी लोगों को आकर्षित करते रहे हैं। हालांकि, दुबई जाने का कारण केवल टैक्स बचाना ही नहीं है। कई उद्योगपति और कारोबारी दुबई को वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार मानते हैं। मध्य पूर्व, यूरोप और अफ्रीका के बीच स्थित होने के कारण दुबई व्यापार और लॉजिस्टिक्स के लिए एक रणनीतिक केंद्र बन चुका है। इसके अलावा दुबई में लग्जरी जीवनशैली, आधुनिक शहर, बेहतर परिवहन व्यवस्था और अपेक्षाकृत तेज प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी आकर्षण का कारण हैं। कई भारतीय पेशेवर और उद्यमी मानते हैं कि दुबई में कारोबार शुरू करना और विस्तार करना भारत की तुलना में आसान और तेज है।

लेकिन, हाल के समय में पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने इस आकर्षण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रीय संघर्षों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं ने यह याद दिलाया है कि खाड़ी क्षेत्र पूरी तरह स्थिर नहीं है। जब भी पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, तो वहां रहने वाले विदेशी नागरिकों की सुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ऐसे समय में कई लोग यह महसूस करने लगते हैं कि आर्थिक लाभ के बावजूद किसी दूसरे देश में स्थायी रूप से बसना हमेशा सुरक्षित विकल्प नहीं होता। इसके विपरीत भारत एक बड़ा लोकतांत्रिक और अपेक्षाकृत स्थिर देश है। यहां मजबूत संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था है, जो नागरिकों को दीर्घकालिक सुरक्षा और अधिकार प्रदान करती है। भारत की अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ रही है और निवेश तथा उद्यमिता के नए अवसर लगातार सामने आ रहे हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास ने देश को वैश्विक निवेश के लिए आकर्षक बना दिया है। ऐसे में कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए विदेश बसना हमेशा दीर्घकालिक रूप से सही फैसला नहीं होता।

एक और महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का है। भारत छोड़कर विदेश में बसने वाले कई लोगों को समय के साथ यह महसूस होता है कि अपने समाज, संस्कृति और परिवार से दूर रहना आसान नहीं होता। दुबई जैसे देशों में भले ही भारतीय समुदाय बड़ा हो, लेकिन वहां की नागरिकता व्यवस्था और सामाजिक ढांचा अलग है। अधिकांश विदेशी नागरिकों को वहां स्थायी नागरिकता नहीं मिलती, जिससे उनका भविष्य हमेशा अनिश्चित बना रहता है। हाल के वर्षों में यह भी देखने को मिला है कि कुछ लोग विदेश में रहने के बाद वापस भारत लौटने का निर्णय ले रहे हैं। भारत की बढ़ती आर्थिक संभावनाएं, तकनीकी विकास और बेहतर जीवन के अवसर इस बदलाव के पीछे प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा किए गए कई आर्थिक सुधारों और कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने की कोशिशों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

दरअसल, विदेश में बसना या निवेश करना कोई गलत निर्णय नहीं है। लेकिन केवल टैक्स बचाने या अल्पकालिक लाभ के लिए स्थायी रूप से देश छोड़ देना एक बड़ा फैसला होता है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। जरूरी यह है कि लोग आर्थिक लाभ के साथ-साथ सुरक्षा, स्थिरता, सामाजिक जुड़ाव और भविष्य की संभावनाओं जैसे पहलुओं पर भी गंभीरता से विचार करें।

दुबई और खाड़ी देशों का आकर्षण अपनी जगह है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने यह सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या केवल आर्थिक कारणों से विदेश बसना सही फैसला है। भारत आज तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और यहां अवसरों की कोई कमी नहीं है। ऐसे में शायद यह समय है जब लोग केवल टैक्स के नजरिए से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने फैसलों पर पुनर्विचार करें।

वैश्विक युद्धों के दौर में संयुक्त राष्ट्र की चुप्पी पर उठते सवाल

● विवेक एस अग्रवाल ●

मानवाधिकार व शांति के संकल्प के साथ स्थापित संयुक्त राष्ट्र का वैश्विक युद्धों के बीच लापता दिखना उसकी प्रासंगिकता पर सवाल खड़े करता है। दुनिया के बड़े हिस्से में धधक रही युद्ध की आग के बीच एक गुमशुदा की तलाश चल रही है, यह कोई इन्सान, माफिया या गिरोह न होकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) नाम का संगठन है। युद्ध रोकने और मानव अधिकार समेत विकास की कसमें खाकर बने इस संगठन के किसी भी अंश का अस्तित्व ही ओझल हो गया है। वर्तमान युद्ध काल में लड़ाई के संसाधन इस कदर झोंक दिए गए हैं कि उनकी गिनती करना भी दूभर हो गया है। न सिर्फ संयुक्त राष्ट्र का मुख्य संगठन, बल्कि उसके प्रमुख और आनुषंगिक संगठनों ने भी पूर्णतया मौन साधकर अपने को समाधि की स्थिति में स्थापित कर लिया है।

इस संगठन का गठन 51 देशों ने 26 जून, 1946 को अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में किया था। भावी पीढ़ियों को युद्ध से बचाने के उद्देश्य से लिखित प्रस्तावना पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए संस्थापक राष्ट्रों ने हस्ताक्षर भी किए थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि युद्ध रोकने के उद्देश्य से गठित संगठन की नाक के नीचे से ही वैश्विक अशांति को दिशा दी जा रही है। प्रस्तावना के अनुसार, राष्ट्रों ने संकल्प लिया कि वे आने वाली पीढ़ियों को युद्ध के खतरे से बचाएंगे। साथ ही, वे मूल मानवाधिकारों, मानव गरिमा और मूल्य तथा छोटे-बड़े सभी देशों की समानता में विश्वास को फिर से मजबूत करेंगे। वे ऐसे हालात बनाएंगे, जिनमें संधियों व अंतरराष्ट्रीय कानूनों से पैदा होने वाली जिम्मेदारियों का न्याय और सम्मान बना रहे, तथा स्वतंत्रता के माहौल में सामाजिक प्रगति तथा बेहतर जीवन को बढ़ावा दिया जा सके। यूएन के छह मुख्य अंग हैं, जो इसके कार्यों का संचालन करते हैं। इसके अतिरिक्त 16 विशिष्ट संस्थाओं का संचालन भी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के तहत ही होता है। संगठन को अपेक्षित सफलता न मिलने के बाबत चर्चाएं तो विगत कुछ दशकों से दुनिया भर में चलती रही हैं, किंतु यूएन की अपने मूल उद्देश्यों के प्रति बेबसीपूर्ण शिथिलता समझ से परे है। आखिर, क्या कारण हैं कि मूल संगठन समेत समस्त ढांचा युद्ध की विभीषिका के बचाव में पहलकारी भूमिका में नहीं दिख रहा। बीते चार वर्षों के युद्ध घटनाक्रम के बाद यूएन के औचित्य पर प्रश्नचिह्न लगे हैं। अमेरिका इस व्यवस्था की स्थापना से अभी तक इसका हिस्सा रहा है, किंतु वहां की सरकार ने ही सर्वप्रथम खुलेआम यूएन को औचित्यहीन माना है। शायद यही कारण है कि अमेरिका यूएन चार्टर की धज्जियां उड़ाते हुए, अपने समर्थित युद्धों की गौरवपूर्ण स्वीकृति दिए जा रहा है। रेडक्रॉस, रेड क्रिसेंट संस्थाओं की उपस्थिति भी मात्र औपचारिकता भर रह गई है।

इस परिपेक्ष्य में सर्वप्रथम रूस-यूक्रेन युद्ध का उल्लेख करना उचित होगा। अनुमान के अनुसार, जहां अब तक युद्ध में करीब 20 लाख लोगों ने अपनी जिंदगी से हाथ धोया, तो इससे दोगुने लोगों को देश छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। असंख्य लोग घायल और बेरोजगार हो गए। क्या यह मानव अधिकारों का उल्लंघन नहीं है? यह क्रम तब से लेकर वर्तमान में चल रहे विभिन्न युद्धों तक अनवरत रूप से चला आ रहा है। एक के बाद एक हो रहे युद्धों से राष्ट्रों की संप्रभुता पर सीधा-सीधा हमला हो रहा है और वे खतरे में हैं। ऐसे में, सुरक्षा परिषद क्यों दायित्वविहीन नजर आ रही है। इस संदर्भ में तो वीटो पावर रखने वाले रूस व अमेरिका की युद्धों में सक्रिय भागीदारी ने 'जब सैंया भए कोतवाल, तो डर काहे का' कहावत को चरितार्थ कर दिया है। इन युद्धों में इस्तेमाल हो रहे बेतहाशा आयुध क्या वैश्विक तापमान, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को आहत नहीं कर रहे? यदि कर रहे हैं, तो संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का मौन समझ नहीं आता। युद्ध से सेहत पर पड़ने वाले असर को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहीं कोई हस्तक्षेप नहीं दिखा। अमेरिका व इस्राइल द्वारा ईरान के विद्यालयों को लक्षित कर किए गए हमले में सैंकड़ों मासूम बच्चों की जान चली गई। दस्त से हुई चंद मौत के बाद दुनिया भर में हल्ला मचाने वाला यूनिसेफ भी बेजुबान हो गया है।

हाल ही में, तेहरान में 16वीं सदी की ऐतिहासिक विश्व विरासत धरोहर गोलेस्तान पैलेस को युद्ध से क्षति पहुंचाई गई। यूनेस्को चुप रहा। क्या यूनेस्को की भूमिका मात्र मान्यता देने तक ही सीमित है? मान्यता से संरक्षण तो प्राप्त नहीं होता। उचित होता संरक्षण हेतु राष्ट्रों को बाध्य किया जाता। इसी प्रकार, संयुक्त राष्ट्र के समस्त संगठन दुनिया में अपने तय एजेंडे के अतिरिक्त कहीं भी नजर नहीं आते। यदि आपातकालीन परिस्थितियां उनके लिए कोई महत्व नहीं रखतीं और राष्ट्रों को अपनी संप्रभुता की रक्षा स्वयं ही करनी है या किसी संगठन का अराजकता पर कोई अंकुश ही नहीं है, तो फिर उसके अस्तित्व पर हजारों करोड़ डॉलर प्रतिवर्ष का खर्चा क्यों किया जाए?

अतः यह आवश्यक है कि संयुक्त राष्ट्र अपनी स्थापना की मूलभावना को क्रियान्वित करने हेतु सामने आकर अवहेलना कर रहे राष्ट्रों को पाबंद करे या चिंताओं का दिखावा करना बंद करे। यदि संयुक्त राष्ट्र को शांतिकाल तक ही अपनी भूमिका सीमित करनी है, तो वर्तमान ढांचे का पुनरावलोकन कर उसे सीमित एवं मितव्ययी संगठन के रूप में पुनर्स्थापित किया जाना चाहिए।

धुरंधर, हिन्दी सिनेमा का 'म्यूनिख' मोमेंट

● रंगनाथ सिंह ●

> आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर-दि रिवेंज' और उसके पहले भाग 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झण्डे गाड़ने के साथ ही एक नरेटिव वार भी शुरू कर दी है। इसलिए फिल्म को देखने के बाद इस पर दो पहलू से सोचना होगा। एक पहलू इसका फिल्मीपन है और दूसरा, इसका नरेटिव जिसे लेकर खेमेबन्दी हो रखी है।

धुरंधर-2 के फिल्मीपन की बात करें तो तीन घण्टे 50 मिनट की फिल्म से दर्शकों को बांधे रखने के लिए इसके लेखक-निर्देशक बधाई के पात्र हैं। बहुत कम फिल्में ऐसी होती हैं जिनके हर किरदार ने सराहनीय अभिनय किया हो।

धुरंधर के दोनों पार्ट इस मामले में खरे उतरते हैं। यह जरूर है कि पहले पार्ट में अक्षय खन्ना, राकेश बेदी और संजय दत्त के किरदार की लम्बाई अच्छी थी मगर दूसरे पार्ट में अक्षय खन्ना मौजूद नहीं थे। राकेश बेदी और संजय दत्त के रोल पहले के मुकाबले छोटे हैं। अर्जुन रामपाल का रोल पहले पार्ट से थोड़ा लम्बा है।

'धुरंधरः द रिवेंज' पूरी तरह जसकीरत सिंह रांगी उर्फ हमजा अली मजारी (रणवीर सिंह) की फिल्म है। फिल्म रणवीर सिंह से शुरू होती है और उन्हीं पर खत्म होती है। पहले पार्ट में नॉन-एक्शन सीन और कॉमेडी सीन दर्शकों को एक्शन दृश्यों से रिलीफ देने वाले थे। दूसरे पार्ट में कॉमिक रिलीफ लगभग नहीं है।

पहले पार्ट में रहमान बलोच के किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया था मगर दूसरे पार्ट में उजैर बलोच के किरदार के पर कतर दिये गये हैं। ल्यारी के बलोच गैंग को करीब से कवर करने वाले पाकिस्तानी पत्रकारों की मानों तो उजैर बलोच ने रहमान बलोच से भी ज्यादा खूँरेजी की थी। धुरंधर का दूसरा पार्ट देखकर लगता है कि निर्देशक को कहीं न कहीं इस बात की चिन्ता थी कि जसकीरत सिंह रांगी के किरदार पर कोई अन्य किरदार हावी न हो, जैसा पहले पार्ट में रहमान बलोच ने किया।

फिल्म की वनलाइन कहानी है कि जसकीरत सिंह रांगी भारत का खुफिया एजेंट है और वह उन आतंकवादियों को चुन-चुनकर मारता है जिन्होंने भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया या दिलवाया हो। फिल्म भारत में हथियार, नकली नोट और नशे के कारोबार के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों और आतंकवादियों से जुड़ने वाले तार को दिखाने का प्रयास करती है। और इन्हीं तार को लेकर सोशलमीडिया पर ज्यादा तकरार हो रही है।

एक्शन फिल्म के शौकीनों को 'धुरंधरः द रिवेंज' पसन्द आएगी। फैमिली ड्रामा या रोमांटिक फिल्म को ज्यादा पसन्द करने वालों को यह फिल्म कई बार विचलित कर सकती है। भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट देखें तो ज्यादातर एक्शन फिल्में हैं। पुष्पा-2, एनिमल, केजीएफ-2, जवान, आरआरआर,बाहुबली इत्यादि। अब 'धुरंधरः द रिवेंज' भी इस लिस्ट में शामिल हो चुकी है।

धुरंधर के नरेटिव की बात करें तो 'धुरंधरः द रिवेंज' देखने के बाद स्टीवन स्पीलबर्ग की साल 2005 में आयी फिल्म म्यूनिख की याद आयी। 'म्यूनिख' में दिखाया गया है कि इजरायली खिलाड़ियों की हत्या करने वाले और उसकी योजना बनाने वालों को इजरायली खुफिया अधिकारियों ने दशकों तक पीछा किया और उन्हें मौत के घाट उतारा। धुरंधर में भी 'अज्ञात बंदूकधारी' वही काम करते हैं।

धुरंधर देखकर लगता है कि अब भारतीय निर्देशकों में इतना साहस आ चुका है कि वह हॉलीवुड की तरह वास्तविक खुफिया ऑपरेशन पर केंद्रित फिल्में बना सकें। धुरंधर से यह भी स्थापित होता है कि भारतीय खुफिया तंत्र भी अब पर्दे के पीछे रहने की पुरानी नीति से आगे बढ़कर खुलकर यह स्वीकार करने को तैयार है कि वह भी इजरायली और अमेरिकी एजेंसियों की तरह विदेश में ऑपरेशन करता है। जाहिर है कि फैक्ट आधारित फिक्शन होने की आड़ से फिल्म निर्देशक और खुफिया एजेंसियों को सफाई देने से बच निकलने का रास्ता मिल जाता है।

धुरंधर की राजनीति पर भी काफी बहस हो रही है। मेरी राय में धुरंधर की नींव उसी दिन पड़ गयी थी जिस दिन 'आईसी 814: कांधार हाईजैक' रिलीज हुई थी। 'आईसी 814' में तत्कालीन भाजपा सरकार के कुछ नेताओं और अफसरों को आतंकवाद से लड़ने में विफल दिखाया गया था। धुरंधर के दोनों पार्ट में यह दिखाया गया है कि आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत की खुफिया एजेंसी और वर्तमान सरकार क्या कर रही हैं।

बुद्धिजीवियों का एक वर्ग कहता रहा है कि कोई किताब पसन्द न आए तो उसका जवाब किताब से देना चाहिए, किसी फिल्म से समस्या है तो अपनी फिल्म बनाकर जवाब देना चाहिए! धुरंधर के दोनों पार्ट देखकर लगता है कि आदित्य धर ने उनकी बात को पूरी गम्भीरता से लिया है। अब यही बात उन्हीं लोगों को बुरी लग रही है। वैसे भी नरेटिव वार बुद्धिजीवियों का काम है। वरना 'फिल्में केवल तीन चीजों की वजह से चलती हैं- एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट

3000 से अधिक नर्मदा भक्तों ने की एक साथ उत्तरवाहिनी परिक्रमा

छोटे बच्चे एवं बुजुर्ग भी रहे बड़ी संख्या में शामिल मध्यप्रदेश के अलावा दूसरे प्रांतों से भी आये नर्मदा भक्त

जागरण मण्डला। मण्डला नगर की महिष्मती नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा अब देश और विदेश में मण्डला की पहचान बनती जा रही है। नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा करने के लिये आने वाले नर्मदा भक्तों की संख्या में प्रतिवर्ष इजाफा हो रहा है चैत्र माह में प्रत्येक वर्ष उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा का आयोजन होता है मण्डला में माँ नर्मदा लगभग 21 किलोमीटर उत्तर दिशा की ओर प्रवाहित हुई हैं यही वह क्षेत्र है जिसकी परिक्रमा चैत्र मास में की जाती है इस परिक्रमा को करने न केवल जिले के एवं अन्य जिलों के श्रद्धालु भी मण्डला आते हैं अब तो अन्य प्रदेशों के एवं विदेशों से भी नर्मदा भक्तों के आने का क्रम प्रारंभ हो गया है।

28 एवं 29 को हुआ सामूहिक परिक्रमा का आयोजन

चैत्र माह में यूं तो पूरे माह भर श्रद्धालु माँ नर्मदा की परिक्रमा करते हैं लेकिन इस बीच एक आयोजन ऐसा भी होता है जिसमें बड़ी संख्या में नर्मदा भक्त एक साथ उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा में चलते हैं यह आयोजन माँ महिष्मती नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति द्वारा आयोजित किया जाता है। पहले के वर्षो ?में 02 सामूहिक परिक्रमा का आयोजन किया जाता रहा है लेकिन इस वर्ष ?सामूहिक परिक्रमा का आयोजन एक ही हुआ है इसके पीछे कारण यह था कि चैत्र माह में रोजाना कभी 100, कभी 50, कभी 30, कभी 150 की संख्या में श्रद्धालुओं परिक्रमा करते रहे हैं ऐसे में आयोजन समिति द्वारा 02 बड़े सामूहिक परिक्रमा का आयोजन कर पाना संभव नहीं था लिहाजा सामूहिक परिक्रमा का एक ही आयोजन हुआ और यह परिक्रमा 28 मार्च ?को सुबह 06 बजे प्रारंभ हुई जो कि कल 29 मार्च को शाम के समय संपन्न हुई।

हजारों भक्त हुये शामिल

28 मार्च दिन शनिवार को जब व्यास नारायण मंदिर में संकल्प पूजा के साथ परिक्रमा प्रारंभ हुई तो परिक्रमावासियों का हुजुम देखते ही बन रहा था परिक्रमा के पूर्व परिक्रमावासियों द्वारा आयोजन समिति के समक्ष पंजीयन कराया गया था यह पंजीयन 1836 नर्मदा भक्तों ने उत्तरवाहिनी परिक्रमा के लिये कराया था लेकिन जब व्यास नारायण मंदिर में संकल्प पूजा के लिये नर्मदा भक्तों का आना प्रारंभ हुआ तो देखते ही देखते ही यह संख्या 3000 से ऊपर जा पहुंची बहुत से नर्मदा भक्त बिना पंजीयन के ही इस यात्रा में शामिल हुये इसके अलावा बहुत से नर्मदा भक्त ऐसे भी थे जिन्होंने सुबह 08 बजे के बाद अपनी परिक्रमा प्रारंभ की इन लोगों का पहले परिक्रमा करने का कोई ?भी मन या निर्णय नहीं था लेकिन अन्य भक्तों को देखते हुये और सोशल मीडिया में जिस तरह की तस्वीरें एवं वीडियों वायरल हुये उन्हें देखकर लोग भी अपने घरों से परिक्रमा के लिये निकल पड़े। व्यास नारायण मंदिर में संकल्प पूजा के बाद परिक्रमा नर्मदा तट पहुंची और माँ नर्मदा की पूजा अर्चना के बाद परिक्रमा तट पार कर महाराजपुर संगम की ओर रवाना हुई।

तट पार करने का जो सिलसिला सुबह 06 बजे से प्रारंभ हुआ वह लगभग 10 बजे तक जारी रहा। संगम घाट में लगभग 09 की संख्या में नाव उपलब्ध थी जिनमें 10 से 12 यात्री ही तट पार कर पा रहे थे लिहाजा समय काफी लगा बहुत से परिक्रमावासी पैदल ही झूला पुल पार कर बंजर पुरवा पुल के रास्ते संगम पहुंचे जहां से परिक्रमा चौधरी वाड़ा होते हुये ज्वालाजी मंदिर पहुंची ज्वालाजी मंदिर परिसर में कायस्थ समाज के द्वारा परिक्रमावासियों के लिये बाल भोग व्यवस्था की गई थी यहां नर्मदा भक्तों ने थोड़ा विश्राम किया और गरमा गरम पोहा जलेबी एवं चाय का आनंद लिया यहां से परिक्रमावासी मंगलेश्वर मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन करते हुये धनीराम दादाजी के आश्रम पहुंचे और दादा धनीराम के दर्शन पश्चात बहुत से नर्मदा भक्तों ने राधाराज आश्रम में भी बाल भोग आनंद उठाया यहां से कुछ नर्मदा भक्त कारीकोन तिराहा होते हुये आगे मानादेई के लिये रवाना हुये तो कुछ नर्मदा भक्त राधाराज आश्रम से ही पीछे की ओर चलते हुये कच्चे रास्ते माँ नर्मदा के किनारे-किनारे मानादेई पहुंचे इस दौरान लगातार रास्ते में शीतल पेयजल एवं शीतल पेय नर्मदा भक्तों द्वारा परिक्रमावासियों को उपलब्ध कराया जाता रहा मानादेई के बाद घुंघुरू वाले आश्रम में शानदार पुदीने का शरबत परिक्रमावासियों को भेंट किया गया जिससे धूप में चलकर आते हुये परिक्रमावासियों को शीतलता प्राप्त हुई यहां वृक्षों के नीचे बड़ी संख्या में नर्मदा भक्तों ने विश्राम किया और फिर इस स्थान से परिक्रमा के आगे के लिये प्रस्थान हुई।

ग्राम सिलपुरा में हुआ दोहपर का भोजन

इस सामूहिक परिक्रमा में शामिल नर्मदा भक्तों के लिये दोहपर के भोजन का आयोजन सिलपुरा में इस बार 02 स्थानों में किया गया था एक आयोजन कोठीघाट आश्रम में भक्तों के लिये भोजन की व्यवस्था थी तो दूसरा हायर सेकेण्डरी परिसर सिलपुरा में भोजन नर्मदा भक्तों लिये आयोजित था दोनों स्थानों में बंटकर परिक्रमावासियों ने भोजन किया और यहां पर थोड़ा विश्राम किया। इसके बाद परिक्रमावासी ग्राम घाघा के लिये रवाना हुये लगभग 8 किलोमीटर की यह यात्रा सभी परिक्रमावासियों के लिये काफी चुनौतिपूर्ण होती है लेकिन उनकी इस चुनौति को माँ नर्मदा की कृपा आसान यूं कर देती है कि नर्मदा भक्त इस दौरान परिक्रमावासियों के लिये विभिन्न तरह की सेवा रास्ते-रास्ते करते रहते हैं जैसे कोई शीतल जल ही पिला रहा होता है तो कोई ठण्डी लस्सी, तो कोई छांछ और कोई फल एवं ककड़ी लेकर खड़ा रहता है उनके सहारे नर्मदा परिक्रमावासी चलते-चलते घाघा पहुंचे जहां पर शाम की नर्मदा की महाआरती का शानदार संगीतमय आयोजन हुआ और रात्रि विश्राम घाघा में हुआ।

सटई रोड इलाके में जोरदार धमाका, घरों में कंपन और धुआं : ग्रामीणों में दहशत

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर शहर के सटई रोड क्षेत्र में शुक्रवार को जोरदार धमाके की घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास के कई घरों में कंपन महसूस किया गया और हवा में धुआं भर गया, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी दहशत फैल गई। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

ग्राम मौराहा के ग्रामीणों ने बताया कि वे खेत में फसल कटाई का काम कर रहे थे, तभी आसमान में एक प्लेन तेज रफ्तार से निकला। प्लेन करीब 30-40 फीट की ऊंचाई पर था और उससे काफी धुआं निकलता दिखाई दिया। ग्रामीण घबरा गए और दहशत में आ गए। सटई रोड के निवासियों ने बताया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि घरों के दरवाजे हिलने लगे और बाथरूम में रखे पानी के बर्तनों तक में पानी उछल पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटना पहले भी दो बार हो चुकी है, लेकिन इस बार धमाके की आवाज और प्रभाव ज्यादा तीव्र था, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने आसमान में फाइटर जेट उड़ान भरने की भी चर्चा की, लेकिन अभी तक प्रशासन या पुलिस की ओर से इस घटना के कारणों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

इसी तरह की घटना छतरपुर जिले के चंदला क्षेत्र में भी देखने को मिली, जहां ग्रामीणों में काफी दहशत फैली। वहां का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि धमाका किसी विमान की इंजन फेलियर, सैन्य गतिविधि या किसी अन्य कारण से हुआ।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक से दी नशा मुक्ति और साइबर सुरक्षा की सीख

जागरण मंडला। शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद ग्राम बिनैका में आयोजित 7 दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन चौपाल पर जन-जागरूकता का संचार किया गया। शिविर के दौरान छात्रों ने चौपाल पर एकत्र ग्रामीणों के समक्ष प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। अभिनय के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि नशा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को हानि पहुँचाता है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और मानसिक शांति को भी पूरी तरह नष्ट कर देता है। तकनीक के दौर में बढ़ते 'डिजिटल फ्रॉड', फर्जी कॉल और ऑनलाइन ठगी से बचने के व्यावहारिक तरीके ग्रामीणों को समझाए गए।यह आयोजन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती कल्पना नामदेव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएस प्रभारी श्री प्रवीण अग्रवाल ने मार्मिक बात कही। नशा वह दीमक है जो हँसते-खेलते परिवारों को अंदर से खोखला कर उनके विघटन का कारण बनता है। युवाओं की ऊर्जा समाज निर्माण में लगनी चाहिए, न कि व्यसनों में। ग्राम सरपंच अनुसुईया बाई का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। बिनैका के निवासियों ने छात्रों के इस जज्बे की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। ऐसे शिविर न केवल ग्रामीणों को जागरूक करते हैं, बल्कि स्वयंसेवकों में 'स्वयं से पहले सेवा' के भाव और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुदृढ़ करते हैं।

शासन के आदेशों को रद्दी में फेंका, 10 नर्सिंग ऑफिसरों का अवैध संलग्नीकरण

नौगांव टीबी अस्पताल का मामला

छतरपुर। डॉ. आर.पी. गुप्ता की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है, जिन्होंने शासन के स्पष्ट प्रतिबंध के बावजूद नियम विरुद्ध तरीके से 10 नर्सिंग ऑफिसरों को हटाकर दूसरी जगह %फिक्स% कर दिया है। नौगांव क्षय (टीबी) चिकित्सालय के अधीक्षक ने इस मनमानी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सीधे ष्टरूाह्ल को पत्र लिख मारा है। पत्र में साफ कहा गया है कि उनके अस्पताल से 10 नर्सिंग स्टाफ को हटाकर गौरिहार विकासखंड के सिविल अस्पताल में अटैच कर दिया गया है। ?नतीजा? टीबी अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पूरी तरह धराशायी हो गई हैं। गंभीर मरीजों की देखभाल करने वाला कोई नहीं है, जबकि नियम कहते हैं कि संलग्नीकरण पर पूर्णतः रोक है। नियमों को ठेंगा दिखाकर जिन नर्सिंग ऑफिसरों को गौरिहार/सिविल अस्पताल नौगाँव भेजा गया है, उनमें शामिल हैं- ?जनक लली कुशवाहा, शिवानी सोनी, आंचल बिसेन, भारती चंदौर, रिमझिम धुर्वे, अनुराधा बेगा, ओमती बेगा, प्रियंका गौण, विशाखा पटैरिया और नेहा अहिरवार। जब शासन के सख्त निर्देश हैं कि संलग्नीकरण नहीं किया जाएगा, तो फिर ष्टरूाह्ल साहब को इन 10 नियुक्तियों में ऐसी कौन सी जरूरत दिख गई कि टीबी अस्पताल को खाली कर दिया? एक तरफ सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी ही स्टाफ की कमी पैदा कर रहे हैं। टीबी जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज अब स्टाफ की कमी के कारण दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

कमरे में बंद कर पत्नी-बच्चियों को, खुद फांसी पर झूला व्यक्ति पुलिस ने तीनों बेटियों को बचाया

छतरपुर। जिले के बड़ामलहरा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 1 में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और तीन मासूम बेटियों को कमरे में बंद कर खुद दूसरे कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 6:30 बजे महिला रानी उपाध्याय ने पुलिस को सूचना दी कि उनके पति संतोष उपाध्याय (उम्र 45 वर्ष) ने उन्हें और बच्चों को कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगा दिया है। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

डायल 112 में तैनात आरक्षक 1366 रामअवतार मीणा एवं पायलेट रामगोपाल विश्वकर्मा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कमरे का ताला तोड़कर महिला और तीनों बेटियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद जब पुलिस ने पास के कमरे में जाकर देखा तो संतोष उपाध्याय फांसी के फंदे पर लटके मिले। उन्हें तत्काल नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है।

पुलिस जांच जारी पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। पारिवारिक विवाद या अन्य कारणों को लेकर भी जांच की जा रही है।

शिक्षकों के सम्मान समारोह में पहुंचे जिला शिक्षा अधिकारी

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ब्लॉक और शिक्षक हुए सम्मानित

छतरपुर। शहर के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 में शनिवार को इंग्लिश लिटरेसी कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षकों के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार पांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों में पंकज सेन, ऋतु सिंह, खुशी जैन, वंदना प्रजापति, अजय दीक्षित सहित 20 शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों को प्रशंसा पत्र वितरित कर सम्मानित किया। यह कार्यक्रम लीप फॉर वर्ल्ड संस्था द्वारा संचालित निहार शांति पाठशाला फनवाला के अंतर्गत आयोजित किया गया, जो कि माईक्रो लिमिटेड की सीएसआर पहल का हिस्सा है। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में आउटस्टेडिंग क्लस्टर ब्लॉक एण्ड डिस्ट्रिक नवाचार कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ब्लॉकों, क्लस्टरों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बारीगढ़ एवं नौगांव ब्लॉकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। बारीगढ़ से बीआरसीसी और नौगांव से एस.के. निरंजन ने पुरस्कार प्राप्त किया। इसके साथ ही एचएसएस बॉयज बारीगढ़ एवं एचएस निवार (बक्सवाहा) क्लस्टरों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में डाईट प्राचार्य आर.के. वर्मा, एपीसी अकादमिक नीरज खरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रोग्राम मैनेजर शोएब शेख एवं सीनियर मैनेजर पायल आंजेकर ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के दौरान छतरपुर जिले को राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलंपियाड में तृतीय स्थान मिलने पर ट्रॉफी का प्रदर्शन भी किया गया। वहीं, शिक्षक पंकज सेन ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा किया।

मंडला में 30 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित

जागरण मंडला। जिला प्रशासन ने सार्वजनिक अवकाश में बदलाव करते हुए नया आदेश जारी किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सोमेश मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पहले 31 मार्च, दिन मंगलवार को घोषित महावीर जयंती अवकाश को संशोधित कर अब 30 मार्च, दिन सोमवार को पूरे जिले में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। यह निर्णय मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों तथा स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

मंडला में 2 एकड़ गेहूं की फसल जली : जवारे विसर्जन के लिए जुटे लोग आग की खबर पर खेत की ओर दौड़े

जागरण मंडला। मंडला जिले के महाराजपुर थाना इलाके के माली मोहगांव (टिकरा टोला) में एक गेहूं के खेत में अचानक आग लग गई। इस हादसे में करीब 2 एकड़ में पककर तैयार खड़ी फसल जलकर राख हो गई। यह खेत राजेश जाट और उनके परिवार का बताया जा रहा है।स्थानीय निवासी रितेश राय के मुताबिक, गांव में जवारे विसर्जन के लिए लोग इकट्ठा हुए थे। जैसे ही खेत में आग लगने की खबर मिली, सभी ग्रामीण तुरंत आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। लोगों की मुस्तैदी की वजह से आग को और अधिक फैलने से रोक लिया गया।

रास्ते की वजह से नहीं पहुंच पाई बड़ी दमकल : हादसे की सूचना फायर ब्रिगेड को भी दी गई थी, लेकिन रास्ता छोटा होने के कारण बड़ी गाड़ी खेत तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद एक छोटी गाड़ी की मदद से बची हुई आग को पूरी तरह बुझाया गया। हल्का पटवारी अगस्ति सिंह सरसाम ने बताया कि लगभग दो एकड़ की पूरी फसल जलकर बर्बाद हो गई है।

पुलिस कर रही है जांच : महाराजपुर थाना प्रभारी डॉ. जय सिंह यादव ने बताया कि खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। फिलहाल आग लगने की असली वजह सामने नहीं आई है, जिसकी जानकारी जुटाई जा रही है। अभी स्थिति पूरी तरह काबू में है।

सरेआम सड़क पर गुंडागर्दी, युवक की बेरहमी से पिटाई तमाशबीन बने रहे लोग, वीडियो वायरल

हरपालपुर । लहचूरा रोड पर मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई, जहां बीच सड़क पर एक युवक के साथ 2-3 लोगों ने गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट कर दी। इस पूरी घटना के दौरान सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि आसपास मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे, लेकिन किसी ने भी युवक को बचाने की कोशिश नहीं की।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मारपीट करने वाले आरोपी आसपास के गांव के बताए जा रहे हैं। इस तरह खुलेआम कानून व्यवस्था को चुनौती देना नगर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल के पास लहचूरा रोड पर आए दिन ई-रिक्शा चालक झुंड बनाकर खड़े रहते हैं। कई बार वे लोगों के घरों के सामने जबरन वाहन खड़े कर देते हैं और सवारियों से अभद्र भाषा में बात करते हुए जोर-जोर से शोर-शराबा करते हैं। इस तरह का माहौल न केवल क्षेत्र की शांति भंग कर रहा है, बल्कि घरों में रहने वाले छोटे बच्चों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। समाज और ऐसी घटनाएं नगर की छवि को धूमिल कर रही हैं और कानून के प्रति लोगों के मन में गलत संदेश दे रही हैं।

बिजली दरों में वृद्धि, गैस सिलेंडर की अपर्याप्त उपलब्धता तथा पेट्रोल-डीजल की कमी के विरोध में कांग्रेस पार्टी करेगी प्रदर्शन

जागरण मंडला। बिजली दरों में वृद्धि, गैस सिलेंडर की अपर्याप्त उपलब्धता तथा पेट्रोल-डीजल की कमी के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा उग्र विरोध प्रदर्शन किया जाएगा जिला कांग्रेस कमेटी मंडला के आह्वान पर जिले के समस्त ब्लॉक एवं नगरों में दिनांक 30 मार्च को कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज कराएंगे। इस दौरान सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया जाएगा ।

वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो
एफ़एसआईबी FSIB
भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था
निम्नलिखित पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है

न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
में
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

आयु, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव/सेवा आवश्यकता और अन्य नियमों एवं शर्तों के विवरण के लिए, कृपया https://fsib.org.in/ पर "Vacancies & Recommendations" टैब के तहत विज्ञापन देखें।

आवेदन कैसे करें: इच्छुक उम्मीदवार https://fsib.org.in/ पर "Vacancies & Recommendations" टैब के तहत उपलब्ध लिंक के माध्यम से **ऑनलाइन** आवेदन कर सकते हैं या सीधे https://www.research.net/r/cmdniacl26 पर जा करके आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि: 21 अप्रैल, 2026 शाम 5:00 बजे तक

नोट: शुद्धिपत्र सहित अतिरिक्त विवरण, यदि कोई हो, केवल ब्यूरो की वेबसाइट पर प्रकाशित किये जाएंगे।

रंगनाथ नगर पुलिस ने 5 चोरी की वारदातों का किया पर्दाफाश

अंतर राज्य चोर गिरोह के सदस्यों को किया गिरफ्तार

कटनी। पिछले कुछ समय से चोर गिरोह द्वारा जिले के 5 स्थानो मे दिनांक 11 मार्च एंव 17 मार्च की दरम्यानी रात को सूने घरो एवं दुकानों को निशाना बनाकर लाखो के सोना चांदी के जेवरात एवं घर तथा दुकानों मे रखी नगदी पैसो की चोरी एंव घर मे खड़ी मोटर सायकल चोरी की घटना को अंजाम दिया। 19 मार्च को प्रार्थी दीपेन्द्र भाई पटेल पिता स्व.उदय चंद्र सिन्हा उम्र 41 साल निवासी गोपाल मंदिर के पास आतिया ताल झांसी उत्तरप्रदेश हाल दयानंद सरस्वती रेल्वे क्वाटर साउथ स्टेशन कटनी थाना रंगनाथगर कटनी एवं संजय कुमार यादव पिता स्व.महेश कुमार यादव उम्र 60 साल निवासी क्वाटर नं.7/3 टाईप 2 विवेकानंद नगर थाना रंगनाथगर कटनी के थाना उपस्थित आकर सूचना दिये कि हम लोग अपने घर में ताला लगाकर बाहर गये थे जो घर वापस आने पर हमारे घर का ताला और अलमारी का सामान बिखरा हुआ था जिसमें से सोने चांदी के जेवरात और एक मोटर सायकल पेशन प्रो भी चोरी हो गया था जो 16-17 मार्च की दरमयानी रात में हम लोगो के घर पर सोने-चांदी के जेवरात और एक मोटर सायकल पेशन प्रो चोरी हो गई है। जिस पर थाना प्रभारी अरूणपाल सिंह ने मामला को गंभीरता से लेते हुये अपराध कायम कर सूचना वरिष्ट अधिकारियो को देकर मामले की जांच में लग गये जो अन्य थानो से जानकारी लेने पर पता चला कि उक्त घटना दिनांक को थाना माधवनगर में भी चोर गिरोह के द्वारा समदड़िया कालोनी माधवनगर में भी घर के अंदर चोरी करने का प्रयास किया गया था जिस पर थाना माधवनगर में अपराध पंजीबद्ध है। जो मामले को गंभीरता को लेते हुये पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक कटनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अरूण पाल सिंह द्वारा अलग अलग स्थानो में टीम गठित कर चोरी गये माल मशरूका की तलाश में लग गये। कडी मेहनत के बाद चोर गिरोह को अलग-अलग राज्य से पकड़ा गया आरोपियो से पूछताछ करने पर चोरो के द्वारा एक साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया और पूछताछ दौरान चोर गिरोह से पता चला कि थाना माधवनगर में 10 मार्च की दरमयानी रात में नारायणदास मशाला चक्की मैन बाजार थाना माधवनगर में दो जगह चोरी कर नगद रूपयो की चोरी हुई थी जिस पर थाना माधवनगर में अपराध पंजीबध्द है। वहां इन्ही चोर गिरोह के द्वारा चोरी की गई थी। जो आरोपी से 4 जगह चोरी गये माल मशरूका, नगदी रूपये एंव मोटर साइकिल पेशन प्रो को बरामद कर एवं चोरी करने का प्रयास करने पर आरोपीगणो को गिरफ्तार कर जेल पहुंचाया गया। जिनसे सोने चांदी के जेवरात, नगदी, पेशन प्रो मोटर सायकल जप्त किया गया।

गिरफ्तार आरोपी मे लकी उर्फ सोनू शर्मा पिता स्व.बाल कृष्ण शर्मा उम्र 32 साल निवासी ग्राम चैनपुर हाल मनेन्द्रगढ स्टेशन के पास थाना मनेन्द्रगढ छत्तीसगढ़, शिवम उर्फ शिवा मानिकपुरी पिता स्व.शंकर मानिकपुरी उम्र 30 साल निवासी ग्राम केल्हारी थाना केल्हारी छत्तीसगढ हाल ग्राम बिजुरी थाना बिजुरी जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश, सोनू साहू पिता भोले साहू उम्र 28 साल निवासी ग्राम गढ़ी थाना कोतमा जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही मे थाना प्रभारी रंगनाथनगर अरूणपाल सिंह, उनि रूपेन्द्र राजपूत, थाना प्रभारी एनकेजे सउनि बहादुर सिंह, सउनि अनिल तिवारी, सउनि सतीश जाटव, लालजी यादव, उमारमन बागरी, असंत सिंह, आरक्षक वीरेन्द्र, सायबर सेल आरक्षक अमित, आरक्षक सतेन्द्र, रमजान की सराहनीय भूमिका रही।

शहर मे निकली भव्य शोभायात्रा, श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हुआ शहर

कटनी। श्री हिंदू उत्सव समिति ने विभिन्न संगठनों के सहयोग से नगर में शनिवार की शाम श्रीराम जन्मोत्सव पर शोभायात्रा का आयोजन किया। भजनों व जय श्रीराम के जयकारों से नगर शाम लेकर देर रात तक गूंजता रहा। गाटरघाट में महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ शोभायात्रा का समापन किया गया। श्रीहिन्दू उत्सव समिति की ओर से नौवें वर्ष शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के धार्मिक, समाजिक और व्यापारिक संगठन शामिल रहे। शाम को घंटाघर श्रीराम मंदिर में पूजन के बाद रामलीला मैदान से शोभायात्रा प्रारंभ की गई। जिसमें भगवान श्रीराम की झांकी के साथ विभिन्न संगठनों की जीवंत झांकियां शामिल रहीं। जुलूस का मुख्य आकर्षण महिलाओं का खप्पर नृत्य, डांडिया, रास रहा। इसके साथ ही ढोल नगाड़ों व डीजे के स्थान पर भजन मंडलियों को विशेष रूप से शामिल किया गया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ भजन मंडलियां भजन गाते हुए नगर में निकली। घंटाघर से गर्ग चौराहा, हीरागंज, गोलबाजार, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर शोभायात्रा पहुंची, जहां पर भगवान की आरती की गई। उसके बाद मुख्य मार्ग, सुभाष चौक, कपड़ा बाजार, सराफा बाजार, शेर चौक, आजाद चौक होते हुए शोभायात्रा देर रात गाटरघाट समीर राम मंदिर पहुंची जहां पर भगवान श्रीराम की महाआरती की गई और प्रसाद का वितरण हुआ। जुलूस मार्ग को ध्वज पताकाओं से सजाया गया था। इसके साथ ही मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालुओं ने अपने अपने घरों व प्रतिष्ठानों के बाहर रंगोली सजाकर दीप जलाए और भगवान श्रीराम व शोभायात्रा का स्वागत कर आरती उतारी। वहीं विभिन्न संगठनों की ओर से भी स्वागत कर प्रसाद का वितरण किया गया।

आजाद चौक में अज्ञात युवक की संदिग्ध मौत

कटनी। शहर के व्यस्तम इलाके आजाद चौक में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक अज्ञात युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। युवक के मुंह से खून निकल रहा था जिससे मौत की वजह को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार युवक को बीते कल से ही इलाके में बीमार हालत में देखा गया था। वह काफी कमजोर और अस्वस्थ नजर आ रहा था लेकिन आज जब लोगों की नजर उस पर पड़ी तो वह मृत अवस्था में था और उसके चेहरे पर खून के निशान थे।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मर्चुरी भेज दिया है। पुलिस मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रही है ताकि उसके परिजनों को सूचित किया जा सके। युवक की मौत किसी गंभीर बीमारी की वजह से हुई है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है? यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। थाना प्रभारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

विधायक संजय पाठक ने नवनियुक्त एल्डरमैनों को दी बधाई

जनसेवा के नए अध्याय की शुरुआत

कटनी। विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र की तीन नगर परिषदों को मिले एल्डरमैन जनसेवा और नगर विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए म.प्र.शासन के नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा विजयराघवगढ़, बरही और कैमोर नगर परिषदों में नवनियुक्त एल्डरमैन मनोनीत पार्षद की घोषणा की गई है। इस अवसर पर विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक ने सभी नियुक्त एल्डरमैनों को भावपूर्ण शब्दों में बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विधायक पाठक ने अपने संदेश में कहा कि एल्डरमैन का दायित्व केवल एक पद नहीं बल्कि जनविश्वास की बड़ी जिम्मेदारी है। यह भूमिका नगरों के सुनियोजित विकास पारदर्शी प्रशासन और जन भागीदारी को सशक्त करने का माध्यम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी नवनियुक्त एल्डरमैन अपने अनुभव ज्ञान और समर्पण से नगर निकायों को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे तथा नागरिकों की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कैमोर नगर परिषद में श्रीमति शोभा सोनी, अरुण गुप्ता, श्रीमति सुनीता मुंगेरिया एवं श्रीमति किरण बर्मन को एल्डरमैन नियुक्त किया गया है। वहीं बरही में श्रीमति किरण पटेल, रजनीश नामदेव, रघुनाथ गुप्ता एवं मनोज रावत को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। विजयराघवगढ़ में राकेश पांडे, भारत कोल, महेन्द्र ताम्रकार एवं श्रीमति रोशनी सोनी को एल्डरमैन के रूप में मनोनीत किया गया है। विधायक संजय पाठक ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी विकसित विजयराघवगढ़ विकसित मध्यप्रदेश विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि जनसेवा की भावना और कर्तव्यनिष्ठा के साथ ये सभी प्रतिनिधि अपने दायित्वों पर खरे उतरेंगे और नगरों के समग्र विकास में उल्लेखनीय योगदान देंगे। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल है तथा नागरिकों ने भी नवदायित्व ग्रहण करने वाले एल्डरमैनों से बेहतर कार्य की उम्मीद जताई है।

माधवनगर स्टेशन के पास देसी पिस्टल लिये एक युवक गिरफ्तार

कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे के नेतृत्व में देशी पिस्टल रखे मिले व्यक्ति को गिरफ्तार करने में मिली सफलता मिली। माधवनगर पुलिस द्वारा जवारा विसर्जन ड्युटी व अन्य कानून व्यवस्था ड्युटी के दौरान मुखबिर सूचना मिली कि माधवनगर रेल्वे स्टेशन के पास रेल्वे क्रासिंग के पास अमीरगंज पास एक बाहरी व्यक्ति देशी पिस्टल लिये हुए खड़ा है। जिसे जल्द नहीं पकड़ा गया तो निश्चित ही स्टेशन से ट्रेन पकड़कर भाग सकता है। सूचना पर माधवनगर पुलिस स्टाफ तत्काल मौके पर पहुंच संदेही द्वारा बताये हुलिये के आदमी को रोककर नाम पता पूछने पर अपना नाम मनीष चौधरी पिता मुकेश चौधरी उम्र 19 वर्ष निवासी भोलानगर फकीरचंद का अखाड़ा सिंधी कैंप थाना हनुमानताल जबलपुर का रहने वाला बताया। जिसकी तलाशी लिये जाने पर उसके पहने हुए पैंट के बांयी जेब से एक लोहे की देशी पिस्टल मिली जिसके पास रखी लोहे की देशी पिस्टल के संबंध में लायसेंस न होने पर उपस्थित गवाहों के समक्ष देशी पिस्टल को जप्त किया गया। आरोपी को गिरफ्तारी का कारण बताते हुए गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक संजय दुबे, नवीन नामदेव, लोकेन्द्र सिंह, उमाकान्त तिवारी, नवीन शुक्ला, नन्दन कुमार एवं चन्द्रेश सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

प्रगति सेवा एवं शिक्षा संस्थान का हुआ शुभारंभ

जागरण सतना। प्रगति सेवा एवं शिक्षा संस्थान का शुभारंभ 27 मार्च को बड़े स्थान सोहवल के पूज्य गुरु के कर कमलों द्वारा आचार्य राम सलोने राघव जी के सानिध्य में संस्थान का उद्घाटन आकाश गंगा नगरए पतेरी में किया गया। इस अवसर पर पार्षद बाल कृष्णा शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में हमारे बीच बड़े भाई अतुल शुक्ला, अमित गर्ग, आनंद पाण्डेय,शुभम गौतम, अनिकेत ऊरमलिया, दीपक पाण्डेय, ऋषभ परिहार, आदुष परिहार, आदित्य बागरी, आयुष पांडेय,प्रतीक ऊरमलिया,विजय बागरी,रजनीश स्वरे, सिद्धार्थ परिहार अच्युत पाण्डेय, सरित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्य करने वाले उपस्थित रहे।

कटनी जिले में महावीर जयंती का अवकाश आज

कटनी। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जनभावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर्स को महावीर जयंती के अवकाश के संबंध में निर्णय लेने के दिए निर्देश पर कटनी जिले के लिए पूर्व में मंगलवार 31 मार्च को महावीर जयंती के लिए घोषित सार्वजनिक अवकाश में अब संशोधन किया गया है। स्थानीय समाज द्वारा सोमवार 30 मार्च को ही महावीर जयंती मनाने की मंशा और जनभावनाओं के मद्देनजर कलेक्टर आशीष तिवारी ने कटनी जिले में सोमवार 30 मार्च को महावीर जयंती के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। कलेक्टर श्री तिवारी द्वारा जारी आदेश में उल्लेखित किया गया है कि मंगलवार 31 मार्च को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं खुलेंगी।

ईव्हीएम के जिलास्तरीय वेयर हाउस का निरीक्षण आज

कटनी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ईव्हीएम और व्हीव्हीपीएटी के जिलास्तरीय वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण सोमवार 30 मार्च को शाम 5 बजे किया जाएगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलाम्बर मिश्रा ने जिले के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों से निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन कार्यालय के सामान्य निर्वाचन में उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

आज महावीर जयंती पर मांसाहारी पदार्थों का विक्रय रहेगा प्रतिबंधित

कटनी। शासन द्वारा महावीर जयंती पर्व की तिथि में परिवर्तन किए जाने के फलस्वरूप अब यह पर्व 31 मार्च के स्थान पर 30 मार्च सोमवार को मनाया जाएगा। इसी क्रम में नगर निगम प्रशासन द्वारा उक्त दिवस पर नगर सीमा क्षेत्र में मांसाहारी पदार्थों के क्रय विक्रय पर प्रतिबंध लागू किया गया है। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशों के अनुपालन में अब सोमवार 30 मार्च को मुर्गा, मुर्गी, मांस एवं मछली सहित सभी प्रकार के मांसाहारी पदार्थों का क्रय विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इस संबंध में नगर के समस्त संबंधित व्यवसायियों को आम सूचना जारी कर निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित तिथि 30 मार्च सोमवार को अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्यवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेंवे।

सफेद साड़ी में जवारे विसर्जन के लिए पहुंची हजारों महिलाएं

4 किलोमीटर पैदल पहुंची नर्मदा तट, झूमते-गाते तय किया सफर

जागरण मंडला। चौगान की मढ़िया में नवरात्रि के दौरान बोए गए जवारों का शनिवार को विधि-विधान से विसर्जन किया गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालु सफेद वस्त्र धारण कर जवारों को सिर पर रखकर लगभग चार किलोमीटर पैदल चलकर नर्मदा तट रामनगर पहुंचे।यहां पूजा-अर्चना के बाद जवारों को नर्मदा नदी में विसर्जित किया गया।चौगान की मढ़िया, जिला मुख्यालय मंडला से लगभग 30 किलोमीटर दूर, गौड़ राजाओं की ऐतिहासिक नगरी रामनगर के समीप स्थित है। यह जनजातीय समाज का एक प्रमुख आस्था केंद्र है। नवरात्रि के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जवारे बोते हैं और नौ दिनों तक स्थानीय पंडा-पुजारियों के मार्गदर्शन में विधिवत पूजन करते हैं।

नवरात्रि के दूसरे दिन बोए जाते हैं जवारे : इस स्थल की एक विशेष परंपरा है कि जहां सामान्यतः नवरात्रि के प्रथम दिन जवारे बोए जाते हैं, वहीं चौगान की मढ़िया में दूसरे दिन जवारों की बोआई की जाती है। इनका विसर्जन दशमी के दिन होता है। नौ दिनों तक श्रद्धालु सफेद वस्त्र पहनकर ही पूजा में शामिल होते हैं, जो इस परंपरा की खास पहचान है।

ये है मान्यता : मान्यता है कि यहां मांगी गई मन्नतें पूरी होती हैं। इसी विश्वास के साथ वर्ष भर दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचकर मन्नतें मांगते हैं। मनोकामना पूर्ण होने पर वे जवारे बोते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। यहां के पंडा-पुजारियों के अनुसार, इस वर्ष कुल 3720 जवारे बोए गए थे। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है, जिसे गुरुओं के निर्देश पर सहेज कर रखा गया है।शनिवार को आयोजित विसर्जन कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिससे पूरा नर्मदा तट भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर नजर आया।

अजाक्स संघ ने बाबा साहब अंबेडकर जयंती कार्यक्रम की बनायीं रुपरेखा

कटनी। अजाक्स संघ ने बाबा साहब अंबेडकर जयंती कार्यक्रम हेतु बैठक आयोजित की गई। मध्यप्रदेश अजाक्स संघ जिला शाखा कटनी के जिला महासचिव पूर्णेश उइके ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 29 मार्च को संघ की आवश्यक बैठक शहीद स्मारक एवं संग्रहालय कटनी में दोपहर 12 बजे सोहन लाल चौधरी प्रांतीय संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में 14 अप्रैल को विश्व रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती बड़ी धूमधाम से मनाने मुख्य रेलवे स्टेशन से रैली आयोजित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। एक सप्ताह तक पखवाड़ा सप्ताह मनाया जाएगा। संघ के कर्मचारी हितैषी मुद्दों सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें अजाक्स संघ मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ, कोल ट्राइबल युवा समिति, सफाई कामगार यूनियन अन्य संगठनों के पदाधिकारी सदस्य बृजभान सिंह मरावी, रामचंद्र अहिरवार, गुड्डा रैदास, मंगल सिंह, बलबीर सिंह, रमेश रावते, अमित कुंडे, ओमप्रकाश सकतेल, विजय समुद्रे, रामदास संतोष गोटिया, विश्वनाथ दहिया, किशन लाल भूमिया, संजय चौधरी, एस.एस.ठाकुर, विजय चौधरी, आर.जी.पासी, रवीन्द्र झरिया, गोपाल प्रसाद चौधरी, सोनू बौद्ध, जीतू बौद्ध, मनोज दहिया, बाबूलाल अहिरवार, धर्मेंद्र राज, सोहन दहिया, विजय हरीश बेन अन्य उपस्थित रहे।

पशुपति नाथ मंदिर में भोले नाथ का हुआ श्रृंगार

जागरण उचेहरा। बरुआ नदी के तट पर प्राचीन पशुपतिनाथ मंदिर में भोले नाथ का भक्तो ने अद्भुत श्रृंगार किया यह श्रृंगार नवरात्रि में नौ दिनों तक चली अखंड संकीर्तन श्रीराम जय राम जय जय राम की धुन के समापन उपरांत हुए विशाल भंडार पर किया गया थो वैसे नवरात्रि के पूरे दिनो मे भोले नाथ का अलग अलग रूपी में भक्तो ने श्रृंगार किये थे। जहां अभी मंदिर है वहां कुछ वर्षों पूर्व तक एक छोटा सा पत्थर का मंदिर मन्दिर जिसे मड़फा कहते है वह बना था जिसे शिव भक्तों द्वारा इसी मड़फे के ऊपर एक भव्य मंदिर बनवा दिया हासिलजानकारी अनुसार करीब 40 वर्ष से ऊपर हो रहे हैं जहां हर चैत्र नवरात्र में नौ दिनों तक अखंड श्री राम धुन संकीर्तन होती है उसके विश्राम उपरांत विशाल भंडारा आयोजित होता है यह मंदिर करीब 300 वर्ष से ऊपर का पुराना बताया जा रहा है । ऐसा कहा जाता है कि सन्यासियों द्वारा पशुपति नाथ मन्दिर में मड़फ बना कर शिव लिंग की स्थापना की गई थी ऐसा देखा जा रहा है कि बरुआ नदी के दूसरे तट पर वार्ड 8 में सन्यासी घाट और पास ही वार्ड 4 में सन्यासियों के सैंकड़ा स्थल पचमठा है उस जगह पर कई कलाकारी के भव्य मंदिर बने हुए हैं जो अब अतिक्रमण की चपेट में है।

संक्षिप्त खबरें

बैंगनी अरहर और कुटकी को मिलेगा जीआई टैग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश की तीन विशेष फसलों सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर को जल्द ही जीआई टैग मिलने वाला है। राच्य सरकार ने इसका प्रस्ताव चेन्नई स्थित रजिस्ट्री कार्यालय भेज दिया है। एमपी के श्रीअन्न में शामिल सिताही कुटकी को कम समय में बंपर पैदावार के लिए जाना जाता है। डिंडोरी, मंडला और अनूपपुर जैसे जनजातीय जिलों की पहचान सिताही कुटकी को औषधीय गुणवत्ता के लिए पहचाना जाता है। यह मात्र 60 दिन में तैयार होने वाली लिटिल मिलेट की किस्म है, जो सूखे और कीटों से लड़ने में सक्षम है। इसके अलावा नागदमन कुटकी डिंडोरी जिले की यह विशिष्ट किस्म है जो उच्च पोषण के लिए प्रसिद्ध है। अरहर की दुर्लभ किस्म बैंगनी अरहर होतीहै, जिसकी फलियों पर बैंगनी झलक होती है। भरपूर प्रोटीन होता है और सही देखरेख में यह 15 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन देती है। यह फसल जबलपुर, छिंदवाड़ा, शहडोल और रीवा आदि जिलों में होती है और 16 जिलों में पहली बार सरकारी स्तर पर इसकी खरीद की जा रही है।

24 घंटे में गांव खाली करने के आदेश पर रोक

जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने दमोह के कुलुआ मारूताल गांव को 24 घंटे में खाली करने के प्रशासनिक आदेश को चुनौती के मामले को गंभीरता से लिया। इसी के साथ अंतरिम राहत बतौर प्रशासनिक आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी। साथ ही सचिव राजस्व, कलेक्टर, दमोह व तहसीलदार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया। याचिकाकर्ता दमोह की दमयंती नगर तहसील अंतर्गत ग्राम कुलुआ मारूताल के सरपंच नारायण राय की ओर से अधिवक्ता हंसराज भारती ने पक्ष रखा।

भोजशाला पहुंचे हाईकोर्ट जज ने परिसर का किया निरीक्षण, 2 को सुनवाई

जागरण, धार। प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला में शनिवार को मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला पहुंचे, जहां उन्होंने परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। आगामी 2 अप्रैल को होने वाली अहम सुनवाई से पहले इस दौरे को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोपहर 1 बजकर 52 मिनट पर न्यायाधीश सीधे भोजशाला परिसर पहुंचे, उनके साथ कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और एसपी मयंक अवस्थी भी मौजूद रहे। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच न्यायाधीश ने करीब 53 मिनट तक परिसर में रहकर हर हिस्से का बारीकी से मुआयना किया। एएसआई के कामों को भी देखाः निरीक्षण के दौरान उन्होंने भोजशाला के विभिन्न हिस्सों, स्तंभों, शिलालेखों और संरचना को ध्यानपूर्वक देखा तथा इसके इतिहास और वास्तुकला से जुड़ी जानकारी ली।

उज्जैन महाकुंभ व मप्र के मंदिरों में भीड़ मैनेज करेगा यूपी का मॉडल

31 को निवेश सम्मेलन में शामिल होंगे सीएम यादव, क्राउड मैनेजमेंट सीखेंगे अधिकारी

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। महाकाल लोक बनने के बाद प्रतिदिन उज्जैन पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कई गुना वृद्धि होने से क्राउड मैनेजमेंट एक चुनौती के रूप में सामने आया है। इस चुनौती का हल ढूंढने राज्य सरकार अब उत्तरप्रदेश के मंदिरों में पहुंचेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ प्रदेश के आला अधिकारी भी काशी और विश्वनाथ मंदिर में क्राउड मैनेजमेंट की अत्याधुनिक तकनीक सीखेंगे। क्राउड मैनेजमेंट का यह मॉडल प्रदेश के तमाम बड़े मंदिरों के अलावा वष्र 2028 में लगने वाले महाकुंभ में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 31 मार्च को हो रहे निवेश सम्मेलन में शामिल होने वाराणसी जा रहे हैं। सम्मेलन में प्रदेश के लिए निवेश तलाशने के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के प्रसिद्ध उत्पादों के लिए नए प्लेटफॉर्म भी तैयार करेंगे। वहीं प्रदेश के अधिकारी वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम में अपनाई गई अत्याधुनिक क्राउड मैनेजमेंट प्रणाली का अध्ययन करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ सारे अधिकारी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का दौरा कर भीड़ प्रबंधन, कॉरिडोर डिजाइन और संचालन व्यवस्था की बारीकियां समझेंगे। विशेष रूप से ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कैमरों और जियोस्पेशियल तकनीकों का उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदेश के अधिकारी लेंगे। महाकुंभ 2028 को फोकस में रखते हुए भीड़ प्रबंधन के इन तमाम नवाचारों पर यूपी सरकार के अधिकारी अपना पॉवर पाइंट प्रेजेंटेशन भी देंगे। यूपी मॉडल के प्रमुख नवाचारों को मध्यप्रदेश के मंदिरों और महालोकों में लागू करने पर विचार किया जाएगा।

यह है यूपी मॉडल

काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद बनारस में रोज पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। इस भीड़ को नियंत्रित करने ड्रोन, एआई आधारित कैमरे और जियोस्पेशियल तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रयाग महाकुंभ में इन तकनीकों की सफलता सामने आ चुकी है। श्रद्धालुओं को जोड़ने वाले मोबाइल एप, एआई आधारित निगरानी, और आधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट भी मध्यप्रदेश के अधिकारी उज्जैन महाकुंभ में अपना सकते हैं।

धार्मिक और क्राफ्ट सर्किट पर फोकस

इस निवेश सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव का फोकस उत्तरप्रदेश के साथ मिलकर धार्मिक और क्राफ्ट सर्किट विकसित करने पर रहेगा। इस दौरान पर्यटन, पारंपरिक कला और वन डिस्टिक्ट वन प्रोडक्ट को प्रोत्साहन देने पर दोनों राज्यों के बीच एमओयू साइन हो सकता है। वहीं निवेश सत्र में मप्र में निवेश की संभावनाओं, जीआई टैग और ओडीओपी के तहत किए जा रहे प्रयासों पर जोर रहेगा। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के चंदेरी और महेश्वर जैसे पारंपरिक वस्त्रों की ब्रांडिंग के लिए उत्तरप्रदेश के साथ मिलकर गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर विकसित करने पर जोर देंगे। साथ ही दोनों राज्यों में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने काशी-उज्जैन-चित्रकूट को जोड़ते हुए धार्मिक पर्यटन सर्किट बनाने का प्लान भी सम्मेलन में रखेंगे।

दो करोड़ खर्च कर ई-वैल्यूशन कराएगा भोज विश्वविद्यालय

कापियों के गुमने की घटना से मिलेगी निजात

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोज विवि डिजिटल वैल्यूशन करएगा। इसके लिए दो करोड़ का बजट भी स्वीकृत कर दिया है। टेंडर प्रक्रिया को पूरने के बाद भोज विवि वैल्यूशन के सिस्टम में बदलाव करेगा। इससे परीक्षाएं समय पर आयोजित कराकर रिजल्ट जारी हो सकेंगे। भोज विवि को मैनुयली वैल्यूशन में काफी परेशानी का सामना करना होता है। वैल्यूशन कराने के लिए भोज विवि को प्रदेश के कोने कोने में लाखों का कापियों को भेजना होता है। इससे ट्रांसपोटेशन में काफी मशक्कत करना होती है। इस दौरान कापियों गुमने तक घटनाएं हो चुकी हैं। इससे विद्यार्थियों के रिजल्ट तैयार करने में विवि को काफी समस्याओं से गुजरना होता है। इसलिए भोज विवि ने समस्त समस्याओं को खत्म करने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता डिजिटल वैल्यूशन का निकला है। उक्त प्रकरण को प्रबंध बोर्ड की बैठक में रखा गया। जहां कुछ सदस्यों की आपत्ति के बाद दो करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। बजट के स्वीकृत होने के बाद अब भोज विवि डिजिटल वैल्यूशन कराने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी करेगा।

प्रोफेसरों का बनेगा एकाउंट

डिजिटल वैल्यूशन के लिए भोज विवि हरेक प्रोफेसर का एकाउंट तैयार करेगा। इसमें प्रोफेसरों को कापियां स्कैन कर भेजे जाएंगी। जब तक कापी का वैल्यूशन नहीं होगा तब तक कापी अगली प्रक्रिया में नहीं जाएगी। इसमें प्रोफेसरों को टोटल लगाने की जरूरत नहीं होगी। टोटल आटो मोड पर होगा। इससे री-टोटलिंग की प्रक्रिया पर विराम लगेगा।

रोस्टर होगा तैयार

भोज विवि में पचास प्रोफेसरों के पद रिक्त हैं। उनक पूर्ति करने के लिए रोस्टर तैयार किया जाएगा। रोस्टर तैयार होने के बाद शासन को भेजा जाएगा। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद भोज विवि प्रोफेसरों की नियुक्ति करने के लिए विज्ञापन जारी करेगा। भोज विवि में नर्सिंग और विधि के आधा दर्जन प्रोफेसरों के पदों को अन्य विषयों में समायोजित कराकर नियुक्ति की जाएगी।

" शासन के आदेश के तहत भोज विवि डिजिटल वैल्यूशन कराने के लिए बजट में प्रावधान कर दिया है। डिजिटल वैल्यूशन से प्रोफेसरों को मूल्यांकन करने में आसानी होगी और समय पर रिजल्ट जारी हो सकेंगे।

■ डॉ सुशील मंडेरिया
कुलसचिव, भोज विवि

पहली बार प्रतिनियुक्ति पर फीस कमेटी ओएसडी व डिप्टी सेक्रेटरी

उच्च शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्त पर प्रोफेसर और असिस्टेंट रजिस्ट्रार को तकनीकी शिक्षा विभाग में भेजा गया

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने प्रोफेसर अनिल शिवानी को प्रतिनियुक्ति पर लेते हुए प्रवेश एवं शुल्क विनियमक समिति का ओएसडी नियुक्त कर दिया है। डॉ शिवानी वर्तमान में हमीदिया कालेज में प्राचार्य के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके साथ विभाग ने बरकतउल्ला विवि के असिस्टेंट रजिस्ट्रार अभय गुप्ता को फीस कमेटी में उप सचिव नियुक्त किया है। एआर गुप्ता को प्रतिनियुक्ति पर फीस कमेटी भेजा गया है। यह पहला मौका है जब उच्च शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्त पर प्रोफेसर और असिस्टेंट रजिस्ट्रार को तकनीकी शिक्षा विभाग में पदस्थ किया है। अभी तक उक्त पदों पर तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रोफेसर काबिज होते आए हैं। इसके पहले सुनील कुमार गुप्ता, आलोक चौबे, नरेंद्र कुमार शर्मा और देव आनंद हिंडोलिया ओएसडी रह चुके हैं। उक्त सभी प्रोफेसर तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रोफेसर हैं। अभी तक यही परंपरा बनी हुई थी कि फीस कमेटी में सिर्फ तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रोफेसर और अधिकारी ही पदस्थ होंगे। उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा मंत्री ने उक्त परंपरा को खत्म करते हुए दोनों अधिकारियों को नियुक्त किया है।

वेतन की चाबी बने तुली

तकनीकी शिक्षा विभाग ने सरदार वल्लभ पालीटेक्निक के डॉ. अनूप तुली को फीस कमेटी में वित्तीय कार्य के लिए आहरण एवं संवितरण अधिकारी की भूमिका में कार्य करेंगे। डॉ तुली वेतन निकालने वाली चाबी बनकर रह गए हैं। इसके पहले डॉ. तुली को दिसंबर में अंबेडकर योजना अंतर्गत संचालित महिला पालीटेक्निक सीहोर के प्राचार्य चंद्रशेखर डबू के विदेश यात्रा पर जाने के कारण डीडीओ पॉवर दिए थे, ताकि वे पालीटेक्निक में कार्यरत फैकल्टी और कर्मचारी का वेतन दे सकें। जैसे ही प्राचार्य डबू वापस आए उनसे डीडीओ पावर वापस ले लिए गए। फीस कमेटी में विगत तीन माह से वेतन आवंटित नहीं हुआ था। डॉ तुली के पदग्रहण करते हुए कर्मचारी और अधिकारियों को वेतन दे दिया गया है।

आज से लगेगी एमपी-सीजी और राजस्थान के युवा विधायकों की क्लास

संसदीय ज्ञान व आचरण के गुर सिखाने के साथ विधायकों के सवालों के जवाब भी देंगे एक्सपर्ट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। भोपाल में 30 एवं 31 मार्च को देश के तीन प्रमुख राज्यों-मप्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के युवा विधायकों का सम्मेलन आयोजित होगा। राष्ट्रकुल संसदीय संघ के तत्वावधान में विधानसभा के विधान परिषद हॉल में होने वाले इस आयोजन में कुल 55 युवा विधायक शामिल होंगे। इनमें एमपी से 18, छत्तीसगढ़ से 15 और राजस्थान से 22 विधायक शामिल हैं। इस सम्मेलन के लिए तीनों राज्य की विधानसभा में 45 साल से कम आयु वर्ग के पक्ष एवं विपक्ष के युवा विधायकों को शामिल होने के लिए न्योता भेजा गया था। विधानसभा के प्रमुख सचिव अवनीश शर्मा के अनुसार, इस आयोजन में अन्य युवा विधायकों की सहमति मिलने के बाद इसमें शामिल होने वाले प्रतिभागियों की संख्या बढ़ भी सकती है।

ज्वलंत विषयों पर भी होगा चिंतन

सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन 30 मार्च की सुबह 9.30 बजे एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में होगा। इस दौरान एमपी विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह इन युवा नेताओं को संसदीय विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। इसके अलावा इस आयोजन में ज्वलंत विषयों पर गंभीर चिंतन होगा। पहले दिन का मुख्य विषय लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने हेतु युवा विधायकों की भूमिका रखा गया है। इस सत्र में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी विधायकों को संबोधित करेंगे, जबकि दूसरे दिन विकसित भारत 2047- युवा विधायकों के दायित्व एवं चुनौतियां विषय पर गहन मंथन होगा। इस सत्र में एमआईटी पुणे के चेयरमैन डॉ. राहुल वी. कराड का संबोधन होगा। 31 मार्च को सम्मेलन के समापन में राच्यसभा के उपसभापति हरिवंश मुख्य रूप से शामिल होंगे। इस दौरान मध्य प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी मौजूद रहेंगे। इस सम्मेलन में संसदीय व्यवहार, सदन की गरिमा, मर्यादा और नियमों का व्यावहारिक ज्ञान तथा विधायकों के मन में उठने वाले विधायी और प्रशासनिक सवालों के जवाब विषय विशेषज्ञ (एक्सपर्ट्स) देंगे।

फिलहाल इन युवा विधायकों ने दी शामिल होने की सूचना

एमपीः पंकज उपाध्याय, हेमन्त सत्यदेव कटारे, ऋषि अग्रवाल, प्रियंका पेंची, जयवर्धन सिंह, कामख्या प्रताप सिंह, अरविंद पटेरिया, रामसिया भारती, प्रतिमा बागरी, सिद्धार्थ कुशवाहा, विक्रम सिंह, दिव्यराज सिंह, सिद्धार्थ तिवारी, शरद कोल, मनीषा सिंह, शिवनारायण ज्ञान सिंह, धीरेंद्र बहादुर सिंह धीरू और अभिलाष पांडे।

राजस्थानः अभिमन्यु पूनिया, अमित चाचाण, अनिल कुमार कटारा, दीप्ति किरण माहेश्वरी, शिखा मील बराला, गणेश घोघरा, गुरवीर सिंह, हंसराज मीणा, इन्दिरा मीणा, कैलाश चंद वर्मा, ललित मीणा, ललित यादव, महन्त बालकनाथ, मनीष यादव, मुकेश भाकर, नौक्षम चौधरी, रामनिवास गावड़िया, रामस्वरूप लाम्बा, रविन्द्र सिंह भाटी, थावर चंद मीणा, उमेश मीणा और विनोद कुमार।

छत्तीसगढ़ः गुरु खुशवंत साहेब, बालेश्वर साहू, देवेन्द्र यादव, दीपेश साहू, ओंकार साहू, ओ.पी. चौधरी, रामकुमार टोप्पो, संदीप साहू, सुशांत शुक्ला, भावना बोहरा, शकुन्तला सिंह पोर्ते, विद्यावती सिदार, कविता प्राण लहरे, हर्षिता स्वामी बघेल और राघवेन्द्र कुमार सिंह।

20 साल बाद भी नियमित क्यों नहीं किए गए अतिथि व्याख्याता

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने शासकीय महाविद्यालयों के 486 अतिथि व्याख्याताओं की अपील पर सरकार से स्पष्टीकरण तलब कर लिया है। मामला 20 साल बाद भी नियमित न किए जाने के रवैये को चुनौती से संबंधित है। मामले की अगली सुनवाई अप्रैल के अंतिम सप्ताह में नियत की गई है। अपीलकर्ता मुरैना निवासी डॉ. विनायक सिंह सहित अन्य की ओर से प्रीम कोर्ट के वरिष्ठ आधिवक्ता कालिन गोन्जाल्विस ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि अपीलकर्ता दो दशक से अतिथि व्याख्याता के रूप में सेवा देने का विशद अनुभव रखते हैं। यूजीसी के द्वारा नियत सभी मापदंडों की कसौटी पर खरे हैं।

तीन माह में प्रदान करें सातवें वेतनमान का लाभः हाईकोर्ट

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने चतुर्थ श्रेणी स्थायी कर्मियों के हक में राहतकारी आदेश पारित किया। इसके तहत तीन माह के भीतर सातवें वेतनमान का लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता निवाड़ी व टीकमगढ़ निवासी सियाराम, सविता व शिवचरण अहिरवार सहित 13 कर्मियों का पक्ष अधिवक्ता विनायक प्रसाद शाह व पुष्पेंद्र शाह ने रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता जनजातीय कार्य विभाग में चतुर्थ श्रेणी स्थायी कर्मचारी के रूप में सेवा दे रहे हैं। नियमानुसार उन्हें सातवें वेतनमान का लाभ मिल जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अभ्यावेदन का कोई असर न होने के कारण हाई कोर्ट की शरण ली है। हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद कहा कि सक्षम प्राधिकारी को अभ्यावेदन का नियमानुसार निराकरण करना था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। लिहाजा, तीन माह के भीतर अपेक्षित लाभ प्रदान करने का आदेश पारित किया जाता है।

बस हादसे के मृतकों के परिवार को 50 हजार देगी कांग्रेस

नेता प्रतिपक्ष का आरोप- कमीशन देने पर ही पीड़ितों को मिलता है मुआवजा, राशि में अंतर पर सरकार से सवाल

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने छिंदवाड़ा बस हादसे को लेकर सरकार पर तीखा हमला किया है। नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश में हुई कई घटनाओं का हवाला देते हुए सरकार से पूछा है कि हर हादसे में मुआवजा राशि में अंतर क्यों हो जाता है? किसी दुर्घटना में केवल एक लाख रुपए ही दिए जाते हैं तो कहीं यह राशि आठ लाख रुपए हो जाती है। दुखद यह है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद पीड़ित परिवारों को कमीशन बांटने पर ही मुआवजा मिल पाता है। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने मीडिया से चर्चा में सरकार की मुआवजा नीति पर सवाल उठाते हुए कहाकि मृतकों के परिजनों को 24 घंटे के भीतर सिंगल विंडो सिस्टम से मुआवजा राशि का भुगतान हो जाना चाहिए। सिंघार ने कहा कि उद्योगपतियों के लिए तो सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम बना दिया है, उन्हें जमीन से लेकर तमाम एनओसी और सुविधाएं एक ही जगह से मिल जाती हैं, लेकिन सरकारी व्यवस्थाओं की कमी से होने वाली दुर्घटनाओं का दंश झेलने वाले पीड़ित परिवारों को कई दिनों तक सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटना पड़ते हैं। अधिकारी उन्हें परेशान करते हैं, कई बार तो कमीशन देने के बाद ही मुआवजा राशि मिल पाती है।

बस हादसा सरकारी मशीनरी की मनमानी का परिणाम

नेता प्रतिपक्ष ने छिंदवाड़ा बस हादसे को सरकारी मशीनरी की मनमानी का परिणाम बताया। उन्होंने कहाकि जनपद पंचायत के सीईओ ने पत्र जारी कर कर्मचारियों और ग्रामीणों को चेतावनी दी थी कि यदि वे नहीं आए तो कार्रवाई होगी। भारी दबाव के बीच अपने बच्चों व परिवार सहित पहुंचे लोगों को अपनी जान दांव पर लगाना पड़ गई। इस हादसे में भी सरकार ने पहले 4 लाख के मुआवजे का ऐलान किया था। यह राशि 8 लाख रुपए हो गई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा छिंदवाड़ा बस हादसे के मृतकों के परिजनों को कांग्रेस विधायक दल की ओर से 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी।

छिंदवाड़ा पहुंचे पटवारी प्रभावित परिवार से मिले

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी शनिवार को छिंदवाड़ा पहुंचे और दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। इस मौके पर पटवारी ने कहा कि छिंदवाड़ा की यह घटना अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। यह केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही, अव्यवस्था और जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने का परिणाम है। पटवाली ने आरोप लगाया कि लोगों को डराकर एवं दबाव बनाकर कार्यक्रम में शामिल किया गया। महिलाओं को 1500 रुपये का प्रलोभन और दबाव देकर सभा में ले जाया गया, जिसके परिणामस्वरूप यह दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें 10 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई और कई लोग घायल हो गए।

लोगों की जान बचाने वाले पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को कैश रिवॉर्ड

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों द्वारा छिंदवाड़ा जिले में हुई एक भीषण बस दुर्घटना के दौरान साहस दिखाकर कई जिंदगियां बचाने पर डीजीपी कैलाश मकवाणा ने सभी को कैश रिवॉर्ड से सम्मानित किया है। आदेश के मुताबिक 100 से अधिक पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किया गया है। इसमें निरीक्षक नागेन्द्र यादव को 5000 रुपये, उप निरीक्षक छिंदवाड़ा राजेश साहू एवं सउनि केशवराव इंगले को 4-4 हजार रुपये, प्रधान आरक्षक राहुल सिंह एवं मिथलेश तिवारी को 3-3 हजार रुपये तथा आरक्षक चालक संजय सिंह एवं सचिन तोमर के साथ पीटीएस रीवा के 100 नव आरक्षकों को 2000-2000 रुपये का पुरस्कार दिया गया है।

नीलामी टारगेट से 1200 करोड़ तक कम हो सकती है आय, आबकारी विभाग के साथ सरकार की चिंता बढ़ी

प्रदेश में 6 हजार करोड़ की शराब दुकानें नीलाम नहीं

मुख्य संवाददाता, भोपाल। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों की नीलामी प्रक्रिया अब आबकारी विभाग के साथ सरकार के लिए चिंता की वजह बन रही है। वाइन शॉप्स की ई-टेंडरिंग के आठ राउंड पूरे होने के बाद भी प्रदेश में अब तक लगभग एक-तिहाई दुकानों की नीलामी नहीं हो पाई है। इसके बाद सरकार ने रिजर्व प्राइज से 15 फीसदी कम पर भी ठेके देने का फैसला लिया है, जिससे आबकारी विभाग का अगले वित्त वर्ष का राजस्व अपने लक्ष्य 20 हजार करोड़ से लगभग 1200 करोड़ रुपये तक कम हो सकता है। शुक्रवार को संपन्न हुए आठवें राउंड में देर रात तक शराब दुकानों को लेकर बोली बढ़ाने का दौर चला। आठवें राउंड में करीब 2444.56 करोड़ रुपये के रिजर्व प्राइज वाले शराब समूहों और दुकानों के लिए टेंडर बुलाए गए थे। जानकारी के अनुसार, इस राउंड में केवल 2,200 करोड़ रुपये के ऑफर प्राप्त हुए, जो कि रिजर्व प्राइज से 10 प्रतिशत कम हैं। शुक्रवार देर रात तक राजधानी भोपाल की बात करें तो आठ राउंड के बाद भी यहां 87 में से 38 दुकानें नीलाम नहीं हो पाई हैं।

रिजर्व प्राइज घटाने के बाद भी ठेकेदारों की रुचि नहीं

आबकारी विभाग अब तक शराब दुकानों की नीलामी के लिए आठ राउंड पूरे कर चुका है। इन आठ राउंड के बाद राज्य की कुल 1,172 दुकान समूहों में से अब तक 658 के ठेके आवंटित किए जा चुके हैं। इन 658 दुकान समूहों से सरकार को 14,603.83 करोड़ रुपये का राजस्व मिलना तय है। यह पिछले साल इन दुकान समूहों से हुई आय की तुलना में 25.57 प्रतिशत अधिक है। शुरुआत के तीन राउंड में जहां शराब दुकान के टेंडर रिजर्व प्राइज से 9 से 11 प्रतिशत तक ऊपर जा रहे थे, वहीं छठे राउंड से यह ग्राफ गिरना शुरू हुआ। छठे राउंड में रिजर्व प्राइज से 3.5 प्रतिशत, सातवें में 8.0 प्रतिशत और आठवें में 10 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। फिलहाल प्रदेश में लगभग 6062.30 करोड़ रुपये के रिजर्व प्राइज वाले समूह और दुकानें शेष हैं। इन दुकानों को बेचने के दबाव में आबकारी विभाग पहले ही ठेकेदारों के रिजर्व प्राइज से 15 प्रतिशत कम तक के ऑफर स्वीकार कर रहा है। इसके अलावा समूह के बजाय अब एक-एक दुकान के लिए भी टेंडर मंजूर किए जा रहे हैं। हालांकि शराब ठेकेदारों का रिस्पांस अब भी ठंडा है।

ये है शराब दुकानों की नीलामी का लेखा-जोखा

राउंड	डिस्पोज्ड ग्रुप	रिजर्व प्राइस	ऑफर, वृद्धि/कमी
पहला बैच 1	145	3,088.86,	3,382.44+9.5 प्रतिशत
पहला बैच2	128	2,303.57	2,564.07,+11.3 प्रतिशत
पहला बैच3	119	2,465.27	2,746.32+11.4 प्रतिशत
दूसरा	30	590.11	593.80 +0.6 प्रतिशत
तीसरा	41	584.52	597.67,+2.2 प्रतिशत
चौथा	117	1,446.93	1,541.33+6.5 प्रतिशत
पांचवां	25	237.73	239.64 +0.8 प्रतिशत
छठा	7	169.56	163.60 -3.5 प्रतिशत
सातवां	46	625.08	574.86 -8.0 प्रतिशत
आठवां	2,444.56	2,200.10,	-10.0 प्रतिशत
कुल योग	658	13,890.59	14,544.81+ 4.71 प्रतिशत

टारगेट से कम आय ने बढ़ाई चिंता

नीलामी के आगामी चार राउंड के लिए विभाग ने अलग-अलग अनुमान लगाए हैं। यदि शेष दुकानें वर्तमान एनुअल वैल्यू पर बिकती हैं, तो कुल राजस्व 19,601 करोड़ तक जा सकता है, जो पिछले वित्त वर्ष से 17.9 प्रतिशत अधिक होगा। यदि शेष वाइन शॉप्स की बोलियां रिजर्व प्राइज से 15 प्रतिशत कम पर आती हैं, तो राजस्व गिरकर 18,852 करोड़ रह जाएगा। यह सरकार के इस साल तय रिजर्व प्राइज से लगभग 1200 करोड़ कम होगा। सरकार ने पिछले साल शराब दुकानों की नीलामी से 16,683 करोड़ का राजस्व कमाया था। इस लिहाज से 15 फीसदी कम पर शेष दुकानों के टेंडर होने के बाद भी सरकार को इस वर्ष पिछले साल के मुकाबले 13.4 प्रतिशत ज्यादा रेवेन्यू हासिल होगा।

एमपीपीएससी के कोर्स में भारत व भारतीय संस्कृति का हो समावेश

प्रश्न पत्र और मूल्यांकन पर हुआ मंथन और चिंतन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोग की भर्ती परीक्षा में प्रश्नपत्र एवं मूल्यांकन में गुणवत्ता उन्नयन पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ शनिवार को किया गया। आयोजन में पावन चिंतन धारा आश्रम के संस्थापक, प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरू प्रो पवन सिन्हा गुरुजी के मुख्य आतिथ्य और आयोग अध्यक्ष प्रो. राजेश लाल मेहरा की अध्यक्षता में होटल इन्फिनिटी इंदौर में प्रारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र अभ्युदय का प्रारंभ मां सरस्वती की वंदना, राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के गायन तथा प्रदेश के आदिवासी अंचल डिण्डोरी के गोंडी पण्डवानी दल के द्वारा प्रस्तुत वाद्य धुन के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोग के ओएसडी डॉ. रवीन्द्र पंचभाई द्वारा उक्त सेमिनार एवं प्रशिक्षण शाला के संदर्भ में आयोग की संकल्पना की प्रस्तुती दी गई। आयोग के परीक्षा नियंत्रक डॉ. व्हीके गुप्ता द्वारा कार्यक्रम के संबंध में बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। मप्र हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल द्वारा आयोग की परीक्षाओं में प्रश्नपत्रों के निर्माण और मूल्यांकन में गुणवत्ता के महत्व को रेखांकित करते हुए इस संदर्भ में आयोग के प्रयासों की सराहना की। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई, डॉ. डायरेक्टर, एसजीएसआईटीएस निदेशक नितेष पुरोहित ने अपनो विचार व्यक्त किए। प्रो पवन सिन्हा द्वारा ने प्रश्नपत्रों के निर्माण और मूल्यांकन में गुणवत्ता के महत्व को रेखांकित करते हुए इस संदर्भ में आयोग के प्रयासों की सराहना की। प्रो सिन्हा द्वारा आयोग से यह अपेक्षा की गई कि प्रश्न-पत्रों और कोर्सों का विनिर्माण इस प्रकार किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

क्या मस्जिद सील करने का कानूनी अधिकार है?: कोर्ट

प्रयागराज, जेएनएन। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूजा स्थल, मस्जिद के मामले पर एक बार फिर उप्र सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने उप्र सरकार से पूछा है कि क्या वह बिना किसी पूर्व सूचना या संपत्ति मालिकों को सुनवाई का अवसर दिए बिना किसी पूजा स्थल और मस्जिद को सील कर सकती है। हाईकोर्ट ने 18 मार्च सुनवाई के बाद आदेश जारी किया। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने राज्य सरकार से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि वह किस कानूनी अधिकार के तहत किसी पूजा स्थल को सील कर सकती है। न्यायालय ने राज्य से पूछा, 'क्या बिना पूर्व सूचना जारी किए या याचिकाकर्ता को सुनवाई का अवसर दिए बिना निर्माणाधीन पूजा स्थल को सील करने का कोई कानूनी अधिकार है?' साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी पूछा है कि क्या पूजा स्थल परिसर के भीतर निर्माण आदि करने के मामले में मालिकों से किसी पूर्व अनुमति की आवश्यकता होती है। मामला मुजफ्फरनगर से जुड़ा है।

रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

मोदी-ट्रंप के फोन कॉल पर मस्क भी जुड़े थे?

वॉशिंगटन, जेएनएन। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने कूटनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया फोन कॉल चर्चा में दिग्गज अरबपति एलन मस्क ने भी हिस्सा लिया था। हालांकि, इसको लेकर अभी तक अमेरिका या भारत की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने मंगलवार को मोदी से फोन पर बात की। मुद्दा मिडिल ईस्ट की मौजूदा स्थिति था। ट्रंप ने ईरान युद्ध के चार हफ्ते बाद पीएम मोदी को फोन किया। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच मिडिल ईस्ट में चल रही स्थिति पर चर्चा की के साथ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुला रखने को लेकर चर्चा हुई थी।

रूसी सेना का ब्रुसिवका पर कब्जे का दावा

मास्को, जेएनएन। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को दावा किया है कि उसकी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में स्थित ब्रुसिवका बस्ती पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। ब्रुसिवका गांव स्लोव्यांस्क शहर से लगभग 14 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। स्लोव्यांस्क और क्रामाटोर्स्क को पूर्वी यूक्रेन में यूक्रेनी सेना के अंतिम प्रमुख गढ़ों में से एक माना जाता है। रूसी सेना के अनुसार, यह कब्जा उनके निरंतर सैन्य दबाव का हिस्सा है। वहीं, यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बताया कि रूसी सेना ने ब्रुसिवका के उत्तर में स्थित लाइमैन मोर्चे पर कई हमले किए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने अभी तक ब्रुसिवका के पतन पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। जारी युद्ध और जमीनी स्थितियों के कारण रूसी दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। यह क्षेत्र डोनेट्स्क के प्रशासनिक केंद्र और रसद के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

रुपाली का महिला शाखा के अध्यक्ष पद से इस्तीफा

मुंबई, जेएनएन। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनपीपी-अजीत पवार गुट) की नेता रूपाली चाकणकर ने पार्टी की महाराष्ट्र महिला शाखा के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा शुक्रवार को पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष सुनेत्रा पवार को सौंपा। यह फैसला अशोक खरात (एक स्वयंभू बाबा/ज्योतिषी) से जुड़े विवाद के बाद लिया गया है, जिन पर दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगे हैं। सोशल मीडिया पर रूपाली चाकणकर की खरात के साथ तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद उन पर भारी दबाव था। पार्टी पद से इस्तीफा देने से एक सप्ताह पहले, उन्होंने महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरात के साथ उनका कोई वित्तीय या गलत गतिविधियों में संबंध नहीं है और उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है।

8 साल की बच्ची का हत्यारा किराएदार ढेर

आगरा, जेएनएन। उत्तर प्रदेश के आगरा में 8 साल की बच्ची की बेरहमी से हत्या करने वाला आरोपी किराएदार सुनील शनिवार तड़के पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। 24 मार्च को आगरा के ताजगंज इलाके में जूता कारोबारी की 8 साल की बेटी लापता हो गई थी। लगभग 28 घंटे बाद बच्ची का शव उसी के घर में रहने वाले किराएदार सुनील के कमरे में आटे के कनस्तर (ड्रम) में छिपा हुआ मिला। आरोपी ने बच्ची का गला रेतकर उसकी हत्या की थी। वारदात के बाद आरोपी फरार था और उस पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने बमरौली कटारा इलाके के पास घेराबंदी की थी। जब पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, तो सुनील ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें एक सब-इंस्पेक्टर विश्वजीत राणा घायल हो गए। पुलिस की जवाबी फायरिंग में सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बैंड की वापसी...

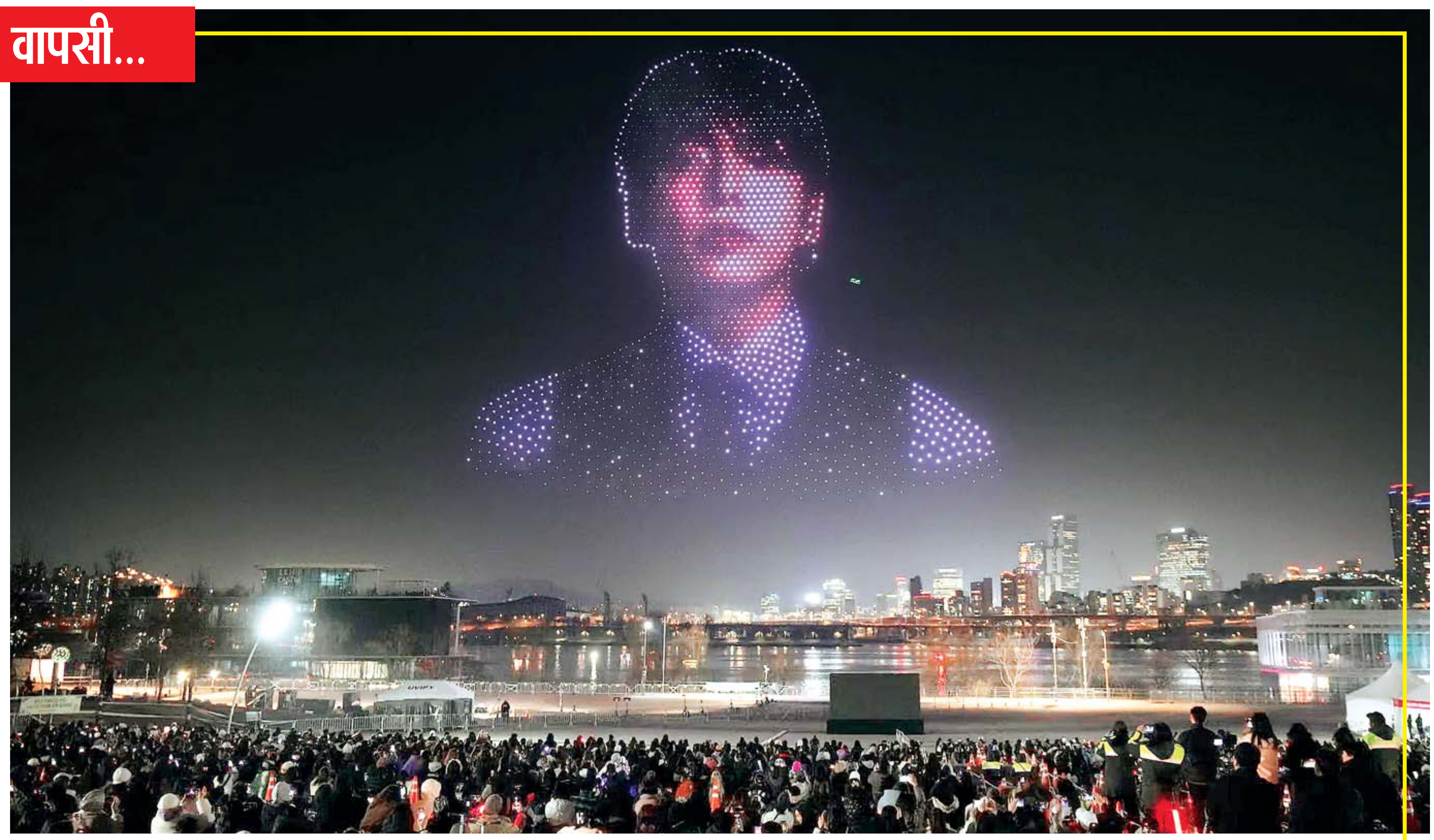

सियोल। साउथ कोरिया के हान नदी के किनारे एक पार्क में बैंड की वापसी का जश्न मनाने के लिए लाइट शो के दौरान के-पॉप बैंड बीटीएस के मेंबर जंग कूक के रूप में उड़ते हुए। अक्टूबर 2022 में उनके फेयरवेल कॉन्सर्ट के बाद से, जिसे 50 मिलियन दर्शकों ने देखा, ग्रुप ने जरूरी मिलिट्री सर्विस पूरी कर ली है, लेकिन लाइमलाइट से बहुत जरूरी ब्रेक भी लिया है, जब उन्होंने फेंस से कहा कि वे अपनी म्यूजिकल पहचान के बारे में 'सोचने के लिए समय' चाहते हैं।

अमेरिका-ईरान युद्ध का एक महीना: डील की कोशिश में सिमटा सत्ता बदलने का प्लान

तेहरान की नाफरमानी से टूटा ट्रंप का सपना

तेहरान, जेएनएन। 28 फरवरी को शुरू हुए हमले के बाद से मध्य पूर्व में भारी तबाही हुई है। अमेरिका-इजराइल के संयुक्त अभियानों ने ईरान के परमाणु व मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि ईरान और हिजबुल्लाह ने सऊदी व इजरायली शहरों पर मिसाइलें दागीं। इस तनाव ने होर्मज स्ट्रेट को डेंजर जोन बना दिया है। 28 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अली खामेनेई के नेतृत्व में ईरान के शासन को गिराने का 'सपना' प्रोजेक्ट था, वह अब एक 'डील' के लिए जोरदार कोशिश में बदल गया लगता है। यह एक ऐसा शब्द है, जिसका इस्तेमाल ट्रंप अक्सर करते हैं, जिसका मकसद जरूरी तेल चोकपॉइंट, होर्मुज की खाड़ी को फिर से खोलना है।

अमेरिकी-इजराइली हमलों ने पहले दिन देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सुप्रीम लीडर खामेनेई को भी खत्म कर दिया था, खाड़ी में यह पतला पानी का रास्ता गुस्से में तेहरान ने असल में बंद कर दिया था। ज्यादा समय नहीं हुआ, फरवरी में ही ट्रंप ने कहा था कि ईरान में सरकार बदलना 'सबसे अच्छी चीज है जो हो सकती है', जो पादरी वर्ग को बदलने के उनके सबसे साफ समर्थन में से एक था। '47 साल से वे बातें ही करते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इस बीच, हमने बहुत सी जानें गंवाई हैं।' अंकल सैम के ऑपरेशन एपिक फ्यूरी ने, आखिर में ट्रंप को और ज्यादा फ्रस्ट्रेट और गुस्से में डाल दिया है। अमेरिकी मिलिट्री पावर के शानदार प्रदर्शन और बेंजामिन नेतन्याहू के इजराइल के साथ करीबी तालमेल के बावजूद, इस कैंपेन को पक्के नतीजे देने में मुश्किल हुई है।

ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला

युद्ध के मैदान में भी हालात तेजी से बदल रहे हैं। इजराइल ने शुक्रवार रात ईरान के भीतर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इजराइली सेना के अनुसार, करीब 50 फाइटर जेट्स ने ईरान के अराक, यज्द और अन्य क्षेत्रों में हथियार निर्माण इकाइयों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान ने दागीं 6 बैलिस्टिक मिसाइलें

जवाब में ईरान ने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसी दौरान ईरान ने इजराइल पर ड्रोन हमले भी किए और दावा किया कि तेल अवीव के अहम सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

खर्च की लड़ाई

इस लड़ाई का फाइनेंशियल नुकसान तेजी से एक अहम लड़ाई का मैदान बनता जा रहा है, और ऐसा लगता है कि ट्रंप का यूएस इसमें नुकसान में है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वॉशिंगटन इस लड़ाई पर हर दिन 1 बिलियन डॉलर तक खर्च कर रहा है, और कुल खर्च पहले ही अरबों में पहुंच गया है। पेंटागन के असेसमेंट से पता चला है कि अकेले पहले छह दिनों में 11 बिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च हुए और अब एनालिस्ट का मानना है कि कुल बिल शायद 18 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है और इसमें कमी आने का कोई संकेत नहीं है। इस असंतुलन का एक बड़ा कारण मिलिट्री खर्च में भारी अंतर है। ईरान लगभग 20,000 की कीमत वाले कम कीमत वाले ड्रोन तैनात कर रहा है, जबकि यूएस उनका मुकाबला 1.3 मिलियन से 4 मिलियन डॉलर की कीमत वाली इंटरसेप्टर मिसाइलों से कर रहा है। अक्सर हर टारगेट पर कई मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहा है। यह अंतर वॉशिंगटन पर खर्च का बोझ लगातार बढ़ा रहा है। इस बीच, ईरान कुछ आर्थिक दबाव कम करने में कामयाब हो रहा है। होर्मुज स्ट्रेट पर अच्छे से कंट्रोल करके यह अकेला ऐसा देश है जो इस जरूरी रास्ते से तेल ले जा सकता है, और बढ़ती ग्लोबल कीमतों से फायदा उठा रहा है। मार्च में इसका तेल रेवेन्यू बढ़कर लगभग 139 मिलियन डॉलर प्रतिदिन हो गया है, जबकि एक्सपोर्ट युद्ध से पहले के लेवल 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन के करीब बना हुआ है। टैंकर खार्ग आइलैंड पर लोड हो रहे हैं और स्ट्रेट से गुजर रहे हैं, जबकि तेहरान दुश्मन देशों से जुड़े जहाजों को रोक रहा है, जिससे एक जरूरी ग्लोबल एनर्जी रूट पर उसकी पकड़ मजबूत हो रही है। यह अंतर साफ है, जहां यूएस अपने मिलिट्री कैंपेन को बनाए रखने के लिए भारी खर्च कर रहा है, वहीं ईरान एक बहुत सस्ती, अलग-अलग तरह की स्ट्रैटेजी अपना रहा है और फिर भी लगातार तेल से इनकम कमा रहा है। आर्थिक तौर पर, युद्ध का पलड़ा तेहरान के पक्ष में झुक सकता है।

सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन

युद्ध संकट से एकजुट होकर मुकाबला करें: प्रधानमंत्री

नोएडा, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उप्र के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फेज-1 का उद्घाटन किया। यह देश का सबसे बड़ा व एशिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। 4 फेज पूरे होने पर यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट हो जाएगा। पीएम मोदी ने जनसभा में लोगों से इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग से उपजे संकट से एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा-मैं देशवासियों से कहूंगा कि धैर्य और एकजुटता के साथ संकट का सामना करें। ये पूरी दुनिया को परेशान करने वाला संकट है। देश के राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि संकट की घड़ी में ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक हैं। देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को जनता कभी माफ नहीं करेगी।

हर साल 1.2 करोड़ यात्री कर सकेंगे सफर: जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट एयरपोर्ट के पहले फेज का काम पूरा हो गया है। इसमें करीब 3300 एकड़ जमीन पर टर्मिनल और रनवे बनाए गए हैं। यहां से हर साल लगभग 1.2 करोड़ यात्री सफर कर सकेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह का तीखा हमला

विक्टिम कार्ड खेलती हैं ममता

कोलकाता, जेएनएन। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में कहा कि बंगाल का आगामी चुनाव सिर्फ राज्य के लिए ही नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। शाह ने कहा, 'ममता दीदी ने हमेशा विक्टिम कार्ड की राजनीति की है। कभी पैर तुड़वा लेती हैं, कभी सिर पर पट्टी बंधवा लेती हैं, कभी बीमार हो जाती हैं और कभी चुनाव आयोग को गालियां देती हैं।' उन्होंने कहा कि भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता के मुद्दों को उठाने और उनकी आवाज को सामने लाने का निर्णय लिया है। शाह ने कहा कि आज की प्रेस वार्ता तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन के

पूरे देश में सत्ता खो देगी भाजपा

सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को प. बर्धमान जिले के खनन शहर की रैली में कहा, बंगाल को बर्बाद करने की कोशिश में भाजपा पूरे देश में सत्ता खो देगी। चुनाव आयोग पर भगवा पार्टी के इशारे पर मतदाता सूची के एसआईआर में वोटर्स के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए बनर्जी ने कहा, 'लक्ष्मण रेखा होनी चाहिए, लेकिन भाजपा सारी हदें पार कर रही है।' उन्होंने भाजपा को चेतावनी दी कि 'एसआईआर तुम्हारे लिए मौत की घंटी साबित होगा।'

'दीदी मॉडल' से बंगाल चुनाव में ममता की मजबूत पकड़

पश्चिम बंगाल चुनाव: टीएमसी का कैश, केयर और लगातार संपर्क

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में ममता सरकार का वेलफेयर आर्किटेक्चर उसके शासन की एक खासियत के तौर पर उभरा है, जिसमें बड़े पैमाने पर सोशल सपोर्ट प्रोग्राम को महत्वपूर्ण राजनीतिक असर के साथ जोड़ा गया है। शासन का 'दीदी मॉडल' न केवल मुख्य सामाजिक कल्याण योजनाओं के रूप में काम कर रहा है, जिन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फिर से परिभाषित किया है, बल्कि सत्ता पर ममता बनर्जी की मजबूत पकड़ के लिए अंतिम राजनीतिक बीमा के रूप में भी काम किया है।

हर घर में लक्ष्मी: इस मॉडल के सेंटर में लक्ष्मी भंडार स्कीम है। 25 से 60 साल की महिलाओं को हर माह 1,000 रुपए मिलते हैं। अजा, अजजा कम्युनिटी की महिलाओं को 1,200 रुपए मिलते हैं। टीएमसी ने 500 बढ़ाने का वादा किया है।

कोई भूखा नहीं सोता: इस स्कीम 2 रुपए किलो चावल और गेहूं दिया जाता है। **क्लासरूम के लिए कैश:** 13 से 18 साल की उन लड़कियों को हर साल 1,000 रुपए दिए जाते हैं जो स्कूल में हैं और अविवाहित हैं। **बिना बिल के हेल्थकेयर:** यह हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज देती है। **बेरोजगारी से राहत:** सरकार ने 2026 के अंतरिम बजट में घोषित बांग्लार युवा साथी को लॉन्च करके बेरोजगारी पर ध्यान दिया है। स्कीम 21 से 40 साल के बेरोजगार युवाओं को पांच साल या जब तक उन्हें नौकरी नहीं मिल जाती, हर माह 1,500 रुपए देती है।

एम्स में लंग्स ट्रांसप्लांट की तैयारियां अंतिम चरण में

एम्स के डॉक्टरों को मुंबई के विशेषज्ञों ने दी ट्रेनिंग

लंग्स ट्रांसप्लांट- द रोड अहेड विषय पर कार्यशाला

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में बहुत जल्द लंग्स ट्रांसप्लांट शुरू होने वाला है। इसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शनिवार को संस्थान में लंग्स ट्रांसप्लांट- द रोड अहेड विषय पर एक विशेष सिम्पोजियम आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर के विशेषज्ञ डॉक्टर एम्स की टीम को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देंगे। इस अकादमिक कार्यक्रम का उद्देश्य डॉक्टरों को लंग ट्रांसप्लांट की जटिल सर्जिकल तकनीक, मरीजों के चयन, ऑपरेशन के दौरान सावधानियों और पोस्ट-ट्रांसप्लांट केयर के बारे में प्रशिक्षित करना है। एम्स से मिली जानकारी अनुसार एम्स भोपाल में अब तक 18 किडनी और 3 हार्ट ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। अब लंग्स ट्रांसप्लांट शुरू होना संस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

एक्सपर्ट बोले, मरीजों का चुनाव कड़ी परीक्षा

कार्यक्रम में मुंबई समेत देश के प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल रहे। इनमें डॉ. ज्ञानेश ठक्कर, डॉ. शारन्या कुमार, डॉ. शारदा नगोटी और डॉ. अपार जिंदल का नाम शामिल है। इन विशेषज्ञों ने बताया कि ट्रांसप्लांट के लिए यह चुनाव करना सबसे ज्यादा कठिन होता है कि किस मरीज को पहले आवश्यकता है। इसलिए यह ज्ञान होना बहुत जरूरी है। इस सिम्पोजियम में सर्जरी, एनेस्थीसिया, पल्मोनोलॉजी और क्रिटिकल केयर से जुड़े विशेषज्ञ शामिल रहे। एम्स भोपाल की टीम में डॉ. अलकेश खुराना (आयोजक, पल्मोनरी मेडिसिन), डॉ. योगेश निवाड़िया (सीटीवीएस विभाग), डॉ. अभिनव चौबे, डॉ. निशांत श्रीवास्तव, डॉ. एस. आर. ए. एन. भूषण, डॉ. लोकेन्द्र दवे, डॉ. वैशाली वाल्के, डॉ. अश्विनी मल्होत्रा सहित कई डॉक्टर इस प्रक्रिया में भाग लेंगे।

जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और उपकरण हो रहे तैयार

एम्स भोपाल में लंग्स ट्रांसप्लांट के लिए लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और उपकरण तैयार किए जा रहे हैं। इसमें ईसीएमओ मशीन, हार्ट-लंग मशीन और आईएबीपी जैसी अत्याधुनिक तकनीक शामिल हैं। डॉक्टरों की टीम ने इसके लिए चेन्नई में विशेष प्रशिक्षण भी लिया है। अब संस्थान सर्जिकल सेटअप, आईसीयू सपोर्ट और पोस्ट-ट्रांसप्लांट केयर को मजबूत करने में जुटा है।

लंग्स ट्रांसप्लांट से जुड़ी अहम जानकारी

- सर्जरी 6 से 12 घंटे तक चल सकती है।
- मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में निगरानी की जरूरत होती है
- जीवनभर इम्यूनोसप्रेसिव दवाएं लेनी पड़ती हैं।
- सही समय पर ट्रांसप्लांट से जीवन बच सकता है।
- भारत में यह सुविधा अभी सीमित केंद्रों पर ही उपलब्ध है।

बॉलीवुड | इंटरफेथ शादी के बाद आलोचनाओं से घिरे कपल को मिला परिवार का खुलकर साथ

मिया-बीवी राजी तो क्या करेगा काजी : शत्रुघ्न सिन्हा

पटना, जेएनएन। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने 2024 में शादी की थी। इंटरफेथ मैरिज होने के कारण इस जोड़ी को सोशल मीडिया पर काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। अब सोनाक्षी के पिता और दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने खुलकर बेटी की शादी पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि वे पूरी तरह खुश हैं और दोनों को एक-दूसरे के लिए बने हुए मानते हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने साफ कहा कि अगर बच्चे खुश हैं तो उन्हें पूरा समर्थन मिलना चाहिए। सोनाक्षी सिन्हा और जाहिर इकबाल की केमिस्ट्री सोशल मीडिया पर अक्सर सराही जाती है। दोनों साल 2024 में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों को अपनी इंटरफेथ मैरिज के लिए कई लोगों की आलोचना भी झेलनी पड़ी है। हाल ही में शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी बेटी की शादी के बारे में खुलकर बात की और पूरा समर्थन जताया। न्यूज18 को दिए इंटरव्यू में वेटरन एक्टर ने साफ कहा कि उनकी पूरी फैमिली इस जोड़ी के फैसले का समर्थन करती है।

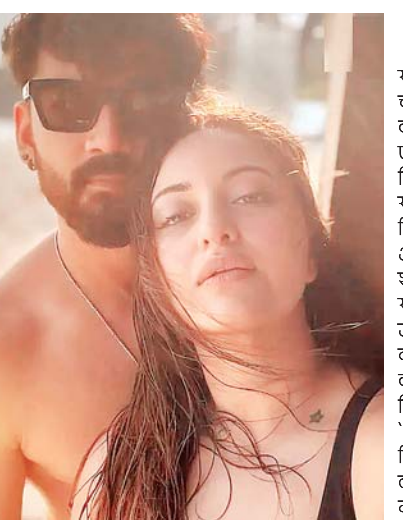

रिश्ते में आईं थी कुछ मुश्किलें

सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल बॉलीवुड के चर्चित कपल हैं, जिन्होंने लगभग सात साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 23 जून 2024 को मुंबई में एक सिविल मैरिज (पंजीकृत शादी) की थी। दोनों ने किसी धार्मिक रीति-रिवाजों के बजाय एक निजी समारोह में रजिस्टर्ड शादी की थी, जिसके बाद एक भव्य रिसेप्शन दिया गया था। शुरुआत में कुछ अनबन की अफवाहों के बावजूद, शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा ने शादी में शामिल होकर अपनी बेटी को आशीर्वाद दिया। सोनाक्षी ने हाल ही में साझा किया कि शादी से पहले उनके रिश्ते में कुछ मुश्किलें आई थीं, जिन्हें सुलझाने के लिए उन्होंने कपल्स थेरेपी का सहारा लिया था। दोनों ने फिल्म 'डबल एक्सएल' (2022) में साथ काम किया है। जहीर इकबाल को सलमान खान ने फिल्म 'नोटबुक' (2019) से बॉलीवुड में लॉन्च किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, सोनाक्षी सिन्हा की कुल संपत्ति लगभग 100 करोड़ है, जबकि जहीर इकबाल की नेटवर्थ लगभग 1-2 करोड़ आंकी गई है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने किया सपोर्ट

शत्रुघ्न सिन्हा ने शादी के बारे में कहा, 'बिल्कुल ठीक-ठाक है। हम बहुत खुश हैं। सोनाक्षी की जो शादी हुई है, दोनों एक-दूसरे के लिए बने लगते हैं।' उन्होंने आगे बताया कि दोनों अपनी शादी में बहुत खुश हैं और वे अपने फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। बच्चे जवान हैं, एडल्ट हैं। अगर वो खुश हैं, तो मिया-बीवी राजी तो क्या करेगा काजी। हमें उनका साथ देना चाहिए। पूरी दिल से, चट्टान की तरह उनके साथ हूं।'

सोनाक्षी और जहीर की लव स्टोरी

सोनाक्षी और जाहिर की पहली मुलाकात 2016 में सलमान खान के घर पर हुई थी। दोनों ने कई सालों तक अपना रिलेशनशिप प्राइवेट रखा। अफवाहें तो थीं, लेकिन कुछ भी कन्फर्म नहीं था। सोनाक्षी और जाहिर ने 2022 में फिल्म डबल एक्सएल में साथ काम भी किया था। आखिरकार उन्होंने 23 जून 2024 को शादी की थी। इस मौके पर सलमान खान, आदित्य रॉय कपूर, हुमा कुरैशी, अदिति राव हैदरी और चंकी पांडे समेत कई कलाकार मौजूद थे।

दक्षिण पन्ना वनमण्डल में वन अग्नि नियंत्रण के व्यापक प्रयास टेलीस्कोपिक रेक्स, विशेष गश्त एवं जनजागरुकता अभियान

जागरण, पन्ना । दक्षिण वनमण्डल में वन अग्नि की घटनाओं को नियंत्रित रखने हेतु व्यापक एवं बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रीष्मकाल एवं महुआ संग्रहण के मौसम को ध्यान में रखते हुए टेलीस्कोपिक रेक्स का उपयोग,सतत निगरानी गश्त तथा जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से आग की घटनाओं को रोकने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वन अमला सक्रिय रूप से क्षेत्र में कार्य कर रहा है, जिससे वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कल्दा वन परिक्षेत्र में परिक्षेत्र अधिकारी परिवेश सिंह भदौरिया के निर्देशन में वन अमले द्वारा महुआ बाहुल्य क्षेत्रों में टेलीस्कोपिक रेक्स का प्रयोगात्मक वितरण किया गया है। इन रेक्स के माध्यम से महुआ वृक्षों के नीचे जमा सूखी पत्तियों (लीफ लिटर) को बिना आग लगाए हटाया जा सकता है, जिससे आग लगने की संभावनाएं कम होंगी। इस नवाचार से महुआ संग्रहण के दौरान होने वाली वन अग्नि घटनाओं में कमी आने की अपेक्षा है। वन परिक्षेत्र अधिकारी सलेहा जीतू सिंह बघेल के निर्देशन में निगरानी दल द्वारा महुआ बाहुल्य क्षेत्रों में भ्रमण कर महुआ संग्राहकों को वन में आग न लगाने के संबंध में समझाइश दी गई। इस अभियान में वनरक्षक मथुरा प्रसाद रैकवार, उमाशंकर पाल,विश्राम चौरसिया (स्थाई कर्मी) एवं समिति सुरक्षा श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही, सलेहा वन परिक्षेत्र में खबरी सर्किल के स्टाफ द्वारा वॉच टावर से सतत निगरानी एवं गश्त की जा रही है। इस कार्य में परिक्षेत्र सहायक देवेंद्र गिरी तथा वनरक्षक महेंद्र अग्रहरी, इंद्रभान अहिरवार एवं उदय सिंगरौल सक्रिय रूप से संलग्न हैं शाहनगर वन परिक्षेत्र में बीट बोरी, बिसानी, उमरिया एवं ताला क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता एवं गश्ती गतिविधियां संचालित की गईं। बीट बोरी में बस स्टैंड एवं पुलिस चौकी पर ग्राम वन समिति महेबा के अध्यक्ष भूरा बंजारा तथा बीट गार्ड प्रेम नारायण वर्मा द्वारा ग्रामीणों को अग्नि सुरक्षा संबंधी समझाइश दी गई एवं पोस्टर–बैनर लगाए गए। सर्किल बिसानी एवं बीट उमरिया में परिक्षेत्र सहायक अनिल प्रताप सिंह तथा वनरक्षक आशीष पाण्डेय (बीट गार्ड उमरिया) द्वारा वन भ्रमण एवं प्राकृतिक जलस्रोतों का निरीक्षण किया गया। बीट बिसानी में अनिल प्रताप सिंह एवं वनरक्षक रचना जादौन द्वारा अग्नि सुरक्षा हेतु भ्रमण किया गया। बीट ताला एवं देवरा में वनरक्षक उदयभान सिंह, विनोद कुमार वर्मा एवं सुरक्षा श्रमिक बिहारी लाल प्रजापति द्वारा संयुक्त सायंकालीन गश्त की गई। जिले की तहसील रैपुरा, तहसील पवई एवं तहसील मोहन्द्रा वन परिक्षेत्रों में भी वन अग्नि नियंत्रण हेतु विशेष गश्त एवं जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। रैपुरा क्षेत्र में परिक्षेत्र सहायक रंजना नागर (सर्किल घुटेही) एवं वनरक्षक बद्री प्रसाद यादव (बीट गार्ड अलौनी) एवं सर्किल घुटेही के सदस्यों द्वारा संयुक्त रात्रि गश्त कर वन सीमा, शिकार संभावित स्थलों, जलस्रोतों एवं विद्युत लाइनों का निरीक्षण किया गया। पवई वन परिक्षेत्र में रेंज ऑफिसर नितेश पटेल के निर्देशन में विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता बैनर लगाए गए। वहीं मोहन्द्रा वन परिक्षेत्र में वनरक्षक राजू अहिरवार द्वारा जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया तथा बीट गार्ड पश्चिमी मोहन्द्रा जगदीश प्रसाद अहिरवार एवं बीट गार्ड बिलपुरा हरप्रसाद अहिरवार द्वारा विशेष गश्त कर अग्नि नियंत्रण के प्रयास किए गए। इन समन्वित प्रयासों से वन अग्नि की घटनाओं को प्रभावी रूप से नियंत्रित करने में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

स्कूलों में ही बनेंगे और अपडेट होंगे आधार कार्ड

जागरण, पन्ना । राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के सहयोग से स्कूलों में छात्र–छात्राओं की सुविधा हेतु विद्यार्थियों के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार शिविर का अगला चरण एक अप्रैल से शुरू किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके विद्यालय परिसर में ही आधार से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें नामांकन और अपडेट के लिए अलग से कहीं जाने की आवश्यकता न पड़े। विद्यार्थियों के लंबित बायोमैट्रिक अपडेट को पूर्ण करने के उद्देश्य से अभियान का अगला चरण प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 1 अप्रैल से प्रारंभ होकर 15 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर ही आधार से संबंधित सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। आधार शिविरों के कुशल संचालन के लिए ऑपरेटर्स का चयन किया गया है। इसके साथ ही इस सबंध में शालाओं के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित भी किया गया है कि वे यूडीआईएसई प्लस पोर्टल से उन विद्यार्थियों की सूची अद्यतन कर लें, जिनके आधार में एमबीयू पेंडिंग हैं। ऐसे विद्यार्थियों को आधार अपडेट कराने के लिए जागरूक करें और इसके लिए एक रोस्टर बनाएं। स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमैट्रिक अपडेट पर केन्द्रित है, जिसमें उनके आधार में उंगलियों के निशान, आइरिस स्कैन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है, जब बच्चा 5 वर्ष का हो जाए। दूसरा एमबीयू तब आवश्यक है, जब बच्चा 15 वर्ष का हो जाए। दूसरा एमबीयू 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क है, लेकिन 17 वर्ष की आयु के बाद शुल्क लागू होता है।

अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड, स्कूल प्रवेश, प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए सरकार समयबद्ध तरीके से विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत अपार आईडी बनाने का भी लक्ष्य रख रही है। अपार आईडी विद्यार्थियों को उनके सभी शैक्षणिक क्रेडिट जैसे स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेड शीट, डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सह पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहित, प्रबंधित और एक्सेस करने में मदद करती है। यह आईडी शिक्षा जगत में छात्र के लिए एक स्थायी डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। अपार आईडी के लिए महत्वपूर्ण है कि स्कूलों द्वारा अपार आईडी बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले यूडीआईएसई प्लस पोर्टल में दर्ज छात्र का नाम, आधार कार्ड में दर्ज नाम से मेल खाना चाहिए। स्कूल एडमीशन, प्रवेश परीक्षा, स्कॉलरशिप और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर प्रोग्राम जैसी सर्विस पाने के लिए स्टूडेंट के पास मौजूदा बायोमेट्रिक्स वाला आधार होना ज़रूरी है। स्टूडेंट्स के लिए सबसे नए बायोमेट्रिक्स वाला अपडेटेड आधार भी ज़रूरी है, क्योंकि एनटीए, यूपीएससी, जेईई, एनईईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने और परीक्षा केन्द्रों में आगे एंट्री के लिए मोबाइल नंबर से जुड़ी आधार विवरण आवश्यक होता है। अपडेटेड आधार से स्टूडेंट की अपार आईडी भी आसानी से बन जाती है।

आपदा प्रबंधन का दिया गया प्रशिक्षण

पन्ना । पीएम श्री छत्रसाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना में रविवार को आपदा प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिले में संचालित अभियान के तहत आयोजित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन परिषद की जिला समन्वयक अनीता जाटव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें महाविद्यालय में संचालित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।जिला सेनानी होमगार्ड शालिवाहन पांडेय ने विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने भूकंप, बाढ़ जैसी अचानक आने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं बिना पूर्व सूचना के आती हैं, इसलिए सतर्कता और पूर्व तैयारी अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को आपदा के समय सही निर्णय लेने, स्वयं सुरक्षित रहने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में प्रभावी सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में उपस्थित परामर्शदाताओं एवं छात्र–छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए आपदा प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता एवं समरसता रथ यात्रा

जागरण, पन्ना । रंजोर सिंह पटेल जिला अध्यक्ष एवं राम भगत पटेल पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुर्मि क्षत्रिय समाज के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सरदार पटेल एकता रथ 30 मार्च 2026 को दोपहर 12:00 बजे पन्ना नगर में पहुंचेगी । यह रथ यात्रा गुजरात राज्य से चलकर मध्य प्रदेश में कई जिलों से गुजरने के पश्चात पन्ना आ रही है। यात्रा का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण, सरदार पटेल के सपनों का भारत जिसमें भारतीय समाज में भाईचारा, आपसी सहिष्णुता, सौहार्द,एकता व अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए यह रथ पूरे भारतवर्ष में भ्रमण कर रहा है। इस रथ का पन्ना नगर में 30 मार्च 2026 को समय 12:00 बजे सत्यम पैलेस में स्वागत सत्कार के पश्चात रथ यात्रा नगर भ्रमण करेगी जिसमें क्रमशः डायमंड चौक, ब्लॉक तिराहा, बीटीआई चौक, कोतवाली चौराहा, छत्रसाल पार्क, बल्देव मंदिर चौक, बड़ा बाजार चौराहा, अजयगढ़ चौराहा, पुरानी कोतवाली, गांधी चौक, पुराना पावर हाउस होते हुए मोहन राज विलास होटल पन्ना में रैली का मंचीय कार्यक्रम एवं समापन होगा। सरदार पटेल एकता रथ यात्रा के महारथी मनु भाई पटेल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुर्मी पाटीदार महासभा, अनिता बेन पटेल महिला उपाध्यक्ष, जीबी पटेल महामंत्री गुजरात, राम भाई पटेल सचिव गुजरात, ए.के.पटेल एवं आशीष पटेल के संयुक्त संयोजकत्व में रैली का संचालन किया जा रहा है। उक्त रथ में तीन किलोग्राम सोने का स्तूप, सरदार पटेल के कारावास के समय की टिफिन पेटी , राजाओं द्वारा दिये गये विलीनीकरण के पत्र एवं उनकी चरण पादुका का आमजन के दर्शनार्थ रखें गए हैं। इस रथ यात्रा के मंचीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभाओं जिसमें खेल, कला, साहित्य , विज्ञान शौर्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की है उन्हें सम्मानित किया जाएगा ऐसी प्रतिभाओं के नाम प्रमाण पत्र सहित कार्यक्रम समिति के पास प्रस्तुत करने का कष्ट करें। अतः सर्व समाज के बुद्धिजीवियों, युवाओं, देश प्रेमियों, मातृ शक्तियों , विद्यार्थियों एवं आम जनमानस से अनुरोध है कि सरदार पटेल एकता रथ यात्रा में शामिल होकर नगर भ्रमण के दौरान भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से जुड़ी हुई स्मृतियों का अवलोकन कर श्रद्धा रूपी सुमन अर्पित कर सकते हैं।

बंदियों का किया स्वास्थ्य परीक्षण, विधिक अधिकारों की दी जानकारी

जागरण, पन्ना । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शरतचन्द्र सक्सेना के मार्गदर्शन में रविवार को स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जिला जेल पन्ना में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों की टीम ने स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराईं। टीम द्वारा बंदियों का चिकित्सकीय परीक्षण कर आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। बंदियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, स्वच्छता बनाए रखने, संतुलित आहार के उपयोग एवं व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव व समझाईश दी गई। जेल में निरूद्ध बंदियों को विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विधिक जागरूकता शिविर भी लगाया गया। इस दौरान व्यवहार न्यायाधीश राजकुमार गौड़ ने विचाराधीन बंदियों के जमानत आदेश तथा समस्याओं के निराकरण पर चर्चा कर उचित माध्यम से विभिन्न आदेश का क्रियान्वयन कराने का आग्रह किया। जेल मैनुअल अनुसार बंदियों को मूलभूत सुविधाओं के प्रदाय के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा बंदियों के प्रकरणों की जानकारी लेकर विभिन्न उपयोगी विधिक प्रावधान बताए गए। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के जरिए प्रकरणों में अद्यतन जानकारी प्राप्त करने की सलाह भी दी गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट बिन्दु पटेल एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी अतुल सेन द्वारा भी कानूनी प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी से अवगत कराया गया। आनंद त्रिपाठी एवं अधिवक्ताओं द्वारा निःशुल्क अपील का अधिकार, लोक अदालत की उपयोगिता, मध्यस्थता के लाभ इत्यादि विषयों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधि के तहत संगीत एवं गायन भी हुआ, जिसमें बंदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर में जेल अधीक्षक गणेश सिंह सहित करन सिंह, पवन पाण्डेय, विजयलक्ष्मी प्रजापति, रोहित नायक, शशांक चतुर्वेदी, शर्मिला विश्वास, देवीदीन अहिरवार, प्रशांत कुशवाहा, लोकेन्द्र सिंह, सलमान खान एवं पैरालीगल वालंटियर्स भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने 30 मार्च को महावीर जयंती का घोषित किया अवकाश

पन्ना । सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार कलेक्टर ऊषा परमार ने संपूर्ण पन्ना जिले के लिए सोमवार,30 मार्च 2026 को महावीर जयंती का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस संबंध में जारी आदेश में उल्लेखित है कि जैन समाज पन्ना द्वारा सोमवार को महावीर जयंती मनाई जाएगी। यह स्पष्ट किया गया है कि पूर्व में शासन स्तर से 31 मार्च को घोषित अवकाश जिले में प्रभावशील नहीं रहेगा। मंगलवार को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं यथावत खुले रहेंगे।

महावीर जयंती का अवकाश अब 30 को

सिंगरौली। शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में तथा जनभावनाओ और स्थानीय परिस्थितियो को दृष्टिगत रखते हुऐ कलेक्टर सिंगरौली गौरव बैनल ने जिले में पूर्व में घोषित सार्वजनिक अवकाश में संशोधन कर नवीन आदेश जारी किया है। जारी नवीन आदेश के अनुसार मंगलवार 31 मार्च महावीर जयंती के उपलक्ष्य में घोषित अवकाश के स्थान पर अब जिले में सोमवार 30 मार्च 2026 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है। मंगलवार 31 मार्च 2026 को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं पूर्ववत खुले रहेंगे।

112 प्रकरण दर्ज 1 लाख से अधिक की शराब जब्त

अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान में सिंगरौली पुलिस की कार्रवाई

जागरण, वैढ़न । पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन रीवा गौरव राजपूत एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र हेमंत चौहान के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के मार्गदर्शन में अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। उक्त अभियान के तहत सिंगरौली जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में सघन कार्यवाही करते हुए अवैध शराब के निर्माण परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान सिंगरौली पुलिस द्वारा 112 प्रकरण पंजीबद्ध करते हुए 112 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान विभिन्न प्रकार की अवैध शराब जप्त की गई जिसमें देशी शराब 126 लीटर विदेशी शराब 12 लीटर अवैध कच्ची/हाथ भट्ठी शराब 447 लीटर इस प्रकार कुल मिलाकर लगभग 585 लीटर अवैध शराब जप्त की गई जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई कार्यवाही में सरइ लंघाडोल बैढ़न बरगवां माड़ा मोरवा एवं नवानगर थाना क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अवैध शराब के विरुद्ध इसी प्रकार निरंतर सख्त कार्यवाही जारी रखें तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अवैध पैकारी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करें।

कर जमा कर शहर के विकास में सहभागी बनें : सविता प्रधान

वैढ़न । नगर पालिका निगम की आयुक्त सविता प्रधान ने शहर के सभी करदाताओं से अपील की है कि वे वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले 31 मार्च तक अपने संपत्ति करए जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता शुल्क का भुगतान कर विशेष छूट का लाभ उठाएं। आयुक्त सविता प्रधान ने बताया कि समय सीमा के भीतर कर जमा करने वाले नागरिकों को अधिभार में राहत दी जा रही है जिससे करदाताओं को आर्थिक लाभ मिलेगा और साथ ही वे अनावश्यक दंड एवं कानूनी कार्रवाई से भी बच सकेंगे। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा कर भुगतान की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है जिससे नागरिक घर बैठे ही वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि नगर विकास कार्यों को गति देने और शहर की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए समय पर कर भुगतान बेहद आवश्यक है। करदाताओं की सुविधा के लिए व्हाट्सएप हेल्पलाइन और ई.नगर पालिका पोर्टल भी सक्रिय है जहां से जानकारी और सहायता प्राप्त की जा सकती है। आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और जल्द से जल्द कर जमा कर शहर के विकास में सहभागी बनें।

भव्यता और गाजे बाजे के साथ निकाली गई भगवान श्री राम की शोभायात्रा, नगर भंडारा हुआ संपन्न

जागरण, पन्ना। अजयगढ़ में रामनवमी का पर्व पड़े ही भव्यता के साथ मनाया गया। रैली का प्रारंभ माधोगंज चौराहे से हुआ। इसके पूर्व रेस्ट हाउस में भगवान श्री राम की आरती करके रैली का शुभारंभ हुआ। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के पावन जन्मोत्सव राम नवमी के अवसर पर हुए धार्मिक आयोजन में पूरा क्षेत्र राममय और भक्तिमय दिखा। शोभायात्रा के दौरान अजयगढ़ क्षेत्र में आस्था,भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।शोभायात्रा में पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने भी अपनी उपस्थित दर्ज कराई।भगवान श्रीराम,माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान आकर्षक झांकियों,ढोल–नगाड़ों, भजन–कीर्तन और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोषों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा में नगर के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने भंडारा और शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान श्रीराम के चरणों में शीश नमन किया और क्षेत्रवासियों की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। शोभायात्रा का यह पूरा आयोजन न केवल आस्था और श्रद्धा का प्रतीक रहा, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और जनसेवा की भावना का भी भव्य उदाहरण बनकर उभरा, जिसमें स्थानीय विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह की प्रमुख भूमिका रही रैली में मुख्य रूप से नगर परिषद अध्यक्ष सीता सरोज गुप्ता,मंडल अध्यक्ष सुरेश यादव,जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मोहन यादव,वरिष्ठ संजय सुल्लेरे व रजऊ राजा,पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा,शीलू श्रीवास्तव भाजपा उपाध्यक्ष ,अवध तिवारी, विशाल यादव, वीरेंद्र जैन,अमित गुप्ता,बबलू कुशवाहा, योगेंद्र धुरिया,संजय गुप्ता, बृजेन्द्र खटीक ,बाबू सिंह,अरविंद सिंह, अजय नामदेव,राजबहादुर सिंह, मातादीन यादव,जनक यादव, सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्ति व रामभक्त सम्मिलित हुए।

तेज रफ्तार मोटर बाइक चालक ने राह चलते वृद्ध को मारी टक्कर

पन्ना । जिले के अमानगंज पुलिस थाना क्षेत्र अमानगंज छतरपुर सड़क मार्ग पर ग्राम गढोखर में आज एक 70 वर्षीय वृद्ध सड़क को पार कर रहा था कि सामने से आ रही तेज रफ्तार मोटर बाइक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप स्वीकार हो गया और मौके से भाग चालक फरार हो गया इस घटना में वृद्ध को गंभीर चोटें आई जिसे गांव ही अपने निजी वाहन के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज प्राथमिक उपचार के लिए दाखिल कराया गया जहां उसकी हालत अत्यंत गंभीर देखी गई और चिकित्सक ने बताया कि इसका दाहिना पूरी तरह से चोटिल हो चुका है अतः इसका इलाज कटनी या जबलपुर में करना होगा समय को खराब ना करते हुए तत्काल ही इसे बाहर ले जाएं ऐसा सुनते ही परिजन घबराए और अपने निजी वाहन से घायल वृद्ध को कटनी की ओर ले गए घटना में घायल हुए वृद्ध का नाम विजू विश्वकर्मा पिता मुलुआ विश्वकर्मा उम्र 70 वर्ष निवासी गड़ोखर बताया गया है घायल विश्वकर्मा के अनुसार वह चंडी माता के दर्शन कर कर जैसे ही वापस घर की ओर मुड़ा तो पांडे जी के डब्बा के सामने , सामने से आ रही बाइक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए इसे टक्कर मारी ।

गड्ढों में तब्दील पन्ना सतना राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग, वाहनों का चलना हो रहा मुश्किल, भैरव टेक घाटी की हालत खराब

हालात बदत्तर बनी हुई पन्ना जिला सबसे पिछड़ा जिला है आजादी के बाद आज तक रेल का सपना पूरा नहीं हुआ सड़कों के माध्यम से लोग आवागमन करते हैं प्रमुख राष्टीय राजमार्ग सतना छतरपुर की हालत बत्तर है । चंद्रनगर से लेकर नागौद तक है राष्टीय राजमार्ग 39 बहुत ही बुरी स्थिति में है जहां एक ओर भैरव टेक घाटी मे जाम लगा रहता है तथा लगभग प्रतिदिन वाहन पलटते हैं अनेक वाहनों में आग लगकर जल भी गए हैं उसके बावजूद सरकार तथा प्रशासन गंभीर नजर नहीं आ रहा है पन्ना से लेकर देवेंद्रनगर मार्ग भी अधिकांश गड्ढों में तब्दील है। जहां पर वाहन चलना मुश्किल है सड़क की मरम्मत के लिए 43 करोड रुपए स्वीकृत किए गए थे लेकिन कुछ स्थानों पर काम किया गया इसके बाद ठेकेदार काम छोड़कर भाग गया वाहन चालकों की स्थिति बहुत ही खराब है आम लोग भारी परेशान जहां स्थानीय सांसद विधायक द्वारा भैरव के घाटी में एलिवेटेड पुल बनाने की बात कही जा रही है लेकिन उक्त पुल कब बनेगा यह अभी भविष्य के गर्त में वर्तमान के लिए सड़क मरम्मत कार्य हो जावे यही बड़ी बात है।

टोल वसूली अभियान लगातार जारी

जागरण, पन्ना । जिले के नेताओं द्वारा लगातार विकास की गाथा गई जा रही है तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा भी विकसित भारत की बातें कहीं जा रही है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है जनता सिर्फ टैक्स देकर लुट रही है जनता को धर्म जाति के नाम पर लगातार छला जा रहा है हर स्तर पर टैक्स वसूली तथा कमीशन खोरी चल रही है लोगों द्वारा सड़क पर चलने के लिए अनेक प्रकार के टैक्स दिए जा रहे हैं लेकिन मुख्य सड़कों की

गुनौर नगर की यातायात व्यवस्था फेल आये दिन लग रहा लंबा जाम, आमजन बेहाल

पन्ना । गुनौर नगर में इन दिनों यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर आए दिन लंबा जाम लग रहा है, जिससे आम नागरिकों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सुबह से लेकर शाम तक सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर में लगातार बढ़ते वाहनों के दबाव के बावजूद ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मुख्य बाजार, बस स्टैंड की स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर बनी रहती है। कई बार तो लोगों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ता है। जाम के मुख्य कारण सड़कों पर अव्यवस्थित और बेतरतीब पार्कि ट्रैफिक पुलिस की कमी और नियंत्रण का अभाव संकरी सड़कों पर बढ़ता यातायात दबाव बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले समय में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। फिलहाल, गुनौर नगर के लोग रोजाना जाम की समस्या से जूझने को मजबूर हैं।

अमरपाटन में 'एकता रथयात्रा' का भव्य स्वागत, सरदार पटेल की यादें हुईं जीवंत

जागरण, मैहर । अखंड भारत के शिल्पी सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में निकाली जा रही 'एकता रथयात्रा' के अमरपाटन पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। गुजरात से शुरू हुई यह यात्रा मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से होते हुए अमरपाटन पहुंची, जहां सर्व समाज के लोगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। रथयात्रा में सरदार पटेल के जीवन से जुड़ी कई दुर्लभ और ऐतिहासिक वस्तुएं आकर्षण का केंद्र रहीं। इनमें ग्वालियर के लश्कर द्वारा दिया गया सम्मान पत्र, कारावास के दौरान उपयोग में लाई गई संदूक, उनकी चरण पादुका, निजी पॉकेट घड़ी, विभिन्न सम्मान पत्र और करीब 2.9 किलोग्राम का सुवर्ण अशोक स्तंभ शामिल है। साथ ही मित्रों द्वारा भेंट की गई कई वस्तुएं भी रथ में दर्शनार्थ रखी गई थीं, जिन्हें देखने के लिए लोगों में उत्साह नजर आया। यात्रा के दौरान जगह–जगह समाजजनों ने रथ को रोककर माल्यार्पण किया और सरदार पटेल की प्रतिमा को नमन किया। पूरे मार्ग में देशभक्ति और एकता के संदेश के साथ माहौल उत्सवमय बना रहा। बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक यात्रा के साक्षी बने। आयोजकों का कहना है कि इस रथयात्रा का उद्देश्य लोगों को सरदार पटेल के विचारों और उनके योगदान से जोड़ना है। कुछ वक्ताओं ने कहा कि देश में एकता और अखंडता के विचार को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

महावीर जयंती का अवकाश बदला, अब 30 मार्च को रहेगी सार्वजनिक छुट्टी

मैहर। महावीर जयंती को लेकर मैहर जिले में घोषित सार्वजनिक अवकाश की तिथि में बदलाव किया गया है। कलेक्टर रानी बाटड द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब जिले में 31 मार्च के स्थान पर 30 मार्च 2026 (सोमवार) को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूर्व में 31 मार्च (मंगलवार) को घोषित अवकाश को संशोधित करते हुए यह निर्णय लिया गया है। जनभावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तिथि में बदलाव किया गया है, जिससे लोगों को सुविधा मिल सके। इस बदलाव के बाद 30 मार्च को जिले के सभी शासकीय कार्यालय और संस्थान बंद रहेंगे, जबकि 31 मार्च को सभी कार्यालय सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। प्रशासन ने बताया कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

आने वाला समय भारत का होगा और हमारा विचार भाव ही विश्व को नई दिशा देगा : विजय दुबे

दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान में बोले प्रदेश संयोजक

जागरण, वैढ़न

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान कार्यक्रम के बैढ़न मंडल के उद्घाटन सत्र मे रीवा संभाग के संगठन प्रभारी एवं प्रशिक्षण महाभियान के प्रदेश संयोजक विजय दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ मे अभियान के रीवा संभाग के प्रभारी के के तिवारी, लोकसभा सांसद भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह, विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह, सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह, निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, प्रशिक्षण अभियान के जिले के संयोजक राजकुमार दुबे, सह संयोजक विक्रम सिंह, पूर्व महापौर प्रेमवती खैरवार, महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री सीमा जायसवाल, मंडल प्रभारी संदीप झा, मंडल अध्यक्ष सौरभ गुप्ता मंचासीन रहे। वर्ग का शुभारंभ भारत माता एवं पितृ पुरुषों के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन व वंदे मातरम गायन से हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में स्वागत उद्बोधन एवं प्रस्तावना विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह ने प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण वर्ग के शुभारंभ पर अपना उद्बोधन देते हुए विजय दुबे ने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का यह अभियान सीमित नहीं है आज केवल चुनावी राज्यों को छोड़कर अखिल भारतीय स्तर पर यह अभियान चल रहा है। मुख्य अतिथि ने बताया कि प्रशिक्षण महाभियान की सबसे पहले राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न हुई, फिर प्रादेशिक कार्यशालाएं सम्पन्न हुईं, फिर क्षेत्रीय कार्यशालाओं मे वक्ताओं को प्रशिक्षित किया गया तत्पश्चात देश और प्रदेश भर के मंडलों मे ये कार्यशालाएं आयोजित हो रहीं हैं । प्रदेश संयोजक जी ने बताया कि इसके बाद जिले स्तर का भी प्रशिक्षण अभियान चलेगा तथा उसके बाद जनप्रतिनिधियों की कार्यशालाएं आयोजित होंगी। प्रदेश संयोजक ने कहा कि मंडलों के बाद पदाधिकारी शक्ति केंद्रों तक के कार्यकर्ताओं की कार्यशाला मे बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेंगे। विजय दुबे ने कहा कि हमारी कार्यशैली एवं विचारधारा हर कार्यकर्ता तक पहुंचे यहीं इह महाभियान का मुख्य उद्देश्य है। मुख्य अतिथि ने विषय वक्ता के रूप मे अपने विषय वैचारिक अधिष्ठान बिंदु पर अपना विस्तृत उद्बोधन कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा तथा साम्यवाद , पूंजीवाद के सम्यक एकात्म मानववाद की विचारधारा को श्रेष्ठ बताया तथा उन्होंने कहा कि हमारी पुरातन विचारधारा तथा संस्कृतिक मूल्यों समयानुकूल समायोजित करके पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के सिद्धांत को हमको दिया है और उसी सिद्धांत से पोषित सरकार देश को नई दिशा दे रही है तथा निकट भविष्य में यही विचारधारा विश्व को नई दिशा देगी और भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। लोकसभा सांसद ने अपने निर्धारित विषय केंद्र सरकार की योजनाओं पर विस्तृत उद्बोधन दिया तथा केंद्र सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रशिक्षार्थियों के मध्य रखा। सांसद ने अपने उद्बोधन में केंद्र सरकार की अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय उपलब्धि एवं योजना के साथ ही आगामी योजनाओं के विषयवार आंकड़े प्रतिभागियों के मध्य रखे तथा लोकसभा क्षेत्र एवं जिले को प्राप्त केंद्रीय योजनाओं के लाभ के विषय में बताया। प्रशिक्षण सत्र में मंडलों के अंतर्गत आने वाले समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

100 वर्ष पूर्ण कर चुकी है हमारी संघर्ष यात्रा : कांत देव

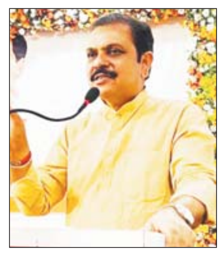

जागरण, वैढ़न। दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान मे प्रदेश उपाध्यक्ष कांत देव सिंह ने मंडल बैढ़न की कार्यशाला को बतौर मुख्य वक्ता के रूप मे संबोधित किया। प्रदेश उपाध्यक्ष जी ने अपने निर्धारित विषय पार्टी के इतिहास पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के प्रारंभिक इतिहास से लेकर अब तक की यात्रा को प्रतिभागियों के समक्ष रखा इसके साथ-साथ उन्होंने जन संघ तथा पितृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास की विस्तृत जानकारी प्रशिक्षार्थियों के समक्ष रखीं। प्रदेश उपाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन मे कहा कि जिस भारतीय जनता पार्टी का स्वरूप जो हम सभी के समक्ष है उसकी स्थापना तो 6 अप्रैल 1980 को 46 वर्षों पूर्व हुई और माननीय अटल बिहारी वाजपेई जी उसके प्रथम अध्यक्ष बने किंतु हमारी यह यात्रा केवल 46 वर्षों की ही नहीं है इसके पूर्व में अगर हम जायें तो भारतीय जनता पार्टी से पहले हम जन संघ के रूप में जाने जाते थे जिसकी स्थापना 21 अक्टूबर 1951 मे डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा हुई और यह संगठन संघ के राष्टवादी विचारधारा से संबंधित रहा। 1952 के आम चुनावों मे केवल तीन सीटों के साथ हमारी यह राजनीतिक यात्रा प्रारम्भ हुई थी जो आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। जन संघ को वास्तविक व्यापकता पं दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांत ने दी और यह सिद्धांत मूल रूप से भारतीय मूल्यों पर आधारित था और आज यही सिद्धांत हम सभी को राजनैतिक दलों मे सर्वश्रेष्ठ बनाता है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि यदि हम और पीछे चलें तो हमारे विचार परिवार के जनक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना डॉ केशव बालीराम हेडगेवार द्वारा सन 1925 में विजयादशमी के दिन हुई और आज हमारा यह पितृ संगठन अपने 100 वर्ष पूर्ण कर चुका है और वास्तव में हमारी वैचारिक यात्रा देश 100 वर्षों पूर्व ही प्रारंभ हो चुकी थी। प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि तब से लेकर आज तक हम सभी ने व्यापक संघर्ष देखे और आपातकाल जैसी दमनकारी परिस्थितियों को सहते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूप में सांस्कृतिक एवं भारतीय जनता पार्टी के रूप मे विश्व के सबसे बड़े 13 करोड़ सदस्यों वाले राजनैतिक दल के रूप में स्थापित हैं। आज लगभग 20 से ज्यादा राज्यों एवं केंद्र मे हमरी सरकार है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे भारत अपने प्राचीन वैभव की और बढ़ रह हैं और हम विश्व की एक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो रहे हैं। प्रशिक्षण सत्र में जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने संगठन के कार्यो की बारीकियां तथा बूथ प्रबंधन से लेकर प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।

हिन्दी एक सहज सरल एवं सुग्राह्य भाषा : संजय असाटी

जागरण, रिहंदनगर। हिन्दी एक सहज सरल और सुग्राह्य भाषा है हमें इसे अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में प्रयोग करना चाहिए। उक्त उद्गार एनटीपीसी रिहंद राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में समिति अध्यक्ष संजय असाटी ने व्यक्त किए। भारत सरकार गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा.निर्देशों के अनुसार राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक तिमाही में बैठक अपेक्षित है। उसी अनुक्रम में वित्तीय वर्ष 25-.26 के लिए एनटीपीसी रिहंद विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चौथी बैठक समिति अध्यक्ष संजय असाटी मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख रिहंद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसके पूर्व मानव संसाधन प्रमुख राजेश बोयपाई ने संजय असाटी मुख्य महाप्रबंधक को पुस्तक देकर उनका स्वागत किया। बैठक के लिए

निर्धारित कार्यसूची के मदों पर क्रमवार गहन विचार.विमर्श किया गया तथा हिन्दी प्रचार.प्रसार की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर ज़ोर दिया गया। बैठक में हिन्दी पत्राचारए समिति सदस्यों द्वारा हिन्दी में कार्य करना विभागों में राजभाषा समन्वयकों को नामित करना तथा अन्य मदों पर चर्चा हुई । अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में समिति अध्यक्ष श्री संजय असाटी ने कहा कि विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष के रूप में यह मेरी पहली बैठक है । जैसा कि हम सभी जानते हैं कि देश के स्वतंत्र होने के बाद हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया गया था । रिहंद परियोजना भाषायी वर्गीकरण के अनुसार क क्षेत्र में है अतः हमें राजभाषा विभाग से प्राप्त लक्ष्यों के अनुसार अपना कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करना है। परियोजना की अवस्थिति के अनुसार हमें स्थानीय आम जनमानस की भाषा में कार्य करना हैं। हिन्दी में काम करना बहुत ही आसान है और तकनीकी क्रांति से भाषायी दीवार टूट चुकी है। हमें हिन्दी में काम करके गर्व होना चाहिए। सभी मदों पर चर्चा और अध्यक्षीय सम्बोधन के उपरांत बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की कार्यवाही का संचालन पवन कुमार मिश्र प्रबन्धक राजभाषा एवं सदस्य.सचिव राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने किया।

फर्जी सिम रैकेट का भंडाफोड़ दो आरोपी गिरफ्तार

जागरण, वैढ़न। जिले में फर्जी सिम कार्ड सक्रिय करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन फेशियल ऑथेंटिकेशन एंड कॉम्पियंस इंफोर्समेंट के तहत की गई। पुलिस महानिरीक्षक रीवा गौरव राजपूत एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक रीवा हेमंत चौहान के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के मार्गदर्शन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा एवं नगर पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार प्रजापति के निर्देशन में थाना कोतवाली बैढ़न एवं साइबर सेल सिंगरौली द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण के आधार पर इस

गिरोह का पर्दाफाश किया। जांच में सामने आया कि कटौली निवासी अनिल कुमार रवानी जो सिम बेचने वाला पीओएस संचालक है एक ही व्यक्ति के चेहरे का उपयोग कर अलग.अलग नाम और पते से सैकड़ों सिम कार्ड फर्जी तरीके से एक्टिवेट कर रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपनी मां उर्मिला रवानी के चेहरे के विभिन्न एंगल से फोटो लेकर करीब 340 सिम कार्ड एक्टिवेट किए वहीं अन्य लोगों के चेहरों का इस्तेमाल कर कुल लगभग 850 सिम कार्ड फर्जी तरीके से चालू किए। इन सिम कार्डों को उसने पैसों के लालच में सिराज खान उर्फशेरु सहित अन्य लोगों को बेच दिया जिनका उपयोग आपराधिक गतिविधियों में किए जाने की आशंका है। इस मामले में थाना बैढ़न में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी जालसाजी आईटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अनिल कुमार रवानी और सिराज खान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई एआई आधारित फेशियल रिकग्निशन टूल से प्राप्त डाटा के आधार पर की गई जिसमें एक ही चेहरे से कई सिम एक्टिवेशन की पुष्टि हुई थी। मामले की जांच जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका : उक्त कार्रवाई में निरीक्षक अशोक सिंह परिहार के साथ उपनिरीक्षक उदय करिहार पवन सिंह शिवम सिंह प्रधान आरक्षक लक्ष्मीकांत मिश्रा अजीत सिंह आशीष त्रिपाठी आरक्षक अभिमन्यु उपाध्याय प्रशांत केशरी वीरन सिंह एवं नंदलाल यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मियामी की मलिका बनीं सबालेंका

मियामी गार्डन्स, जेएनएन। आर्यना सबालेंका ने लगातार दूसरी बार मियामी ओपन में महिला एकल खिताब जीत लिया है। उन्होंने शनिवार रात खेले गए खिताबी मुकाबले में अमेरिका की कोको गफ को तीन सेट में पराजित कर दिया। इस जीत के साथ ही बेलारूस की 27 साल की दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा कर लिया।चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकीं सबालेंका ने फाइनल में चौथी वरीय 22 साल की कोको गफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब पर कब्जा किया। सबालेंका ने इसके साथ ही डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर गफ के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 7-6 कर लिया। इसके साथ ही सबालेंका 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाली पिछले चार साल में पहली खिलाड़ी बनीं। उन्होंने इसी महीने इंडियल वेल्स खिताब भी जीता था। सबालेंका यह कामयाबी हासिल करने वाली कुल पांचवीं महिला हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ (जर्मनी, 1994, 96), किम क्लाइस्टर्स (बेल्जियम, 2005), विक्टोरिया अजारेंका (बेलारूस, 2016) और इगा स्वियातेक (पोलैंड, 2022) यह कारनामा कर चुकी हैं।

सबालेंका का 30वां खिताब

इस तरह सबालेंका यह उपलब्धि हासिल करने वाली बेलारूस की दूसरी महिला बन गई हैं। यह जीत सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब और कुल 30वां खिताब है, जिसमें छह युगल और चार ग्रैंड स्लैम खिताब भी हैं। सोमवार को वह लगातार 76वें सप्ताह रैंकिंग में शीर्ष पर रहेंगी। इससे इगा स्वियातेक का सबसे लंबा सिलसिला टूट जाएगा।

गुवाहाटी में आज जीत का आगाज करने उतरेंगी राजस्थान रॉयल्स और सीएसके

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का तीसरा मुकाबला पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स और पहले सीजन की चैम्पियन राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह मैच गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। चेन्नई और राजस्थान के बीच इस टूर्नामेंट में कांटे की टक्कर देखने को मिलती है।

दोनों टीमों के हेड टू हेड मुकाबले: चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अब तक कुल 31 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 16 मुकाबलों में जीत चेन्नई के हाथ लगी है जबकि राजस्थान ने 15 मुकाबले जीते हैं। साल 2025 में दोनों टीमों के बीच कुल दो मैच खेले गए थे और दोनों में बाजी राजस्थान ने मारी थी। राजस्थान की टीम इस बार नए कप्तान रियान पराग की अगुवाई में मैदान पर उतरेगी। संजू सैमसन के बदले राजस्थान ने ट्रेड करते हुए रवींद्र जडेजा और सैम करन को टीम से जोड़ा है। राजस्थान के लिए बुरी खबर यह है कि करन इंजरी की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं और उनकी जगह पर दासुन शनाका को टीम में शामिल किया गया है।

वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी निगाहें

इस मुकाबले में हर किसी की निगाहें वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव ने पिछले एक साल में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया है और उनके करियर के लिहाज से इस सीजन को काफी अहम माना जा रहा है। यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरैल भी बल्ले से छाप छोड़ने को बेकरार होंगे। वहीं, शिमरोन हेटमायर हाल ही में खत्म हुए टी20 विश्व कप 2026 में बेहतरीन फॉर्म में नजर आए थे।

हरफनमौला प्रशांत को मिल है मौका: धोनी की गैर मौजूदगी में 20 साल के बायें हाथ के स्पिनर हरफनमौला प्रशांत वीर को मौका मिल सकता है जिन्होंने घरेलू टी20 मैचों में प्रभावित किया।

संजू पहली बार राजस्थान के खिलाफ उतरेंगे

दूसरी ओर, चेन्नई को सीजन की शुरुआत से पहले ही बड़ा झटका लगा है। एमएस धोनी इंजरी के कारण शुरुआती मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। धोनी की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर की भूमिका संजू सैमसन निभाते हुए दिखाई देंगे। चेन्नई की ओर से ऋतुराज गायकवाड़ और संजू पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। वहीं, आयुष म्हात्रे नंबर तीन पर खेल सकते हैं। सरफराज खान, शिवम दुबे और उर्विल पटेल मिडिल ऑर्डर की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, डेवाल्ड ब्रेविस से भी टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। हालांकि, चेन्नई का पेस अटैक इस सीजन थोड़ा कमजोर नज़र आ रहा है। खलील अहमद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, मैट हेनरी और स्पेंसर जॉनसन के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी होगी। स्पिन विभाग की कमान अकील हुसैन और नूर अहमद संभालते हुए दिखाई देंगे।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

- **राजस्थान रॉयल्स-** रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।
- **चेन्नई सुपर किंग्स-** ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे , आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

मैच का समय-शाम 7 . 30 बजे से।

उनके अलावा 14 .2 करोड़ रूपये में खरीदे गए कार्तिक शर्मा भी फोकस में होंगे जो घरेलू सर्किट में छक्के लगाने के अपने हुनर के लिये जाने जाते हैं।

चेन्नई की बल्लेबाजी मजबूत लग रही है चूंकि डेवाल्ड ब्रेविस अब परिपक्व हो चले हैं जबकि शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी तेजी से निखरते जा रहे हैं। गेंदबाजी में नूर अहमद , अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

ईशान (हैदराबाद)	80
विराट कोहली (बेंगलुरू)	69
ट्रैविस हेड (हैदराबाद)	61

पर्पल कैप (गेंदबाज)

जैकब डफी (बेंगलुरू)	3
रोमारियो (बेंगलुरू)	3
पड्डीकल	2

बाउंड्री मीटर

25 छक्के
25 चौके
03 अर्धशतक

कोहली ने अब तक कुल 268 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसकी 260 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए कुल 8730 रन बनाए हैं। वे इस लीग में छक्के जड़ने के मामले में रोहित शर्मा और क्रिस गेल के बाद तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने आईपीएल करियर में कुल 296 छक्के लगाए हैं और 300 छक्कों के आंकड़े के बेहद करीब हैं।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
बेंगलुरु	1	1	0	2	+2.907
हैदराबाद	1	0	1	0	-2.907
कोलकाता	0	0	0	0	0
राजस्थान	0	0	0	0	0
चेन्नई	0	0	0	0	0
दिल्ली	0	0	0	0	0
लखनऊ	0	0	0	0	0
गुजरात	0	0	0	0	0
मुंबई	0	0	0	0	0
पंजाब	0	0	0	0	0

इस उम्र में कोहली की ऊर्जा और जोश बेजोड़: अश्विन

बेंगलुरू, जेएनएन। विराट कोहली की जमकर तारीफ करते हुए भारत के पूर्व आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद अपनी बेजोड़ ऊर्जा और जोश के दम पर जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं। पिछले साल तीन जून को आईपीएल फाइनल जीतने के बाद पहली बार टी20 प्रारूप खेलते हुए कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 38 गेंद में नाबाद 69 रन बनाये जिसकी मदद से गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने आईपीएल 2026 के पहले मैच में छह विकेट से जीत दर्ज की। अश्विन ने कहा कि वह जो कहते हैं, करके दिखाते हैं। ऐसा लगता है कि वह लोगों को दिखा रहे हैं कि कैसे खेला जाता है। इसे जोरदार ढंग से खेलो और वैसे ही खेलो, जैसे खेला जाना चाहिये। विराट ने जो कुछ भी किया उस लिहाज से यह बात मेरे लिये सबसे खास रही।

कोहली ने आईपीएल से पहले जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 93, 23 और 124 रन बनाये थे। इससे पहले दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में उन्होंने दो शतक समेत 302 रन बनाये थे। अश्विन ने विकेटों के बीच दौड़ का हवाला देते हुए कहा कि इस उम्र और इतने अनुभव के बावजूद उनकी ऊर्जा बेजोड़ है। उन्होंने कहा मुझे यह काफी अजीब लगता है। मैं बातचीत के दौरान उनसे कह भी देता हूं। वह 40 रन के करीब खेल रहे थे और एक साझेदारी चल रही थी। उन्होंने पहला रन भागा और वहां रूक गए जब तक दूसरा बल्लेबाज आधी क्रीज तक भी नहीं पहुंचा था लेकिन वह दूसरे रन की तलाश में थे। लेग साइड में 57 मीटर की बाउंड्री थी जिससे साबित होता है कि अभी भी वह खेल में कितना जोश लेकर आते हैं।

कैफ ने पोस्ट कर विराट कोहली की तारीफ की तो लोग बोले बचाव की कोई जरूरत ही नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। कोहली ने 2024 के टी20 वर्ल्ड कप के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। रिटायर होने के बाद भी कोहली यह साबित करते आ रहे हैं कि खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 के पहले मैच में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 38 गेंदों पर पांच चौके और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। कैफ ने इस पोस्ट के माध्यम से कोहली की तारीफ की है, लेकिन कई फैंस ने इसके समय पर सवाल उठा रहे हैं। उन्हें लगा कि अब कोहली का बचाव करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि पहले जो आलोचना हो रही थी, वह ज्यादातर टेस्ट क्रिकेट में उनकी संघर्षपूर्ण स्थिति को लेकर थी, न कि लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट को लेकर थी।

याद दिलाया प्रदर्शन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कोहली का बचाव करते हुए और फैंस को उनके शानदार प्रदर्शन की याद दिलाई। कैफ ने एक्स पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लिखा कि जरा सोचिए, ऑस्ट्रेलिया में दो बार जीरो पर आउट होने के बाद लोगों ने कहा था कि विराट कोहली का दौर खत्म हो गया है। व्हाइट-बॉल क्रिकेट में कोहली के पिछले 10 स्कोर इस प्रकार हैं हैं-74, 135, 102, 65, 131, 77, 93, 23, 124, और इस मैच में 69 नाबाद।

आईपीएल 2026 का पहला विवाद

सॉल्ट के कैच पर बवाल, वॉन का अंपायर के फैसले पर सवाल

नई दिल्ली, जेएनएन। आईपीएल 2026 का आगाज धमाकेदार अंदाज में हुआ। विराट कोहली की 69 रनों की धमाकेदार पारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 202 रनों के टारगेट को आसानी से 15.4 ओवर में ही चेज कर दिया। हालांकि इस मैच में के दौरान एक विवाद हुआ, जिसने खूब सुर्खियां बटौरी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने अंपायर के फैसले पर भी सवाल उठाए। इसे आईपीएल 2026 की पहली कॉन्ट्रोवर्सी भी कहा जा रहा है। यह विवाद फिल सॉल्ट की एक कैच को लेकर शुरू हुआ। 14वें ओवर की पहली गेंद पर हेनरिक क्लासेन ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, मगर वह चिन्नास्वामी की छोटी बाउंड्री को पार नहीं कर पाए। वहां मौजूद फिल सॉल्ट ने शानदार कैच पकड़ा, मगर कैच पकड़ने के दौरान वह बाउंड्री रोप के काफी नजदीक थे।

अंपायर ने तुरंत फैसला थर्ड अंपायर की ओर रेफर किया। रिप्ले में थर्ड अंपायर ने देखा कि सॉल्ट मिड विकेट पर बाउंड्री लाइन के काफी नजदीक थे। यह कहना मुश्किल था कि उन्होंने बाउंड्री रोप को छुआ है या नहीं। मगर थर्ड अंपायर ने कहा 'मुझे कुशन में कोई हलचल नहीं दिख रही है'। जिस वजह से उन्होंने क्लासेन को आउट दिया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कुछ अलग मानना है। उन्होंने एक्स पर इस मुद्दे को उठाते हुए लिखा, 'मुझे ऐसा लगा जैसे पैर ने बाउंड्री स्पंज को छुआ हो... यह आरसीबी के लिए एक बड़ा फैसला है।

फिट्जपैट्रिक ने वापसी करते हुए हीरो इंडियन ओपन खिताब जीता

गुरुग्राम, जेएनएन। एलेक्स फिट्जपैट्रिक ने रविवार को यहां वापसी करते हुए चार शॉट की बढ़त से हीरो इंडियन ओपन खिताब अपने नाम किया जो उनका पहला डीपी वर्ल्ड टूर खिताब है। उन्होंने जब आखिरी दिन की शुरुआत की तो वह बीती रात शीर्ष पर चल रहे और गत चैंपियन यूजेनियो चाकारा से चार शॉट पीछे थे। लेकिन 18वें होल तक वह चार शॉट की बढ़त बनाए थे। फिट्जपैट्रिक ने आखिरी होल में डबल बोगी की, लेकिन तब तक वह ट्रॉफी जीतने के लिए दो शॉट की बढ़त बना चुके थे। इंग्लैंड के फिट्जपैट्रिक और चाकारा के बीच लंबे समय से प्रतिद्वंद्विता चली आ रही है, जो उनके एमेच्योर दिनों से शुरू हुई थी। एक साल पहले चाकारा ने हीरो इंडियन ओपन 2025 खिताब जीता था और तब फिट्जपैट्रिक संयुक्त 17वें स्थान पर थे। हीरो मोटोकोर्प के कार्यकारी निदेशक डॉ पवन मुंजाल ने फिट्जपैट्रिक को ट्रॉफी और 433,500 डॉलर का चेक प्रदान किया। उन्होंने 585 अंक भी हासिल किए और रेस टू दुबई रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए।

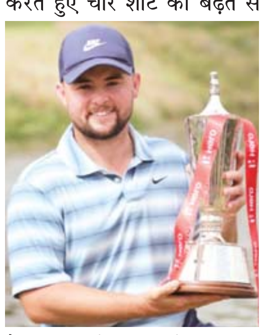

जापान ग्रांप्री: मर्सिडीज के किमी एंटोनेली ने लगातार दूसरी फार्मूला एफवन रेस जीती

सुजुका, जेएनएन। मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (एफ1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे। एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है। उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। इस युवा ड्राइवर ने कहा, मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।

पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं मैरी कॉम

नई दिल्ली, जेएनएन। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और छह बार की विश्व चैम्पियन भारतीय मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम ने रविवार को कहा कि वह पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी 43 वर्ष की मैरी कॉम ने कहा कि अमैच्योर सर्किट पर खेलने के लिये अब उनकी उम्र निकल चुकी है। उन्होंने 'संडे आन साइकिल्स' कार्यक्रम से इतर कहा छह विश्व चैम्पियनशिप जीतना खास रहा। अब मैं उस उम्र में हूं कि देश के लिये अमैच्योर सर्किट पर नहीं खेल सकती। पेशेवर मुक्केबाजी एक नया मौका हो सकता है। उन्होंने कहा अभी इस बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत करके वापसी की कोशिश में हूं।

आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों पर लगे भारी जुर्माना: गावस्कर

मुंबई, जेएनएन। आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में खरीदे जाने के बावजूद टूर्नामेंट शुरू होने से पहले हटने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर दो साल का बैन काफी नहीं है। इसके लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को उन पर भारी भरकम जुर्माना लगाना चाहिए। ये कहना है भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का। उन्होंने ये बात इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट के आईपीएल 2026 सीजन से हटने के कुछ दिनों बाद कही है। डकेट दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाला थे। लेकिन, इंटरनेशनल क्रिकेट करियर पर ध्यान देने के लिए घरेलू क्रिकेट का प्राथमिकता देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया पर आईपीएल से हटने की घोषणा कर दी। मिनी ऑक्शन में बेन डकेट को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा था। लेकिन, न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले आगामी टेस्ट मैचों से पहले उन्होंने आईपीएल के बजाय काउंटी चैंपियनशिप खेलने को प्राथमिकता दी है। इस फैसले के बाद वह अब अगले दो साल के लिए आईपीएल से बैन होने वाले हैं।

कार्तिक ऐसे 'धुरंधर' जो 12 कप्तानों के अंडर में खेले

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट में तगड़ा कॉम्पिटिशन है। अब टीम में जितना मुश्किल जगह बनाना है, उससे कहीं ज्यादा उसे बरकरार रखना है। ये कॉम्पिटिशन का दौर 2000 के बाद से शुरू हुआ। देश में इतना टैलेंट है कि एक पोजीशन के लिए 4-5 दावेदार खिलाड़ी हैं। इतिहास उठाकर देखें तो भारतीय क्रिकेट में कई खिलाड़ी आए और अचानक गुमनाम हो गए, लेकिन एक धुरंधर ऐसा भी है, जिसने कॉम्पिटिशन के दौर में 18 साल क्रिकेट खेला। खास बात ये रही कि वो कभी टीम से बाहर रहा तो कभी अंदर। ये वही खिलाड़ी है, जो इंटरनेशनल क्रिकेट में एक-दो नहीं बल्कि एक दर्जन कप्तानों के अंडर खेल चुका है। सुनने में यह अजीब बात है, लेकिन ऐसा हो चुका है। जिस धुरंधर की यहां बात हो रही है, वो कोई और नहीं बल्कि टीम इंडिया के धाकड़ विकेटकीपर दिनेश कार्तिक हैं। उनका करियर 2004 से शुरू हुआ, जो 2022 तक चला। इस दौरान कई कप्तानों के दौर आए और खत्म हो गए, लेकिन डीके का जलवा बरकरार रहा। दिनेश कार्तिक दुनिया के शायद एकमात्र ऐसे बैटर हैं, जिन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर में 12 अलग-अलग कप्तानों के अंडर खेला है। इस लिस्ट में भारत के 11 दिग्गज कप्तानों के अलावा पाकिस्तानी कप्तान का नाम भी शामिल है। दिनेश कार्तिक ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत साल 2004 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में की थी। फिर 2006 में वीरेंद्र सहवाग की कप्तानी में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। इसके बाद विकेट कीपर दिनेश कार्तिक सौरव गांगुली, अनिल कुंबले, महेंद्र सिंह धोनी, सुरेश रैना, विराट कोहली, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे और ऋषभ पंत की कप्तानी में भी खेले। साल 2022 में आयरलैंड दौरे पर हार्दिक पांड्या की कप्तानी में भी उन्हें खेलने का मौका मिला। कार्तिक ने आईसीसी इलेवन की तरफ से खेलते हुए पाकिस्तान के दिग्गज शाहिद अफरीदी की कप्तानी में भी खेला है।

2004 में डेब्यू, 2022 में करियर पर पूर्णविराम

विकेटकीपर बैटर दिनेश कार्तिक ने 5 सितंबर 2004 को लॉर्ड्स के मैदान पर अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर का आगाज किया था। उन्होंने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2 नवंबर 2022 को एडिलेड में खेला था। आईपीएल में यह खिलाड़ी 6 टीमों के लिए 257 मैच खेल चुका है। अब क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह कॉमेंट्री में जलवा दिखा रहे हैं।

भारतीय मुक्केबाजों की नजरें एशियाई चैम्पियनशिप में मजबूत शुरुआत पर

उलानबटोर (मंगोलिया), जेएनएन। भारतीय मुक्केबाज आज से यहां शुरू हो रही एशियाई चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करके आगामी व्यस्त सत्र में हर मौके का पूरा फायदा उठाकर साल के आखिर में होने वाले बहु खेल टूर्नामेंटों के लिये सीधे कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। इस टूर्नामेंट के जरिये नये व्यस्त सत्र की शुरूआत होगी जिसमें जुलाई अगस्त में ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल, सितंबर -अक्टूबर में जापान में एशियाई खेल और उजबेकिस्तान में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स होने हैं। इस चैम्पियनशिप के जरिये मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिये सीधे क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम पिछले 15 दिन से मंगोलिया में है और मंगोलिया, चीन, जोर्डन, थाईलैंड के मुक्केबाजों के साथ अभ्यास कर रही है। महिला वर्ग में भारतीय चुनौती की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किलो), दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन (51 किलो), मौजूदा विश्व चैम्पियन मीनाक्षी हुड्डा (48 किलो) और जैसमीन लंबोरिया (57 किलो) करेंगी। लवलीना ने फरवरी में स्पेन में बॉक्सेम इंटरनेशनल जीता था। वहीं निकहत, मीनाक्षी और जैसमीन नवंबर के बाद पहला टूर्नामेंट खेलेंगी।

अब 31 मार्च को होगा नगर निगम का विशेष सम्मिलन

सतना। महावीर जयंती के उपलक्ष्य में राज्य शासन एवं कलेक्टर सतना द्वारा पूर्व में 31 मार्च को घोषित सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश को संशोधित करते हुए अब 30 मार्च कर दिया गया है। इस बदलाव के चलते निगम द्वारा 30 मार्च को साढ़े 11 बजे दिन से प्रस्तावित विशेष सम्मिलन अब 31 मार्च को उसी समय पर आयोजित किया जाएगा।

सतना जिले में महावीर जयंती का अवकाश 30मार्च को, आदेश जारी

सतना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा महावीर जयंती के अवसर पर अवकाश में परिवर्तन का आदेश जारी किया गया है। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल की अधिसूचना के अनुपालन में तथा स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पहले 31 मार्च को घोषित अवकाश को संशोधित कर अब 30 मार्च सोमवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

टीईटी प्रकरण में सतना के शिक्षक पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

सतना। जिले के लगभग दो हजार शिक्षकों सेवा में शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर उत्पन्न गंभीर स्थिति के मद्देनजर शासकीय शिक्षक संगठन ने अपने पक्ष की प्रभावी पैरवी हेतु मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व न्यायाधीश उच्च न्यायालय जबलपुर यस के गंगेलें को अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया है। सतना जिले के 150 से अधिक शिक्षकों ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई जाने वाली विविध याचिका की पैरवी श्री गंगेलें करेंगे। ऐसे में जिले सहित प्रदेश के टीईटी परीक्षा से प्रभावित शिक्षकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद अब बंधी है। संगठन के जिला अध्यक्ष अतुल सिंह परिहार बताया कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा रिव्यू पिटीशन न लगाए जाने पर विवश होकर सतना जिले के शिक्षक एकजुट होकर सुप्रीम कोर्ट में विविध याचिका लगाकर पात्रता परीक्षा संबंधी निर्णय को चुनौती दे रहे है प्रांतीय उपाध्यक्ष विवेक सिंह के नेतृत्व में 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में विभिन्न वरिष्ठ अधिवक्ताओं से चर्चा करने के उपरांत यह निर्णय लिया। सतना शिक्षकों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में मिसलिनियस अपील दायर की जा रही है।

झाड फूंक विवाद में बुजुर्ग पर बका से हमला

सतना। जिले के उचेहरा थाना पुलिस ने एक बुजुर्ग पर बका से जानलेवा हमला करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गोविंद उर्फदूल्हा यादव को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी सतीश मिश्रा ने बताया कि यह घटना रविवार सुबह परसमनिया चौकी क्षेत्र के कुम्ही गांव में हुई। प्यारेलाल चौधरी 54 वर्ष अपने घर पर सो रहे थेए तभी पड़ोस में रहने वाले गोविंद उर्फदूल्हा यादव ने उन पर बका से हमला कर दिया। हमले में प्यारेलाल के सिर गर्दन और हाथों में गंभीर चोटें आईं। चीख.पुकार सुनकर आस.पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और लहूलुहान प्यारेलाल को तत्काल उचेहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफ्र कर दिया गया। घटना के बाद आरोपी गोविंद फ्रार हो गया था। घायल के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com